ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सोशल मीडिया के माध्यम से अपने विचार साझा करना आम बात: जगदीश शेट्टर @नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 13 जून, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-164

चंद्रबाबू ने ली आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की शपथ, पवन कल्याण बने डिप्टी सीएम

विजयवाड़ा, 12 जून (एजेंसियां)। तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के पद की शपथ ली। श्री नायडू और उनके बेटे नारा लोकेश तथा अभिनेता से नेता बने जन सेना प्रमुख के. पवन कल्याण समेत उनके पूरे मंत्रिपरिषद ने पूर्वाह्न करीब 11:27 बजे शपथ ली। पवन कल्याण को एनडीए के नेतृत्व वाली सरकार में उपमुख्यमंत्री बनाया गया है।

राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने श्री नायडू और उनके मंत्रिपरिषद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। यहां से करीब 16 किलोमीटर दूर गन्नावरम हवाई अड्डे के सामने केसरपल्ली गांव के पास भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। श्री नायडू के साथ शपथ लेने वाले 24 मंत्री शामिल हैं, जिनमे नारा लोकेश, पवन कल्याण, किंजरापु अचेन नायडू, कोल्लू रवींद्र, नादेंदला मनोहर, पी नारायण, वंगालापुडी अनिता, सत्य कुमार यादव, निम्माला राम नायडू, एनएमडी फारूक, अनम रामनारायण रेड्डी, पय्यावुला केशव, अनगनी सत्य प्रसाद, कोलुसु पार्थसारथी, डोला बलवीरंजनेया स्वामी, गोट्टीपति रवि कुमार, कंडुला दुर्गेश, गुम्मादी संध्यारानी, बीसी जरधन रेड्डी, टीजी भारत, एस सविता, वासमसेट्टी सुभाष,

टीडीपी से 20, जनसेना से 3 और भाजपा से 1 मंत्री ने ली शपथ

शपथ ग्रहण समारोह कई राजनीतिक और फिल्मी हस्तियां हुईं शामिल

कोंडापल्ली श्रीनिवास और मंडीपल्ली राम प्रसाद रेड्डी प्रमुख हैं। श्री नायडू ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में चौथी बार शपथ ली है। हालिया विधानसभा चुनाव में तेदेपा ने 135, जन सेना ने 21, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आठ और वाईएसआरसीपी ने 11 सीटें जीती थी। शपथ ग्रहण समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलसाई सुंदरराजन, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, नितिन गडकरी, बंडी संजय, के. राम मोहन नायडू, लोकप्रिय फिल्म नायक रजनीकांत, के. चिरंजीवी, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम और पूर्व मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना भी मौजूद रहे।

▶10पर

नायडू के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने आज बुधवार को आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। नायडू के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी भी पहुंचे। उनके अलावा कई फिल्मी सितारे भी समारोह में शामिल हुए। आंध्र विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करने वाले जनसेना पार्टी के चीफ और साउथ एक्टर पवन कल्याण भी वहां पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने उनसे गर्मजोशी से मुलाकात की। इसमें पीएम मोदी सहित कई राजनीतिक हस्तियां शामिल हुईं। वहीं फिल्मी सितारे भी आए। साउथ सुपरस्टार रजनीकांत भी शामिल हुए। उनके अलावा अभिनेता व पवन कल्याण के भाई चिरंजीवी भी नजर आए। समारोह के दौरान सीएम नायडू और पवन कल्याण ने पीएम मोदी को भगवान की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। ▶10पर

ओड़ीशा में पहली बार भाजपा सरकार मोहन चरण माझी बने मुख्यमंत्री

भुवनेश्वर, 12 जून (एजेंसियां)। ओड़ीशा में पहली बार भाजपा की सरकार बन गई है। मोहन चरण माझी ने बुधवार को राज्य के 15वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। उनके साथ दो डिप्टी सीएम कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा ने भी शपथ ली।

इसी के साथ ओड़ीशा में पहली बार एक सीएम, दो डिप्टी सीएम और 13 मंत्रियों की सरकार बनी। शपथ ग्रहण समारोह शाम 5 बजे शुरू हुआ। माझी मंत्रिमंडल में 13 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें सुरेश पुजारी, रबिनारायण नाइक, नित्यानंद गोंड, कृष्ण चंद्र पात्रा, पृथ्वीराज हरिचंदन, मुकेश महालिंग, बिभूति भूषण जेना, कृष्ण चंद्र महापात्रा, गणेश राम सिंह खुंटिया, सूर्यवंशी सूरज, प्रदीप बालसामंता, गोकुला नंद मल्लिक और संपद कुमार स्वैन शामिल हैं।

इस कार्यक्रम को भुवनेश्वर के जनता मैदान में आयोजित किया गया। ओडिशा के मुख्यमंत्री के तौर पर मोहन चरण मांझी के शपथ समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भुवनेश्वर पहुंचे। एयरपोर्ट पर ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास और स्वयं मोहन चरण मांझी ने पीएम मोदी का स्वागत किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल भी शपथ समारोह में मौजूद

केवी सिंहदेव और प्रभाती परिदा डिप्टी सीएम बने

पीएम मोदी-शाह समेत कई भाजपा नेता रहे मौजूद

रहें। पूर्व सीएम नवीन पटनायक भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

ओडीशा को 24 साल बाद आदिवासी सीएम मिला। इससे पहले कांग्रेस के हेमानंद बिस्वाल राज्य के पहले आदिवासी सीएम थे। बिस्वाल 1989-1990 और 1999-2000 तक दो बार सीएम रहे। राज्य के दूसरे आदिवासी सीएम गिरिधर गमांग थे। हालांकि उनका कार्यकाल बहुत छोटा रहा।

बिस्वाल के बाद कांग्रेस यहां कभी सत्ता में नहीं रही।

बता दें कि माझी के नाम का एलान 11 जून को हुई विधायक दल की बैठक में किया गया। भाजपा ने वरिष्ठ पार्टी नेता राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव को ओडिशा में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। सीएम चुने जाने के बाद माझी ने कहा कि वह मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए पुरी जाएंगे। ▶10पर

यह ओड़ीशा के लिए ऐतिहासिक दिन है: मोदी

भुवनेश्वर, 12 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ओड़ीशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया और इस दिन को राज्य के लिए ऐतिहासिक दिन बताया। श्री मोदी एक्स पर ने कहा, भाजपा ओड़ीशा राज्य में अपनी पहली सरकार बना रही है। उन्होंने कहा, मैंने भुवनेश्वर में शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। मोहन चरण माझी को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर और काकन वर्धन सिंह देव तथा प्रभाती परिदा को उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई।

उन्होंने कहा,मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले अन्य लोगों को भी बधाई। महाप्रभु जगन्नाथ के आशीर्वाद से मुझे विश्वास है कि यह टीम ओड़ीशा में रिकॉर्ड विकास लाएगी और असंख्य लोगों के जीवन में सुधार करेगी।

कुवैत में आग लगने से 49 लोगों की मौत, इनमें अधिकांश भारतीय

- प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर ने जताया दु:ख
- पीएम राहत कोष से दो-दो लाख रुपए मुआवजे का ऐलान
- विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत रवाना

कुवैत सिटी/नई दिल्ली 12 जून (एजेंसियां)। दक्षिणी कुवैत के अल-मंगफ में बुधवार को एक छह मंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लगने से 49 मजदूरों की मौत हो गई जिनमें 41 भारतीयों की मौत की खबर है। 50 से ज्यादा लोग घायल हैं। हालांकि, अब तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। कुवैत के अधिकारी राहत एवं बचाव में जुटे हुए हैं तथा मृतकों की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। ▶10पर

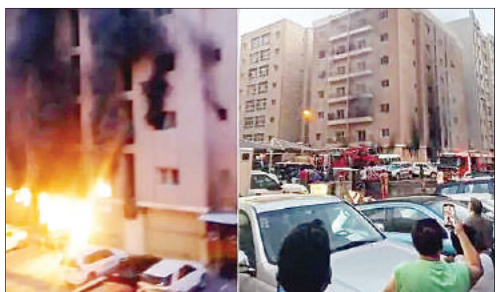

पानी संकट पर दिल्ली एवं हिमाचल सरकार को सुप्रीम फटकार

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जल संकट मामले में सुनवाई के दौरान बुधवार को दिल्ली और हिमाचल प्रदेश सरकार के कथित ढीले रवैये पर उनकी जमकर खिंचाई की।

शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली सरकार टैंकर माफिया को नियंत्रित करने में विफल रही, जिसकी वजह से भीषण गर्मी से जूझ रही राष्ट्रीय राजधानी में पानी संकट की स्थिति बनी हुई है। अदालत दिल्ली पुलिस को मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कह सकती है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की अवकाशकालीन पीठ ने इन टिप्पणियों के साथ दिल्ली सरकार से पानी की कमी को नियंत्रित करने के लिए किए गए उपायों के बारे में एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने हिमाचल प्रदेश द्वारा दिल्ली को पानी की आपूर्ति के संबंध में छह जून को पारित अपने आदेश के अनुपालन पर विचार करने के दौरान ये टिप्पणियां की।

दिल्ली सरकार टैंकर माफिया को नियंत्रित करने में विफल रही

जल संकट पर दिल्ली सरकार ने कोर्ट के समक्ष झूठे बयान क्यों दिए

पीठ ने पहले 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी की उपलब्धता का दावा करने और बाद में यह कहने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार की भी खिंचाई की कि पानी पहले ही बैराज में बह चुका है। न्यायमूर्ति मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने हिमाचल प्रदेश के महाधिवक्ता से कहा, हमने पहले दिए गए बयान के आधार पर आदेश पारित किया। हम (इस मामले में संबंधित) अधिकारी को सीधे जेल भेजेंगे। पीठ ने हिमाचल प्रदेश के अधिवक्ता से कहा, अगर आप पहले से ही पानी छोड़ रहे और यह हिमाचल प्रदेश से आ रहा, तो गलत बयान क्यों दिया जा रहा है।

शीर्ष अदालत ने वहीं दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा, आपने टैंकर माफिया के खिलाफ क्या कदम उठाए, जिन्होंने पानी पी लिया और निगल लिया। लोग पीड़ित हैं। हम हर चैनल में दृश्य देखते हैं। हानि या चोरी की जांच के लिए कोई कार्रवाई की या एफआईआर दर्ज की? इस पर श्री सिंघवी ने कहा कि अगर दिल्ली पुलिस इस मामले में कार्रवाई करती है तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनमें से कुछ टैंकर दिल्ली जल बोर्ड के हैं, जिनका इस्तेमाल प्रभावित इलाकों में पानी की ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

कठुआ में 20 घंटे चले ऑपरेशन में दो आतंकी ढेर, एक जवान शहीद

जम्मू-कश्मीर, 12 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में छिपे आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन में दो आतंकी मारे गए और सीआरपीएफ का एक जवान शहीद हो गया। जम्मू जोन के एडीजीपी आनंद जैन ने बताया कि मुठभेड़ मंगलवार शाम को शुरू हुई और बुधवार दोपहर तक चली।

एडीजीपी ने कहा कि मंगलवार को एक आतंकी मारा गया था। वहीं बुधवार एक और आतंकवादी मारा गया। मुठभेड़ में हमने एक सीआरपीएफ जवान भी खो दिया है। मारे गए लोग हाल ही में घुसपैठ करने वाले एक समूह का हिस्सा थे। हमने ऑपरेशन बंद नहीं किया है। इलाके में कुछ और आतंकी छिपे हो सकते हैं।

भारी मात्रा में हथियार और पाक निर्मित खाद्य पदार्थ एवं दवाइयां बरामद

एडीजीपी ने कहा, अस्पताल में दम तोड़ने वाले सीआरपीएफ जवान की पहचान 121 बटालियन के कांस्टेबल कबीर दास के रूप में हुई है। मुठभेड़ में घायल हुए नागरिक की हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। ▶10पर

देश के लोगों के लिए जीवनयापन आसान बनाएगी सरकार : सीतारमण

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। लगातार दूसरी बार वित्त और कंपनी मामलों की मंत्री बनाई गई निर्मला सीतारमण ने बुधवार को यहां नॉर्थ ब्लॉक में कार्यभार ग्रहण करते हुए कहा कि सरकार अपने नागरिकों के लिए जीवन की सुगमता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में आगे भी कदम उठाती रहेगी।

श्रीमती सीतारमण का नॉर्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में वित्त सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन और वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अन्य सचिवों ने स्वागत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री

2014 से किए गए सुधार जारी रहेंगे

नरेन्द्र मोदी के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की कि उन्हें फिर से केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री के रूप में काम करने और उनके मार्गदर्शन में भारत और इसके लोगों की सेवा करने का अवसर मिला।

सीतारमण ने पिछले 10 वर्षों में मजबूत नेतृत्व और विकासोन्मुखी शासन को स्वीकार किया, जिसने विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलाव किए हैं और एक मजबूत और लचीली अर्थव्यवस्था बनाई है।

कार्यभार संभालने के बाद, वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के विभिन्न विभागों के सचिवों ने मौजूदा नीतिगत मुद्दों पर केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों के मंत्री को जानकारी दी। श्रीमती सीतारमण ने यह भी कहा कि 2014 से किए गए सुधार जारी रहेंगे, जो भारत के लिए व्यापक आर्थिक स्थिरता और विकास प्रदान करेंगे। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के बीच हाल के वर्षों में भारत की सराहनीय विकास कहानी पर भी प्रकाश डाला और कहा कि आने वाले वर्षों के लिए एक आशावादी आर्थिक दृष्टिकोण है।

उन्होंने विभागों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के विकास एजेंडे को नए जोश के साथ आगे बढ़ाने और प्रधानमंत्री के विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए उत्तरदायी नीति निर्धारण सुनिश्चित करने का आग्रह किया। ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 76,606.57
+149.98 +0.20% ↑

एनएसई :23,322.95
58.10 (0.25%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 21^0

मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने आज इटली जाएंगे

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सात शक्तिशाली देशों के समूह जी-7 की बैठक में शामिल होने के लिए गुरुवार की रात इटली जाएंगे। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने आज यहां एक ब्रीफिंग में कहा कि तीसरे कार्यकाल में श्री मोदी की यह पहली विदेश यात्रा होगी। उन्होंने कहा, इटली की प्रधानमंत्री जिओर्जिओ मेलोनी के निमंत्रण पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 50 वें जी 7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कल अपुलिया, इटली की यात्रा पर जाएंगे। यह सम्मेलन 14 जून को वहां आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में भारत को एक आउटरीच देश के

रूप में आमंत्रित किया गया है। लगातार तीसरे कार्यकाल में पदभार संभालने के बाद यह प्रधानमंत्री की पहली विदेश यात्रा होगी।

विदेश सचिव ने कहा, इससे उन्हें भारत के साथ-साथ ग्लोबल साउथ के लिए भी महत्वपूर्ण मुद्दों पर जी 7 शिखर सम्मेलन में उपस्थित अन्य विश्व नेताओं के साथ जुड़ने का अवसर भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह जी 7 शिखर सम्मेलन में भारत की 11वीं और प्रधानमंत्री श्री मोदी की जी 7 शिखर सम्मेलन में लगातार 5वीं भागीदारी होगी। 14 जून को प्रधानमंत्री आउटरीच शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित अन्य देशों के साथ आउटरीच सत्र में भाग लेंगे। ▶10पर

कनाडा हिंसा और उग्रवाद फैलाने वाले तत्वों को देता है राजनीतिक स्थान : भारत

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के भारत में आम चुनावों को लेकर की गई टिप्पणी पर पलटवार करते हुए बुधवार को कहा कि भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता की पूरी दुनिया सराहना करती है जबकि कनाडा लोकतंत्र के नाम पर हिंसा और उग्रवाद फैलाने वाले तत्वों को राजनीतिक स्थान देता है। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने आज यहां एक ब्रीफिंग के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री के बयान के बारे में एक सवाल पूछे जाने पर कहा, ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,100/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 91,825/-
(प्रति किलोग्राम)

12वीं के बाद करियर विकल्प के लिए विशेष सेमिनार का आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक इंस्टीट्यूट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप ने भारतीय शिक्षा मंडल और दैवज्ञ विद्यावर्धक संघ के संयुक्त तत्वावधान में कर्नाटक चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सभागार में 12वीं कक्षा के बाद करियर विकल्पों की खोज पर प्रख्यात शिक्षाविदों और संजय गोड़वाता एजुकेशन यूनिवर्सिटी, कोल्हापुर, के पूर्व कुलपति गवर्नमेंट इंजीनियरिंग एजी कॉलेज, कारवार के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. वेंकटेश रायकर की उपस्थिति में सेमिनार का आयोजन किया। डॉ. वेंकटेश रायकर ने कहा कि छात्रों को 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य के करियर के बारे में सोचते हुए आगे का निर्णय लेना चाहिए। चाहे मातृभाषा कोई भी हो, भविष्य के लिए अंग्रेजी और हिंदी भाषा सीखना जरुरी है। छात्र जीवन के दौरान जब मैं अपनी

मातृभाषा कोंकणी में बोलता था तो छात्र हंसते थे। इससे बिना डरे मैंने रैपिडेक्स पुस्तक प्राप्त की और प्रतिदिन इसका अभ्यास किया। उन्होंने कहा कि आज मैं अंग्रेजी में विशेषज्ञ के रूप में इस स्तर पर पहुंच गया हुं। माता-पिता ने उन पर बहुत भरोसा किया है, इसलिए यदि वे उस भरोसे से समझौता किए बिना उस विषय का अध्ययन करते हैं जिसमें उनकी रुचि है, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे निश्चित रूप से उच्च स्तर तक पहुंचेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी तथा विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए अनेक भ्रमित करने वाले प्रश्नों का समुचित उत्तर देकर विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान प्रदान किया। चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष एस.पी. समशीमठ ने स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी है। ऐसे आयोजन से विद्यार्थियों को अपने भविष्य की योजना बनाने में सुविधा होती है। दैवज्ञ विद्यावर्धका संघ के अध्यक्ष विजया वर्नेकर ने कहा कि कर्नाटक उद्यमिता संगठन ने व्यवसाय और उद्योग के साथ-साथ छात्रों की आगे की शिक्षा के लिए यह कार्यक्रम चलाया है। उन्होंने कहा कि अगर विद्यार्थी अपने द्वारा पहने जाने वाले कपड़े, इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल और अन्य आकर्षक चीजों को ब्रांड बनाने के बजाय जो पढ़ाई करते हैं उसे महान ब्रांड बनाएं और अच्छे दोस्त चुनें तो उनका भविष्य उज्जवल होगा और वे उपलब्धि हासिल करेंगे। मानद सचिव रवीन्द्र एस. बालिगरा ने सभी का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा अमृता पलानकारा एवं कुमारी प्राची रेवणकर ने किया। सेमिनार में चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष एस.पी. समशीमथ, उपाध्यक्ष वीरेश मोटगी, मानद सचिव रवींद्र एस. बलिगेर और एडिशनल सचिव महेंद्र सिंघी, कौशल विकास अध्यक्ष उदय रेवनकर, डॉ. बसवराज शिक्षा बोर्ड, सदस्य सर्वश्री सदानंद कामत, गौतम गोलेछा, विश्वनाथ हिरे गौड़ा, विश्वनाथ बेनकल्ला और कई कॉलेजों के छात्र और प्रोफेसर उपस्थित थे।

अलख जगाएं और धरती को स्वर्ग बनाएं के तहत पर्यावरण जागरूकता अभियान

चिक्कमंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अणुव्रत समिति की ओर से मंगलवार को प्राइड युरो स्कूल में अणुव्रत की अलख जगाएं और धरती को स्वर्ग बनाएं के तहत पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया। अणुव्रत समिति के अध्यक्षा ने कहा पर्यावरण और अणुव्रत अणुव्रत आचार संहिता का ग्यारहवां नियम पर्यावरण संरक्षण की बात करता है। अहिंसा न केवल मानव बल्कि पशु-पक्षि, कीड़े-मकोड़े, और वनस्पति के प्रति भी होनी चाहिए।

सभी जीव-निर्जिव वस्तुएं आपस में जुड़ी हुई हैं, जैसे माला से मोती। पर्यावरण की क्षति पूरी पृथ्वी पर असर डालती है। खनिज उत्पादन, जंगलों की कटाई और प्रदूषण से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। भारत में जंगलों की स्थिति अत्यंत खराब है। बांधों, खेती, सड़कों, और उद्योगों के विस्तार के कारण लाखों हेक्टेयर जंगल नष्ट हो चुके हैं। आजादी के समय यहां जंगल अधिक थे,

लेकिन तब से वनों की भारी क्षति हुई है। महावीर की अहिंसा का सिद्धांत पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ाता है। धरती के संसाधनों का उचित उपयोग और वनों का संरक्षण आवश्यक है। इस मौके पर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष मंजू भंसाली तथा मंत्री गौतम आच्छा के साथ तेरापंथ सभा के अध्यक्ष महेंद्र डोसी, जैन संघ के अध्यक्ष कांतिलाल खिवेसरा, खजांची किशोर आच्छा, पूर्व अध्यक्ष लालचंद भंसाली, सुरेंद्र गोखरू, सुरेश आच्छा, सज्जन राज पिरगल, महिला मंडल की अध्यक्षा गुणवंती नाहर चंद्राबाई, कौशल्या सियाल, फैंसी अच्छा आदि अनेक महिला मंडल की बहने एवं ब्रह्माकुमारी की भाग्य लक्ष्मी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। मंजू भंसाली ने सभी का स्वागत कर बच्चों में सर्टिफिकेट और चॉकलेट का वितरण किया।

सरकारी बोर्ड-निगमों में जैन समाज को उचित प्रतिनिधित्व मिले

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति अल्पसंख्यक के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने कर्नाटक अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष यू. निसार अहमद एवं कर्नाटक अल्पसंख्यक कल्याण निगम के अध्यक्ष अल्ताफ खान से भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने दोनों सरकारी कार्यालय में दिगंबर-श्वेतांबर जैन के प्रति हो रहे असमंजस को खत्म करने का आग्रह किया।

अल्पसंख्यक कल्याण निगम द्वारा जैन समाज के धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण, शैक्षणिक छात्रवृति एवं विदेश में उच्च शिक्षा ऋण हेतु मिलने वाली राशि में बढ़ोतरी का भी अनुरोध किया। बोहरा ने कहा कि आज श्वेताम्बर जैन समाज को भी परिस्थिति वश अनेकों आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अतः उन्हें निगम की सभी लाभकारी योजनाओं में बराबरी का लाभ दिया जाये। प्रतिनिधि मंडल में शामिल

केपीपीसी अल्पसंख्यक विभाग के ऐडमिन व प्रवक्ता इरशाद अहमद व सचिव नीतेश राठौड़ ने अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष नसीर अहमद से अनुरोध किया कि अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त जैन समाज के व्यापारिक व सामाजिक सुरक्षा हेतु नई नियमावली बनाकर राज्य सरकार को भेंजे। साथ ही प्रतिनिधि माण्डल ने अल्पसंख्यक कल्याण निगम व अल्पसंख्यक आयोग में उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग भी रखी, ताकि जैन समाज एवं समाज के बीच में एक सेतु बन सके। अल्पसंख्यक विभाग के दोनों अग्रणियों ने प्रतिनिधि मंडल से सभी मांगों एवं सुझावों पर गौर करने का आश्वासन दिया।

व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा मंगलवार रात व्यक्तित्व विकास कार्यशाला कनेक्टिविटी इस द बेस्ट एक्टिविटी का आयोजन साध्वी उदित यशाजी के सानिध्य में तेरापंथ भवन राजराजेश्वरी नगर में किया गया।

विजय गीत का संगान तुलसी संगीत सुधा के साथियों द्वारा किया गया। श्रावक निष्ठा का वाचन संभाग प्रमुख अमित दक द्वारा किया गया। अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया।

साध्वीवृंद ने जाग उठो युवा बंधुओं गीत का जोशपूर्ण संगान किया। कार्यशाला के विषय कनेक्टिविटी इस द बेस्ट एक्टिविटी की शुरुआत करते हुए साध्वी संगीत प्रभाजी ने कई बिंदुओं के माध्यम से युवकों को प्रोत्साहित किया। साध्वी भव्य यशाजी ने

कनेक्टिविटी इस द बेस्ट एक्टिविटी क्यों है इसका विश्लेषण करते हुए कहा कि हमें वास्तव में कनेक्ट होना है, वीतराग आत्मा के साथ, संघ के साथ और गुरु के साथ, ताकि हमारी तरक्की होती रहे। साध्वी उदित यशाजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में फरमाया कि किसी के साथ कनेक्ट होने से पहले हमें उसे अपनाना पड़ेगा। जब हम किसी को प्रेम वह वात्सल्य देकर अपनाएंगे तभी वह हमसे कनेक्ट होगा। उन्होंने युवकों को डिजिटल डिटॉक्स को अपनाने की प्रेरणा दी। संभाग प्रमुख अमित दक ने भी युवकों को किस तरह समाज से कनेक्ट हो इसकी जानकारी दी। इस अवसर पर सभा, महिला मंडल, युवक परिषद, किशोर मंडल, कन्या मंडल के साथ साथ श्रावक समाज की उपस्तिथि रही। कार्यक्रम का सफल संचालन मंत्री सुपार्श पटावरी ने किया।

श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल की नवीन कार्यकारिणी गठित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुड़ी की 2024-26 की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक के प्रारम्भ में अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने पधारे हुए समस्त सदस्यों का स्वागत अभिनन्दन किया। महामंत्री ललित डाकलिया ने पिछले कार्यकाल में हुए कार्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत किया और सभी कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान करने हेतु मंडल के सदस्यों और सहयोगियों का धन्यवाद आभार जताया। उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया और कोषाध्यक्ष रमेश गुलेच्छा ने आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया।

तत्पश्चात साधारण सभा में अरविन्द कोठारी को सर्वसम्मति से पुनः अगले कार्यकाल हेतु अध्यक्ष पद पर चुना गया। अध्यक्ष

ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें सलाहकार तेजराज मालानी, कुशल राज गुलेच्छा और तनसुख राज गुलेच्छा के साथ उपाध्यक्ष पद पर अनिल भडकतिया, राकेश डाकलिया, रमेश गुलेच्छा और महामंत्री का पद पुनः ललित डाकलिया को प्रदान किया गया। कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, सहमंत्री धर्मेन्द्र कुमार संकलेचा, प्रकाश पोफलिया के साथ कार्यकारिणी एवं प्रकोष्ठ सदस्यों में अमित पारख, अजय पारख, अंकित गुलेच्छा, अर्चित पारख, भरत कोठारी, दीपक छाजेड़, गिरीश बोहरा, हेमंत कवाड़, हितेंद्र चौपड़ा, इंदरचंद नाहटा, जंवरी लाल गुलेच्छा, जितेंद्र नाहर, कुणाल मरलेचा, महावीर भंसाली, नितेश बोहरा, रनजीत मेहता, राहुल लोढा, संजीव पारख, संकेत डागा, सन्नी रांका, विकास बच्छावत, विनोद चोपड़ा, विनय खटोड़ को जिम्मेदारी प्रदान की गई।

दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को आगामी कार्यकाल हेतु बधाई और शुभकामनाएं प्रदान की और आगामी कार्यकाल में मंडल उत्तरोत्तर प्रगति करता रहे ऐसी शुभकामनाएं प्रदान की। बैठक के पश्चात समस्त सदस्यों ने पूज्य साध्वी स्वर्णांजना श्रीजी के दर्शन वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

किसी को भी किसी की जान लेने का अधिकार नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

फिल्म बोर्ड ऑफ ट्रेड के अध्यक्ष सुरेश ने कहा कि यह दुखद है कि अभिनेता दर्शन के मामले में त्रासदियों की श्रृंखला हो रही है। उन्होंने चित्रदुर्ग के रेणुकास्वामी हत्याकांड पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के लिए चिंता का विषय है। किसी को भी किसी की जान लेने का अधिकार नहीं है। अभिनेताओं को समाज को एक अच्छा संदेश देना चाहिए। लेकिन इस मामले में गलत किया गया है। इसी बीच फिल्म वाणिज्य बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सारा गोविंदू ने अभिनेता दर्शन और उनके गिरोह द्वारा चित्रदुर्ग निवासी रेणुकास्वामी की हत्या की निंदा की और

दोषियों को उचित सजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि उन्हें डॉ. राजकुमार, विष्णुवर्धन, अंबरीश जैसे सज्जनों से ज्ञान सीखना चाहिए। अगर रेणुकास्वामी ने कुछ गलत किया है तो उन्हें बुलाकर बताना चाहिए था। मैं पीड़ित परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

विशाल निःशुल्क कृत्रिम पैर शिविर सम्पन्न

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

रोटरी क्लब ऑफ हुब्बल्ली और ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन के महावीर लिंब सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में विशाल निःशुल्क कृत्रिम पैर लगाने के शिविर का आयोजन किम्स परिसर में स्थित महावीर लिंब सेंटर में किया गया। रोटरी क्लब ऑफ हुब्बल्ली ने इस वर्ष कई सामाजिक और मानवीय सेवा गतिविधियों में भाग लिया है।

उनमें से एक गतिविधि विशाल निःशुल्क कृत्रिम पैर शिविर आयोजित किया गया। आसपास के जिलों के दिव्यांगों को कृत्रिम पैर लगाए गए। शिविर का उद्घाटन रोटरी क्लब ऑफ हुब्बल्ली के अध्यक्ष अरविन्द कुब्सद, कार्यदर्शी वसंत भस्मे, दानदाता विमल भंडारी, ऑल इंडिया जैन

यूथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के अध्यक्ष महेंद्र सिंघी और गौतम गोलेछा ने दिव्यांगों को कृत्रिम पैर लगाकर किया। महेंद्र सिंघी ने विशाल निःशुल्क कृत्रिम पैर शिविर के आयोजन के लिए रोटरी क्लब ऑफ हुब्बल्ली के प्रति आभार व्यक्त किया और महावीर लिंब सेंटर के साथ हाथ मिलाने के लिए उन्हें सम्मानित किया। धारवाड़, बेलगावी, कोप्पल, दावणगेरे, बागलकोट, चित्रदुर्गा, बीजापुर सहित अनेक जिलों से विकलांग लोग पहुंचे। इस अवसर पर महावीर लिंब सेंटर के कोषाध्यक्ष मानव संघवी, सह कार्यदर्शी महावीर कुंदुर, कन्वीनर सुभाष चंद्रा डंक और मानुनाथ होम्बल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *सागर समुदाय के आचार्य देव श्री विमलसागरसुरीश्वरजी का बुधवार को दक्षिण नाकोडा तीर्थ श्री संकट मोचन पार्श्व भैरव धाम अरसीकेरे के पावन भूमी पर आगमन हुआ। अपने शिष्य वृन्द के साथ तीर्थ अवलोकन कर आगामी दिनों में विकसित तीर्थ भूमि की महिमा उजागर करते हुए प्रसन्नचित्त होकर गांव की ओर विहार करेंगे। दो दिवसीय ठहराव में पुज्यश्री की निश्रा में प्रभावी प्रवचन के साथ सिद्धचक्र महा पूजन तथा अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस मौके पर ट्रस्ट अध्यक्ष अशोककुमार सुराना, ट्रस्टी मांगीलाल मेहता, मनोहरलाल सुराना, मनोजकुमार बाफणा, दिलखुश बाफणा, रमेश कटारिया, अशोक सोलंकी, राजेश कोठारी, राजेश सुंदेशा मुथा सहित तीर्थ के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. विजय कुमार सुराना मौजूद थे।*

मोदी सरकार में कर्नाटक के पांच मंत्री राज्य के ठंडे बस्ते में पड़े प्रोजेक्टों को दिला रहे हैं रफ्तार?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में कर्नाटक के पांच सदस्यों को कैबिनेट में शामिल किए जाने से उम्मीद है कि राज्य की जो योजनाएं पिछड़ी पड़ी थीं, उन्हें गति मिलेगी। कहा जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी को भारी उद्योग और वी. सोमन्ना को रेलवे और जलविद्युत विभाग मिला है, इसलिए कई परियोजनाएं शुरू की जा सकती हैं। इन दोनों के अलावा केंद्रीय उपभोक्ता कल्याण मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे भी महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री हैं, इसलिए परियोजनाओं में देरी की संभावना

नहीं है। खास तौर पर उम्मीदों से परे प्रभावशाली अकाउंट पर कब्जा करने वाले कुमारस्वामी कह रहे हैं कि राज्य की कुछ रुग्ण फैक्टरियां जो विभिन्न कारणों से बंद हो चुकी हैं और बंद होने की कगार पर हैं, उन्हें नया जीवन मिल सकता है। लोगों को उम्मीद है कि सोमन्ना दोनों विभागों के तहत लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, जिसमें मेकेदातु सहित अंतरराज्यीय जल विवादों का निपटारा, सिंचाई परियोजनाओं के लिए आवश्यक अनुमति और अनुदान देना, राज्य की रेलवे परियोजनाओं को गति देना शामिल है। राज्य सरकार में विभिन्न विभागों को संभालने का व्यापक अनुभव रखने वाले सोमन्ना एक ऐसे राजनेता हैं जो हमेशा पारा की तरह सक्रिय रहते हैं।

एक महत्वाकांक्षी नेता जो हर अवसर मिलने पर कड़ी मेहनत करना चाहता है। अब उन्हें केंद्रीय कैबिनेट में दो अहम विभागों की जिम्मेदारी मिल गई है। उम्मीद है कि वह राज्य को राज्य खाते की सीमा के भीतर अधिक सहायता प्रदान करेंगे, भले ही यह कैबिनेट स्तर का न हो।

महत्वपूर्ण स्थान मिला है

राज्य में दो बार मुख्यमंत्री के रूप में शासन करने का अनुभव रखने वाले कुमारस्वामी को बड़े उद्योगों और इस्पात विभाग में महत्वपूर्ण स्थान मिला है। स्वाभाविक रूप से, इस खाते के कारण कर्नाटक व्यापार क्षेत्र के सपने जगमगा उठे हैं। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी तरह उद्योगपतियों का पड़ोसी राज्यों में पलायन रोकने में भी इसका फायदा मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, राज्य की भद्रावती वीआईएसएल फैक्ट्री को पुनर्जीवित करने की इच्छा फिर से जगी है क्योंकि इसमें स्टील का खाता भी है। एमपीएम फैक्ट्री और एनजीईएफ फैक्ट्री के भी पुनर्जीवित होने की उम्मीद है।

अभिनेता दर्शन ने घृणित कार्य किया

सोशल मीडिया के माध्यम से अपने विचार साझा करना आम बात: जगदीश शेट्टर

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री और बेलगावी लोकसभा क्षेत्र से सांसद जगदीश शेट्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अभिनेता दर्शन ने घृणित कार्य किया है। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से अपने विचार साझा करना आम बात है। लेकिन इसे इतनी गंभीरता से लेना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि दर्शन और उनकी टीम ने जो किया वह राक्षसी था। यदि रेणुकास्वामी ने जो किया वह गलत था, तो इसे कानून के माध्यम से हल किया जा सकता था। लेकिन इस स्तर तक जाना ठीक नहीं है। इस सवाल के जवाब में कि कांग्रेस के विधायक ही प्रदेश में पांच गारंटी बंद करने की बात कह रहे हैं, उन्होंने कहा मैं पहले भी कह चुका हूं, यह कहने में कोई बुराई नहीं है। पांच गारंटियों के कारण राज्य का विकास अवरुद्ध हो गया है और गारंटियों के कारण आर्थिक व्यवस्था खराब हो गई है। मैंने कहीं नहीं कहा कि मैं मंत्री पद का दावेदार हूं। लेकिन वह बेलगावी लोकसभा क्षेत्र से भारी मतों के अंतर से चुने गए और पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेदारी देगी, वह उसे संभालने के लिए तैयार हैं। दक्षिण कन्नड़ जिले में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर चाकू से हमला करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा उन्हें इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पुलिस को सावधान रहना चाहिए। ज्ञातव्य है कि कर्नाटक पुलिस ने मंगलवार को कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन और उनके 10 से अधिक सहयोगियों को 33 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या के सिलसिले में हिरासत में लिया, जिसने दर्शन की दूसरी पत्नी के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी। दर्शन और उनके सहयोगियों को मंगलवार को मैसूरु में उनके फार्महाउस से हिरासत में लिया गया। बेंगलूरु पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने बताया कि अभिनेता को हत्या मामले के सिलसिले में हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। गत रविवार को एक अज्ञात शव मिलने के बाद हत्या का मामला प्रकाश में आया।

कामाक्षीपाल्या पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज किया था और मृतक की पहचान तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के जरिए की गई। मृतक की पहचान चित्रदुर्ग के लक्ष्मी वेंकटेश्वर लेआउट निवासी रेणुकास्वामी के रूप में हुई। पुलिस आयुक्त ने बताया कि इस सूचना के आधार पर आगे की जांच की गई और अभिनेता और उसके सहयोगियों को हिरासत में लिया गया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है और जांच के हित में अतिरिक्त जानकारी का खुलासा नहीं किया जा सकता। हत्या के मकसद के बारे में पूछे जाने पर पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मृतक ने दर्शन की पत्नी पर अपमानजनक टिप्पणी की थी और संदेश भेजे थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या दर्शन को हिरासत में लिया गया है, तो उन्होंने कहा कि पुलिस ने उन्हे हिरासत में ले लिया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दर्शन को आगे की पूछताछ के लिए बेंगलूरु लाया गया और किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रेणुकास्वामी ने दर्शन की दूसरी पत्नी के साथ तस्वीरें पोस्ट करने पर उसके बारे में ताना मारा और अपमानजनक टिप्पणी की। इससे गुस्साए दर्शन ने रेणुकास्वामी को चित्रदुर्ग से उठाकर बेंगलूरु ले आए, जहां उसे विनय नामक व्यक्ति के शेड में रखा गया और प्रताड़ित किया गया। रेणुकास्वामी की कथित तौर पर हत्या करने के बाद, उनके शव को बेंगलूरु में एक अपार्टमेंट परिसर के सामने सुमनहल्ली के पास वृषभावती नहर में फेंक दिया गया।

रेणुकास्वामी की पत्नी ने न्याय की लगाई गुहार

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के कामाक्षीपाल्या पुलिस स्टेशन की सीमा में कथित तौर पर मृत पाए गए रेणुकास्वामी (33) का शव मंगलवार रात को उनके गृहनगर चित्रदुर्ग लाया गया। उनकी पत्नी सहाना ने इसके तुरंत बाद न्याय की गुहार लगाई। इस बीच, रेणुकास्वामी की हत्या के सिलसिले में कन्नड़ सिनेमा अभिनेता दर्शन को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़ित के पार्थिव शरीर को बेंगलूरु से एक वाहन में चित्रदुर्ग के तुरवनूर रोड पर वीआरएस लेआउट स्थित उनके घर लाया गया। उनके परिजनों और इलाके के लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बाद में शहर के जोगीमट्टी रोड पर स्थित वीरशैव कब्रिस्तान में उनका अंतिम संस्कार किया गया। तीन महीने की गर्भवती सहाना ने मीडियाकर्मियों से कहा कि परिवार उनके पति के लिए न्याय चाहता है।

उन्होंने कहा हमारी शादी एक साल पहले हुई थी और मैं एक बच्चे की उम्मीद कर रही हूं। ऐसी स्थिति में मेरे पति की मौत ने मुझे तोड़कर रख दिया है। अब मैं अपना जीवन कैसे जी पाऊंगी। उन्होंने कहा कि उनके पति ने इस मामले के बारे में उन्हें कुछ नहीं बताया। आंसू भरी आंखों वाली महिला ने सवाल किया कि मेरे पति ने 8 जून की दोपहर को मुझे फोन किया था। अगर मेरे पति ने सोशल मीडिया पर अपमानजनक संदेश भेजे थे, तो उन्हें चेतावनी दी जानी चाहिए थी। उन्हें मारने की क्या जरूरत थी। उन्होंने मांग की कि चाहे वह अभिनेता (दर्शन) हों या स्टार, मुझे न्याय चाहिए। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व विधायक बसवराजन एस के ने कहा कि अभिनेता दर्शन और उनके गिरोह ने सबसे जघन्य अपराध किया है। यह एक व्यक्ति की हत्या नहीं बल्कि मानवता की हत्या है। उन्होंने कहा हमारे पास अदालत और पुलिस है। उन्हें कानून अपने हाथ में लेने का कोई अधिकार नहीं है। हत्या के मामले में शामिल सभी लोगों को सजा मिलनी चाहिए। निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने मामले की न्यायिक जांच की भी मांग की, क्योंकि लोकप्रिय अभिनेता दर्शन इसमें शामिल हैं। वीरशैव लिंगायत समुदाय के लोग गुरुवार को चित्रदुर्ग में रेणुकास्वामी के लिए न्याय की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

दर्शन प्रशंसक हत्या मामला

पुलिस अभिनेता के 4 सहयोगियों को घटनास्थल पर जांच के लिए ले गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन थुगुदीपा के चार सहयोगियों को बुधवार को घटनास्थल पर जांच के लिए ले जाया गया, जहां हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि निखिल, विनय, कार्तिक और राघवेंद्र उन 12 सहयोगियों में शामिल हैं, जिन्हें दर्शन के साथ मंगलवार को अभिनेता के प्रशंसक रेणुकास्वामी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। चारों पर यहां एक नाले में शव फेंकने का आरोप है। चित्रदुर्ग के जिला मुख्यालय शहर के निवासी रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर दर्शन की दूसरी पत्नी अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा के सोशल मीडिया अकाउंट पर टिप्पणी की थी और उन पर अभिनेता और उनकी पहली पत्नी के बीच दरार पैदा करने का आरोप लगाया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उन्होंने कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और आपत्तिजनक संदेश पोस्ट किए।

दर्शन और बाकी सभी के लिए कानून एक समान है: परमेश्वर

किसी को भी कानून नहीं तोड़ना चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन और उनके साथियों द्वारा कथित तौर पर एक प्रशंसक की हत्या पर टिप्पणी करते हुए कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि दर्शन के लिए कानून एक समान है और वह अपना काम करेगा। उन्होंने यह बात पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में कही, जिसमें दर्शन के पैसे और बाहुबल के कारण कार्रवाई से बचने की संभावना के बारे में पूछा गया था। डॉ. परमेश्वर ने दोहराया, उन्हें (दर्शन और उनके साथियों को) एक हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारी जांच के निष्कर्षों के आधार पर कार्रवाई शुरू करेंगे। कानून सभी के लिए समान है। यह दर्शन और परमेश्वर के लिए अलग नहीं है। इसलिए, किसी को भी कानून नहीं तोड़ना चाहिए। डॉ. परमेश्वर ने यह भी कहा कि पुलिस दर्शन के आदतन अपराधी होने के पहलू की भी जांच करेगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या पुलिस विभाग दर्शन को हिस्ट्रीशीटर घोषित करेगा, तो डॉ. परमेश्वर ने कहा कि पुलिस की रिपोर्ट और सिफारिशें उपलब्ध होने के बाद ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। पुलिस कानून की किसी भी धारा को लागू करने के लिए स्वतंत्र है। डॉ. परमेश्वर ने कहा अभिनेता दर्शन पीड़ित रेणुकास्वामी द्वारा अपनी पत्नी को अपमानजनक संदेश भेजने के बारे में शिकायत दर्ज करा सकते थे। अगर शिकायत दर्ज कराई गई होती, तो पुलिस तुरंत कार्रवाई करती। हत्या टाली जा सकती थी और एक जान बच सकती थी। डॉ. परमेश्वर ने कहा कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। पुलिस को पूरी छूट है और वे जांच को आगे बढ़ाएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार पीड़ित परिवार की मदद करेगी, डॉ. परमेश्वर ने कहा कि यह अभी देखा जाना बाकी है। उन्होंने कहा मैं परिवार को मुआवजा देने के बारे में मुख्यमंत्री से बात करूंगा। चित्रदुर्ग निवासी 33 वर्षीय रेणुकास्वामी की हत्या के आरोप में दर्शन, उनकी दूसरी पत्नी पवित्रा गौड़ा और 11 अन्य को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला कि रेणुकास्वामी दर्शन के प्रशंसक थे और उन्होंने पवित्रा गौड़ा को सोशल मीडिया पर अपमानजनक संदेश भेजे थे, क्योंकि वह अभिनेता की पहली पत्नी और उसके बेटे का समर्थन करते थे। पीड़ित को अगवा कर लिया गया, बेंगलूरु लाया गया, एक शेड में रखा गया और बेरहमी से प्रताड़ित कर मार डाला गया। पीड़ित के माता-पिता और एक गर्भवती पत्नी हैं।

विपक्षी नेता अशोक सरकारी आवास के लिए कर रहे संघर्ष

आवास के लिए लिखा कई बार पत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के वरिष्ठ नेता आर. अशोक, जो आधिकारिक विपक्षी दल के नेता हैं, के पास एक संवैधानिक पद है, लेकिन उन्हें आधिकारिक निवास के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जो छह महीने से आवास आवंटन के लिए पत्रों से निपट रहे हैं और अभी तक सरकारी आवास नहीं मिला। इसलिए बिना सरकारी आवास के ही काम चलाना पड़ता है। मुख्यमंत्री के समकक्ष संवैधानिक पद विपक्ष के नेता का है। चाहे कोई भी सरकार आए, विपक्षी नेताओं को सरकारी आवास आवंटित किए जाएंगे। हाल के वर्षों में, कुमारकृपा ईस्ट बंगला अक्सर विपक्षी नेताओं को आवंटित किया गया है। इसके अलावा रेस कोर्स रोड पर रेस व्यू कॉटेज आवंटित करने की प्रथा है।

लेकिन अब विपक्षी दल के नेता अशोक को अब तक सरकारी आवास आवंटित नहीं किया गया है, इसलिए अशोक को निजी आवास से ही संवैधानिक पद की जिम्मेदारी संभालनी पड़ रही है। विपक्षी दल के नेता बनते ही अशोक ने सरकारी आवास के लिए नवंबर 2023 में सरकार को पत्र लिखा था। लेकिन आवास आवंटन का कार्य अभी तक नहीं हुआ, फरवरी 2024 में अशोक ने सरकार को एक और पत्र लिखकर सरकारी आवास आवंटित करने का अनुरोध किया। चुनाव के एक माह बाद भी सरकार ने सरकारी आवास आवंटित करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है। इसलिए तीसरी बार विपक्ष के नेता आर अशोक ने सरकार के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर रेसकोर्स रोड या कुमारकृपा आवास पर आवास देने का अनुरोध किया है। अशोक ने इन तीन आवासों में से एक के लिए याचिका दायर की है। नंबर 1 कुमारकृपा पूर्व निवास, नंबर 1 रेस व्यू कॉटेज और नंबर 2 रेस व्यू कॉटेज। लेकिन कुमारकृपा आवास डीसीएम डीके शिवकुमार को दे दिया गया है। रेस व्यू कॉटेज-1 मंत्री एम.बी. पाटिल और रेस व्यू कॉटेज-2 मंत्री के.जे. जॉर्ज को आवंटित किया गया है। अब नेता प्रतिपक्ष अशोक द्वारा मांगा गया यह आवास नहीं मिल रहा है, इसलिए मुख्य सचिव के लिए भी माथा-पच्ची हो रही है। सचिव को खाली कराकर अशोक को आवास देना संभव नहीं है। अशोक को अन्य निवास में कोई रुचि नहीं है। हालांकि, सीएम के समान पद पर रहने वाले अशोक को सरकारी आवास दिया जाना चाहिए। अनुरोधित आवास प्रदान करना सरकार का कर्तव्य है। वे नवंबर से अपील कर रहे हैं। हालांकि, सरकार अशोक की गुहार पर ध्यान नहीं दे रही है। विपक्ष के नेता का पद संभालने के लिए अलग आवास की आवश्यकता होती है, जो एक संवैधानिक पद है। विधायक दल के नेता और विपक्षी दल के नेता को काफी जिम्मेदारी संभालनी होगी और उसके लिए कर्मचारियों का इस्तेमाल करना होगा। लेकिन निजी आवास में यह सब प्रबंधित करना मुश्किल है। इसीलिए सरकारी आवास आवंटित किया जाता है। हालांकि, सरकारी आवास नहीं मिलने के कारण अशोक को अपने निजी आवास से ही विपक्षी नेताओं का काम संभालना पड़ता है।

गडकरी को धमकी देने वाले गैंगस्टर ने पाकिस्तान के समर्थन में लगाए नारे

लोगों ने किया हमला

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुख्यात गैंगस्टर जयेश पुजारी, जिसे उसके खिलाफ लंबित मामलों के सिलसिले में अदालत में लाया गया था, ने बुधवार को अदालत परिसर में कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए, जिसके परिणामस्वरूप वहां मौजूद लोगों और वकीलों ने उसके साथ मारपीट की। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने पुजारी को सुरक्षित निकाला और उसे एपीएमसी पुलिस थाने ले आए।

दक्षिण कन्नड़ निवासी पुजारी को यहां हिंडालगा स्थित केंद्रीय कारागार में रखा गया है। उसने पहले केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय में धमकी भरे फोन किए थे और फिरौती की मांग की थी। नागपुर पुलिस ने जांच के लिए उसे हिरासत में ले लिया था। बुधवार को उसे एक लंबित मामले के सिलसिले में यहां अदालत में लाया गया था, तभी यह घटना हुई।

शहर पुलिस आयुक्त ने रेणुकास्वामी के मामले की जानकारी ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने बुधवार सुबह अन्नपूर्णेश्वरी नगर पुलिस स्टेशन का दौरा किया और चित्रदुर्गा रेणुकास्वामी की हत्या के मामले की पूरी जानकारी ली। उन्होंने इस मामले की जांच कैसी चल रही है, आरोपियों से क्या जानकारी मिली है, हत्या की मूल वजह क्या है, इस मामले में और कौन-कौन शामिल है, हत्या के बाद शव को ले जाने के लिए किन वाहनों का इस्तेमाल किया गया, वे वाहन किसके हैं आदि का ब्योरा जुटाने का निर्देश दिया है। वहीं मौके पर कमिश्नर ने जांचकर्ताओं से कहा कि हत्याकांड से जुड़े जरूरी साक्ष्य जल्द जुटाए जाएं। उन्होंने जांचकर्ताओं को पूरी सावधानी से जांच करने का निर्देश दिया और कई मार्गदर्शन भी दिये। इस मामले में अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा, अभिनेता दर्शन और 13 अन्य को गिरफ्तार किया गया है। अन्नपूर्णेश्वरी नगर थाने में पुलिस कुछ आरोपियों से पूछताछ कर रही है। कमिश्नर के पुलिस स्टेशन के दौरे के दौरान विजयनगर सब-डिवीजन के एसीपी और कामाक्षीपाल्या पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर और अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

समय पर सड़क चौड़ीकरण का काम करें पूरा : विधायक

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली-धारवाड़ सेंट्रल के विधायक महेश टेंगिनाकाई ने अधिकारियों को हुब्बल्ली में आर.एन. शेट्टी रोड पर चौड़ीकरण का काम तय समय में पूरा करने का निर्देश दिया है। हुब्बल्ली के वार्ड नंबर 51, 52, 53 और 54 में इलाकों को कनेक्टिविटी प्रदान करने वाले चौड़ीकरण कार्य की समीक्षा करने वाले टेंगिनाकाई ने अधिकारियों को काम में तेजी लाने और समय पर परियोजना को पूरा करने के लिए कहा। उनके साथ पार्षद और एचडीएमसी के अधिकारी भी थे। 1.6 किलोमीटर लंबे आर.एन. शेट्टी रोड को चौड़ा करने का काम 6 करोड़ की लागत से शुरू किया गया है। हालांकि, चूंकि वहां भूमिगत जल निकासी नेटवर्क था, इसलिए सरकार द्वारा 77.80 लाख का विशेष अनुदान प्रदान किया गया था, जिसमें से यूजीडी के 850 मीटर पर काम अब तक पूरा हो चुका है। समीक्षा के बाद टेंगिनाकाई ने अधिकारियों से 30 जुलाई तक अन्य 750 मीटर का काम पूरा करने को कहा। उन्होंने नगर निगम, विभिन्न विभागों और एलएंडटी कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें काम में तेजी लाने और समय पर पूरा करने को कहा।

एलएंडटी के अधिकारियों ने 20 जून तक अपने हिस्से का काम पूरा करने का आश्वासन दिया, जबकि अन्य अधिकारियों ने 30 जुलाई तक काम पूरा करने का आश्वासन दिया।

समीक्षा और मौके पर जाने के दौरान विधायक के साथ पार्षद सेंथिल कुमार, चेतन हिरेकरुर, पूर्व मेयर प्रकाश क्यारकट्टी भी मौजूद थे।

अशोक ने पुलिस को बोलियार घटना में भड़काऊ नारे लगाने के आरोप को साबित करने की दी चुनौती

पिछले एक साल में अपराध में 40 प्रतिशत की वृद्धि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्षी नेता आर अशोक ने कहा कि कांग्रेस सरकार राज्य में तालिबान सरकार की तरह काम कर रही है, क्योंकि उनके शासन में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। यहां बुधवार को मीडिया को संबोधित करते हुए अशोक ने कहा बोलियार में चाकू मारने की घटना मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान भारत माता की जय का नारा लगाने पर भाजपा प्रतिनिधियों पर एक पूर्व नियोजित हत्या का प्रयास प्रतीत होती है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि मस्जिद में प्रार्थना करने आए व्यक्ति के पास खंजर कैसे हो सकता है? अगर उसके पास खंजर है, तो उसे प्रशिक्षित होना चाहिए। कांग्रेस पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने वालों को जमानत देकर राज्य को तालिबान शासन में बदल रही है। मैं बोलियार में पार्टी प्रतिनिधियों पर हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हम इस मुद्दे पर चुप नहीं रहेंगे। हम इसे विधानसभा में उठाएंगे। राज्य भाजपा तालिबान जैसी सरकार को सबक सिखाएगी। उन्होंने सरकार और पुलिस विभाग से यह भी पूछा कि निर्दोष व्यक्तियों के खिलाफ मामला क्यों दर्ज किया गया। उन्होंने कहा घटना के एक दिन बाद जवाबी मामला दर्ज किया गया। अगर कोई भड़काऊ बयान दिया गया था, तो उन्हें तुरंत मामला दर्ज करना चाहिए था। भड़काऊ नारों के बारे में पूछे जाने पर अशोक ने कहा जुलूस सार्वजनिक सड़क पर निकला था, और उन्होंने वीडियो फुटेज में देखे गए 'भारत माता की जय' के अलावा कोई भड़काऊ नारा नहीं लगाया। उन्होंने पुलिस कमिश्नर को उन वीडियो क्लिप को जारी करने की चुनौती भी दी, जिनमें कोई भड़काऊ नारे लगाए गए थे। उन्होंने दावा किया कि सरकारी दबाव के कारण, मुख्य चाकूबाजी मामले को कमजोर करने के लिए जवाबी शिकायत दर्ज की गई। उन्होंने कहा इससे पहले विधायक के खिलाफ चार आपराधिक मामले दर्ज किए गए थे। स्कूल, पुलिस स्टेशन जाना और विधायक डॉ. भरत वाई शेट्टी के खिलाफ मामला दर्ज करना गलत है, जो स्कूल की घटना के दौरान मौजूद भी नहीं थे। कांग्रेस सरकार के तहत राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। पिछले एक साल में अपराध में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा 136 विधायक होने के बावजूद कांग्रेस राज्य में दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई। कांग्रेस भाजपा-जेडीएस गठबंधन से डरी हुई है और उनकी एक साल की उपलब्धि पूरी तरह से शून्य है। हम कर्नाटक महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड के सरकारी अधिकारियों की आत्महत्या पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की भी मांग करते हैं। भाजपा-जेडीएस गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर अशोक ने कहा तालुका पंचायत और जिला पंचायत चुनावों में भी जेडीएस के साथ गठबंधन जारी रहेगा। इस बार हमारे दो एजेंडे थे, एक नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना और दूसरा 400 सीटों का आंकड़ा पार करना। हमने पहला एजेंडा तो हासिल कर लिया, लेकिन दूसरा हासिल नहीं कर पाए। हम उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में सीटों पर हुए नुकसान की समीक्षा करेंगे और आगामी चुनावों के लिए रणनीति बनाएंगे। इस मौके पर सांसद कैप्टन बृजेश चौटा, जिला भाजपा अध्यक्ष सतीश कुम्पाला, विधायक वेदव्यास कामथ, हरीश पूंजा, डॉ. भरत वाई शेट्टी और राजेश नाइक, एमएलसी प्रतापसिंह नायक और अन्य मौजूद थे।

येदियुरप्पा ने पॉक्सो मामले को रद्द करने के लिए दायर की याचिका

महिला ने दर्ज कराई थी शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा ने अपने खिलाफ पॉक्सो मामले को रद्द करने की मांग करते हुए कर्नाटक होई कोर्ट में एक याचिका दायर की है। सीआईडी द्वारा नोटिस दिए जाने के बाद उन्होंने इस मामले को रद्द करने की मांग की। पूर्व सीएम येदियुरप्पा ने हाई कोर्ट में अपील की कि इस मामले को रद्द कर देना चाहिए, क्योंकि उनके खिलाफ अपराध के साबित करने के लिए कुछ नहीं है। ज्ञातव्य है किएक महिला ने बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि कर्नाटक के पूर्व सीएम ने उनकी बेटी के साथ दुर्व्यवहार किया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। पीड़िता की मां ने अपनी शिकायत में बताया कि घटना दो फरवरी को एक बैठक के दौरान हुई। येदियुरप्पा ने बताया कि कुछ दिन पहले एक महिला उनके घर आई थी। वह रोते हुए कह रही थी कि कुछ समस्या है। पूर्व सीएम ने आगे कहा, मैंने उससे पूछा कि मामला क्या है और मैंने खुद पुलिस को फोन किया। कमिश्नर को मामले की जानकारी दी और उनसे उसकी मदद करने को कहा। बाद में महिला मेरे खिलाफ बोलने लगी। मैंने यह मामला पुलिस कमिश्नर के ध्यान में लाया है। येदियुरप्पा ने कहा वह यह नहीं कहेंगे कि इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद है।

नए आपराधिक कानूनों के बारे में जागरूकता फैलाने की तत्काल आवश्यकता

गुलबर्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पेश किए गए नए आपराधिक कानूनों को मानवीय दृष्टिकोण वाला कानून बताते हुए गुलबर्गा विश्वविद्यालय के कुलपति दयानंद अगसर ने कहा कि लोगों के बीच कानूनों के बारे में जागरूकता फैलाने की तत्काल आवश्यकता है।

कानूनों का एक नया दृष्टिकोण है, और उन्हें नए मानदंडों के साथ आपराधिक और नागरिक विवादों से निपटने की आवश्यकता है। नई परिस्थितियों से निपटने के लिए नए कानूनों की आवश्यकता है और उनका सम्मान करना और उनका पालन करना नागरिकों की जिम्मेदारी है। शांति और व्यवस्था तभी सुनिश्चित की जा सकती है जब नागरिक देश के कानूनों का पालन करें। नागरिकों को नए कानूनों के बारे में जागरूक करने की तत्काल आवश्यकता है। वे मंगलवार को गुलबर्गा विश्वविद्यालय के महात्मा गांधी सम्मेलन हॉल में नए आपराधिक कानून पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बोल रहे थे। भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी और कलबुर्गी के नागनहल्ली में पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डी. किशोर बाबू, जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया, ने कहा कि नए कानूनों का उद्देश्य लोगों को त्वरित न्याय प्रदान करना है। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएस) से बदल दिया गया है। हम सभी को नए कानूनों से अपडेट होने की आवश्यकता है। मंजूनाथ बदीगर ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि नए कानून पीड़ित पक्षों को शीघ्र न्याय दिलाने और अपराधियों को दंडित करने में मदद करेंगे।

नादप्रभु केम्पेगौड़ा द्वारा निर्मित बेंगलूरु को

पांच भागों में विभाजित करने के सरकार की योजना से व्यापक आक्रोश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नादप्रभु केम्पेगौड़ा द्वारा निर्मित बेंगलूरु को पांच भागों में विभाजित करने के सरकार के फैसले से व्यापक आक्रोश फैल गया है और बीबीएमपी के पूर्व सदस्यों ने चेतावनी दी है कि सरकार को इस फैसले को तुरंत वापस लेना चाहिए, अन्यथा भयंकर संघर्ष होगा। करावे के अध्यक्ष नारायण गौड़ा, वटल नागराज, बीबीएमपी के पूर्व सदस्य एनआर रमेश, पद्मनाभनगर नादप्रभु केम्पेगौड़ा सिविक इंटरेस्ट डिफेंस फोरम के अध्यक्ष एएच बसवराज और अन्य ने गरजते हुए कहा है कि बीबीएमपी को किसी भी कारण से विभाजित नहीं होने दिया जाएगा। नारायण गौड़ा और वटल नागराज ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने बेंगलूरु के संगठित शहर को विभाजित करने की कोशिश की, तो वे जमकर लड़ेंगे। इसी तरह, पूर्व बीबीएमपी नेता एनआर रमेश, जिन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को पत्र लिखा है, ने बेंगलूरु के इतिहास की सीख दी। उन्होंने अनुरोध किया है कि बीबीएमपी को किसी भी कारण से विभाजित नहीं किया जाना चाहिए। बेंगलूरु का निर्माण 1537 में केम्पेगौडा द्वारा किया गया था। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे महान विभूतियों द्वारा निर्मित बेंगलूरु को विभाजित करना उचित नहीं होगा। बेंगलूरु शहर का बंटवारा नहीं होगा। अगर बंटवारा हुआ तो इससे क्षेत्रीय असंतुलन भी पैदा होगा।

इसलिए उन्होंने सरकार से अपना निर्णय तुरंत वापस लेने का अनुरोध किया है। बीबीएमपी के विभाजन पर टिप्पणी करते हुए, पद्मनाभनगर नादप्रभु केम्पेगौड़ा नागरिक कल्याण मंच के अध्यक्ष ए.एच. बसवराज ने चेतावनी दी है कि यदि ऐसा हुआ तो वे सड़कों पर लड़ेंगे। बीबीएमपी के चुनाव को चार साल हो गए हैं, ऐसे में यह बयान कि चुनाव कराने के बजाय निगम का बंटवारा किया जाएगा, बीबीएमपी के चुनाव को अगले चार साल के लिए टालने की कोशिश है, यह बात आम नागरिक भी समझ रहे हैं।

उन्होंने मांग की है कि ऐसी असफल कोशिशों के बजाय तुरंत चुनाव कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि पांच निगम बनाए जाते हैं, तो यह कन्नड़ के मूल निवासियों के साथ अन्याय होगा, और इससे गैर-भाषी लोगों को भी नुकसान होगा। इसलिए हमारा मंच इस तरह के प्रयास के खिलाफ है। इसके अलावा, कुछ पूर्व बीबीएमपी सदस्य भी कांग्रेस पार्टी के इस फैसले पर नाराजगी जताई है।

सिद्धरामैया कल केकेआरडीबी की करेंगे समीक्षा बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड (केकेआरडीबी) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया शुक्रवार को बेंगलूरु में कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के प्रतिनिधियों और प्रमुख अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमें क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। बुधवार को कलबुर्गी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि कल्याण कर्नाटक के सात जिलों के मंत्री और विधायक, केकेआरडीबी सचिव और योजना अनुभाग के अधिकारी बैठक में भाग लेंगे। सिद्धरामैया 2023-24 में केकेआरडीबी के लिए आवंटित धन से किए गए कार्यों की समीक्षा करेंगे और 2024-25 में किए जाने वाले विकास कार्यों पर भी चर्चा करेंगे। डॉ. सिंह ने कहा कि बोर्ड राज्य सरकार से कल्याण कर्नाटक में प्राथमिक और उच्च विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने का भी आग्रह करेगा। इस बीच, बोर्ड 28 जून को कल्याण कर्नाटक के सभी 41 निर्वाचन क्षेत्रों के विधायकों के साथ बैठक करेगा, जिसमें चल रहे कार्यों पर चर्चा की जाएगी। डॉ. सिंह ने कहा कि बोर्ड विधायकों से एक कार्य योजना तैयार करने और 15 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने के लिए भी कहेगा। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, केकेआरडीबी ने 'अक्षरा अविष्कार' और 'आरोग्य अविष्कार' नामक कार्यक्रम शुरू करके और पर्याप्त धन आवंटित करके शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार लाने के लिए कई पहल की हैं। पिछले वित्तीय वर्ष केकेआरडीबी के लिए स्वीकृत 3,000 करोड़ रुपये के फंड में से, बोर्ड ने स्कूलों के बुनियादी ढांचे के कामों और क्षेत्र में एसएसएलसी परिणामों में सुधार के लिए शिक्षण संबंधी गतिविधियों के लिए 'अक्षरा अविष्कार' कार्यक्रम के लिए 652 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हमने पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान अक्षरा अविष्कार कार्यक्रम शुरू किया है और अगले तीन से चार वर्षों में क्षेत्र के छात्र कार्यक्रम का लाभ उठा सकेंगे।

एआईडीएसओ ने नीट में अनियमितताओं की न्यायिक जांच की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नीट में कथित अनियमितताओं की न्यायिक जांच की मांग करते हुए अखिल भारतीय लोकतांत्रिक छात्र संगठन (एआईडीएसओ) के तत्वावधान में छात्रों ने बुधवार को धारवाड़ में विरोध मार्च निकाला। छात्रों ने धारवाड़ में कलाभवन परिसर से विवेकानंद सर्किल तक मार्च निकाला और प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए एआईडीएसओ के राज्य सचिवालय के सदस्य हयालप्पा ने कहा कि नीट की पारदर्शिता पर कई सवाल उठाए गए हैं, जिसके परिणाम 4 जून को प्रकाशित हुए थे। उन्होंने कहा कि एनटीए द्वारा दिए गए औचित्य और ग्रेस मार्क्स देने के लिए बताए गए दिशा-निर्देश कुछ उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क्स की मात्रा से मेल नहीं खा रहे थे। उन्होंने कहा कि एनटीए द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण भी पूरी तरह से केवल परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के एक वर्ग के पक्ष में प्रतीत होता है। हयालप्पा ने कहा कि एनटीए द्वारा नीट पर उल्लिखित दिशा-निर्देशों के अनुसार, ग्रेस अंक देने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया आश्चर्य की बात यह है कि एक ही केंद्र से परीक्षा देने वाले छात्रों को समान अंक मिले हैं। इसके अलावा परीक्षा से पहले पेपर लीक के आरोपों की कोई उचित जांच नहीं की गई है। एआईडीएसओ की जिला अध्यक्ष सिंधु कौड़ी ने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण राज्य स्तरीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित करने की प्रथा को बंद कर दिया गया और राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं शुरू की गईं। उन्होंने कहा कि उस समय छात्र संगठनों ने चेतावनी दी थी कि दोषियों को दंडित करने के बजाय परीक्षा प्रणाली को बदलना समाधान नहीं है। परीक्षा प्रणाली की लापरवाही और व्यावसायीकरण के कारण, मेडिकल प्रवेश परीक्षा का स्तर गिर गया है और निर्दोष छात्र इसके शिकार बन रहे हैं। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए और इसमें शामिल लोगों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। एआईडीएसओ के पदाधिकारी शशिकला मेती, चंद्रू, विनय व अन्य ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं की चाकू घोंपने की घटना में पांच और गिरफ्तार, कुल संख्या 11 हुई

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बोलियार मस्जिद विवाद के संबंध में कोनाजे पुलिस स्टेशन में सीआर संख्या 80/24 के तहत दर्ज दो भाजपा कार्यकर्ताओं की चाकू घोंपने की घटना के संबंध में, अधिकारियों ने बुधवार को पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में ताजुद्दीन उर्फ सादिक, सरवन, मुबारक, अशरफ और तल्लाथ शामिल हैं। इससे पहले छह व्यक्तियों मोहम्मद शाकिर (28), पुत्र अब्दुल रजाक, अब्दुल रजाक (40), पुत्र सुलेमान, अबूबकर सिद्दीकी (35), पुत्र सुलेमान, सवाद (18), पुत्र अबूबकर और मोनू उर्फ हफीज (24), पुत्र हामिद अबूबकर की गिरफ्तारी हो चुकी है। 9 जून को बोलियार मस्जिद के पास हुई इस घटना में भाजपा के एक समारोह के दौरान दो समुदाय समूहों के बीच विवाद हुआ था। कथित तौर पर भड़काऊ नारे लगाने के कारण टकराव हुआ, जिसके परिणामस्वरूप दो भाजपा कार्यकर्ताओं को चाकू मार दिया गया। पीड़ितों का फिलहाल स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। इन नवीनतम गिरफ्तारियों के साथ, इस मामले के संबंध में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या बढ़कर ग्यारह हो गई है। घटना में शामिल अन्य संदिग्धों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पुलिस सभी संबंधित पक्षों को न्याय के कटघरे में लाने और क्षेत्र में सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए अपनी जांच जारी रखे हुए है।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** जैन समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने नूतन अल्पसंख्यक चेयरमैन निसार अहमद से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया। कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व सदस्य महेंद्र सोलंकी, बाबूलाल मेहता व दिनेश खिंवेसरा ने उनका स्वागत किया। साथ ही अल्पसंख्यक सर्टिफिकेट व जैन समाज के विविद समस्या जैसे स्कॉलरशिप आदि प्राप्त होने में कठिनाईयों के बारे में पूर्ण जानकारी दी। चेयरमैन ने आश्वासन देते हुए कहा कि जल्द ही अल्पसंख्यक के सभी वर्गों की अलग अलग बैठक बुलाकर समस्याओं का समाधान किया जायेगा। इस मौके पर रतनीबाई मेहता, बबिता श्रीश्रीमॉल, मधु तातेड, महेश एवं मोहन उपस्थित थे।*

हाई अलर्ट पर है जम्मू कश्मीर, सीमा पार से घुस चुके हैं कई आतंकी

पठानकोट-जम्मू हाईवे है निशाने पर, रेल पटरी पर हमले का खतरा

जम्मू, 12 जून (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बताया जा रहा है कुछ आतंकी सीमा पार से कठुआ-पठानकोट से सटे बार्डर से घुसने में कामयाब हुए हैं जो फिदायीन हमलों को अंजाम दे सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार उनके निशाने पर जम्मू-पठानकोट हाईवे पर स्थित सैनिक संस्थानों के साथ ही इंटरनेशनल बार्डर के साथ-साथ गुजरने वाली रेल लाइन भी है।

बीएसएफ के बाद सेनाधिकारियों ने भी ऐसी आशंका प्रकट की है। हालांकि यह भी दावा किया जा रहा है कि हीरानगर हमले में शामिल कुछ आतंकी भागने में कामयाब हुए हैं जो किसी भी समय कहर बरपा सकते हैं। एक सूचना के मुताबिक, हाल ही में दो दर्जन से अधिक आतंकी जम्मू सीमा से घुसने में कामयाब रहे हैं और बीएसएफ ने इस पर चुप्पी साध रखी है।

अधिकारी यह बताने में असमर्थता जाहिर कर रहे हैं कि घुसने वाले आतंकी कितनी तादाद में हैं पर वे कहते थे कि कुछ दल एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर क्रास करने में उस समय कामयाब रहे जब पाक सेना ने उन्हें इस ओर धकेला है। पिछले कई दिनों से एलओसी पर पाक सेना द्वारा ड्रोनों की आड़ में सुरक्षाबलों का ध्यान बंटा कर ऐसे प्रयासों को कामयाब बनाया गया है।

हालांकि जम्मू सीमा पर फिलहाल फायरिंग की कोई घटना नहीं हुई है पर बरसात के कारण उन नदी-नालों के इलाकों से तारबंदी को पहुंचे नुकसान का लाभ आतंकियों ने उठाया है जिन्हें पाक रेंजर पिछले कई दिनों से अग्रिम ठिकानों पर ले आए थे। बीएसएफ अधिकारियों का कहना था कि पिछले कुछ दिनों से ही इंटरनेशनल बार्डर के पार वाले पाक सैन्य ठिकानों पर नागरिकों की आवाजाही बढ़ी थी जो दरअसल आतंकी ही हैं।

अधिकारी के अनुसार मिलने वाली सूचनाएं कहती हैं कि घुसने वाले आतंकी जम्मू में जम्मू-पठानकोट हाइवे पर सैन्य संस्थानों के अतिरिक्त इंटरनेशन बार्डर के साथ-साथ चलने वाली जम्मू-पठानकोट रेल लाइन को निशाना बना सकते हैं। जबकि कश्मीर में भी घुसपैठ कर चुके आतंकी सैन्य संस्थानों को निशाना बनाने का इरादा लिए हुए हैं।

अधिकारी दावा करते थे कि हमलों को रोकने की खातिर हाईवे पर गश्त को बढ़ाया गया है तथा नाके स्थापित किए जा रहे हैं जबकि रेल लाइन की सुरक्षा की खातिर अतिरिक्त जवानों को तैनात किया जा रहा है। जानकारी के लिए अतीत में ऐसे ही दावों के बीच आतंकी कई बार हमलों को अंजाम देकर कई मासूमों को मौत के घाट उतारने में कामयाब रहे हैं। एक अधिकारी के बकौल, हीरानगर हमले में शामिल आतंकियों के कुछ और ही इरादे थे पर उन्हें वहीं ढेर कर दिया गया।

डोडा में सुरक्षा बलों आतंकवादियों में मुठभेड़

जम्मू, 12 जून (वार्ता) जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के गंडोह क्षेत्र में बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के एक समूह के बीच फिर से गोलीबारी हुई। इससे पहले मंगलवार को आतंकवादियों ने चत्तरगला इलाके में हमला किया, जिसमें सेना के पांच जवान और एक पुलिस कर्मी घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया, डोडा के गंडोह के भलेसा क्षेत्र में खरंगाल के कोटा टॉप इलाके में आतंकवादियों ने पुलिस दल पर हमला किया, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात की गोलीबारी के बाद आतंकवादियों की मौजूदगी की विशेष सूचना मिलने पर तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम के बीच गोलीबारी हुई। उन्होंने बताया, जब सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान के पास पहुंची, तो छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी दल पर गोलीबारी शुरू कर दी।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी होंगे देश के 30वें सेना प्रमुख

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। भारतीय सेना के वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी देश के नए आर्मी चीफ होंगे। वे 30 जून को अपना कार्यभार संभालेंगे। खास बात यह है कि जनरल उपेंद्र द्विवेदी के आर्मी चीफ बनते ही वे उस पीढ़ी में शामिल होंगे, जिनका जन्म भारत-चीन युद्ध के बाद हुआ है। भारतीय सेनाओं को इस साल एक बड़ा मनोवैज्ञानिक पीढ़ीगत बदलाव देखने को मिलने वाला है। जिसकी शुरुआत नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी की नियुक्ति के साथ ही हो चुकी है। खास बात यह है कि इसी साल भारत-चीन युद्ध को 61 साल पूरे हो जाएंगे। वहीं पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वीपी मलिक कहते हैं कि भारत को असली खतरा चीन से है और नए सेनाध्यक्ष को भी चीन से संभावित खतरे को देखते हुए इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को देश के 30वें थल सेना प्रमुख होंगे। केंद्र सरकार ने मंगलवार रात लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को नया आर्मी चीफ अपॉइंट किया है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी वर्तमान सेनाध्यक्ष जनरल मनोज सी पांडे का स्थान लेंगे, जो 30 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, सरकार ने मौजूदा समय में उप सेनाध्यक्ष के रूप में कार्यरत लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, पीवीएसएम, एवीएसएम को 30 जून की दोपहर से अगला सेनाध्यक्ष नियुक्त किया है।

एक जुलाई 1964 को जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी को 15 दिसंबर 1984 को भारतीय सेना की इन्फैंट्री (जम्मू - कश्मीर राइफल्स) में नियुक्त किया गया था। लगभग 40 वर्षों की लंबी और विशिष्ट सेवा के दौरान उन्होंने विभिन्न कमांड, स्टाफ, इंस्ट्रक्शनल और विदेशी नियुक्तियों में काम किया है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी की कमांड नियुक्तियों में रेजिमेंट की कमान (18 जम्मू - कश्मीर राइफल्स), ब्रिगेड (26 सेक्टर असम राइफल्स), महानिरीक्षक, असम राइफल्स (पूर्व) और 09 कोर शामिल हैं।

उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों की बस खाई में गिरी, तीन की मौत, 26 घायल

देहरादून, 12 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद स्थित विश्व प्रसिद्ध मां गंगोत्री धाम से दर्शन कर वापस जाते तीर्थयात्रियों की एक बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। मंगलवार रात्रि लगभग 8:50 बजे हुई इस दुर्घटना में अभी तक तीन महिला यात्रियों की मौत हो चुकी है जबकि 26 यात्री घायल होने के कारण उपचाराधीन हैं।

जिला आपदा प्रबंधन केंद्र प्रभारी डीएस पटवाल ने बुधवार सुबह बताया कि मंगलवार को रात्रि 8:50 बजे गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक यात्री बस वाहन सख्या-यूके-06 पीए-1218 गंगोत्री धाम से वापिस उत्तरकाशी की और आ रही थी। बस अचानक अनियंत्रित होकर, गंगानानी के पास सड़क से 15-20 मीटर नीचे गिरने से दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उन्होंने बताया कि इस बस में वाहन चालक व परिचालक सहित कुल 29 लोग (12 महिला, 15 पुरुष और दो किशोरियां) सवार थे जिसमें 14 लोग सामान्य घायल व 12 गम्भीर घायल हैं।

मराठावाड़ा में कहर बरपा रही बारिश अब तक 14 लोगों की मौत

11 लोगों पर गिरी आकाशीय बिजली

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के करीब सात जिलों में जून महीने में बारिश की वजह से जनहानि की घटनाएं सामने आयी है। सरकारी आंकड़े के मुताबिक बारिश के कारण होने वाली घटनाओं में कुल 14 लोगों की मौत हो गई है। ये सभी मौतें जून महीने के मात्र दो हफ्तों में हुई है, इसमें 11 लोगों की मौत तो आकाशीय बिजली गिरने से हुई है। संभागीय आयुक्त कार्यालय की तरफ से तैयार की गई प्राथमिक रिपोर्ट में बताया गया है कि परभणी और हिंगोली जिले में पिछले दो दिनों में 4 लोगों की मौतें हुई है।

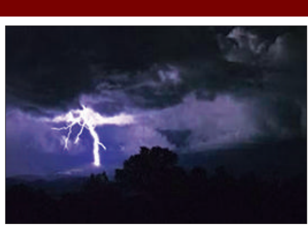

संभागीय आयुक्त कार्यालय की रिपोर्ट में बताया गया कि मराठावाड़ा के आठ में से सात जिलों में ये सभी मौतें हुई है। पिछले दो दिनों में जिन 4 लोगों की मौत हुई हैं। उनमें एक 14 साल का लड़का और एक 40 वर्ष की महिला शामिल है। जहां 14 लोगों में से 11 लोगों पर आकाशीय बिजली गिरी है, वहीं दो लोगों की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हुई है। एक शख्स की मौत गौशाला गिरने से हुई है। हालांकि मराठावाड़ा के छत्रपति संभाजीनगर में किसी भी हादसे की सूचना नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक लातूर जिले में सबसे ज्यादा चार मौतें हुई है, जबकि परभणी और नांदेड जिले में तीन-तीन लोगों की मौतें हुई है। वहीं चार अन्य जिले - जालना, हिंगोली, बीड और धारशिव में एक-एक लोगों की मौत हुई है। आम जनहानि के अलावा एक जून से अब तक मराठावाड़ा के आठों जिलों में कुल 251 मवेशियों की मौतें प्राकृतिक आपदा के कारण हुई है। इनमें से 99 मवेशियों की मौतें तो आखिरी दो दिनों में हुई है।

म्यांमार के 38 नागरिकों को मणिपुर से वापस भेजा गया

इंफाल, 12 जून (एजेंसियां)। मणिपुर सरकार ने मंगलवार को 11 बच्चों सहित 38 म्यांमार नागरिकों को एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी), मोरेह के माध्यम से उनके गृह देश म्यांमार भेज दिया। राज्य आयुक्त (गृह) ने बुधवार को कहा कि आईसीपी, मोरेह में तैनात भारत सरकार के आव्रजन अधिकारियों ने उन्हें सुरक्षित रूप से म्यांमार के अधिकारियों को सौंप दिया।

इससे पहले दो मई को, आठ बच्चों सहित 38 म्यांमार नागरिकों को म्यांमार वापस भेजा गया था और आईसीपी, मोरेह में तैनात भारत सरकार के आव्रजन अधिकारियों ने उन्हें म्यांमार के अधिकारियों को सुरक्षित सौंप दिया था। म्यांमार के नागरिकों को विदेशी अधिनियम, 1946 के अंतर्गत अवैध रूप से राज्य या देश में प्रवेश करने के लिए गिरफ्तार किया गया था। जेलों, हिरासत केंद्रों और बाल गृहों में रहने के दौरान, म्यांमार के नागरिकों की उचित देखभाल की गई और उन्हें सभी बुनियादी सुविधाएं और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की गईं।

कृषि उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता पर रखें ध्यान: चौहान

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश में कृषि उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करते हुए बुधवार को कहा कि घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के अलावा दुनिया के अन्य देशों को भी जरूरत अनुसार कृषि उत्पाद निर्यात किया जाना चाहिए।

श्री चौहान ने यहां 100 दिनों की कृषि कार्ययोजना के संबंध में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वे अपना पूरा ध्यान किसानोन्मुखी कार्यों पर रखें ताकि देश के किसानों और कृषि क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना के मुताबिक तेजी से काम किया जा सकें। बैठक में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, कृषि सचिव मनोज अहूजा , कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयरी) के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक हिमांशु पाठक तथा सांसद भागीरथ चौधरी भी उपस्थित थे।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में, पहले 100 दिनों की विभागीय कार्ययोजना के सभी पहलुओं को समझने के साथ ही देश के कृषि क्षेत्र की मजबूती तथा किसानों के दुःख-दर्द को कम करने के लिए सशक्तता के साथ कदम उठाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसान भाइयों-बहनों को गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज आदि वस्तुओं की उपलब्धता प्राथमिकता से सुनिश्चित की जानी चाहिए।

श्री चौहान ने जोर दिया कि देश में कृषि उत्पादन और उत्पादकता बढ़नी चाहिए। साथ ही अपनी घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के अलावा दुनिया के अन्य देशों को भी जरूरत अनुसार गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पाद निर्यात कर सकें, ऐसी ठोस कार्ययोजना पर अमल करना चाहिए। बैठक में, वरिष्ठ अधिकारियों ने विभागवार योजनाओं की प्रस्तुतियां दी।

18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से तीन जुलाई तक

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होगा और तीन जुलाई तक चलेगा। केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ, स्पीकर के चुनाव, राष्ट्रपति का अभिभाषण और उस पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि राज्यसभा का 264वां सत्र 27 जून से आहूत किया गया है। राज्यसभा के सत्र की समाप्ति तीन जुलाई को होगी।

संसदीय कार्य मंत्री ने बुधवार को बताया कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून को शुरू होगा, जिसमें नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेंगे। सत्र के पहले तीन दिन नवनिर्वाचित नेताओं को शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ ही सदन के अध्यक्ष का चुनाव भी कराया जाएगा। सत्र का समापन 3 जुलाई को होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 जून को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी और अगले पांच वर्षों के लिए नई सरकार के रोडमैप की रूपरेखा पेश करेंगी। रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से 3 जुलाई तक नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ/प्रतिज्ञान, अध्यक्ष के चुनाव, राष्ट्रपति के अभिभाषण और उस पर चर्चा के लिए बुलाया जा रहा है। राज्यसभा का 264वां सत्र भी 27 जून को शुरू होगा और 3 जुलाई को समाप्त होगा। 27 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद प्रधानमंत्री मोदी की ओर से संसद में अपने मंत्रिपरिषद का परिचय कराए जाने की उम्मीद है।

लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के शानदार प्रदर्शन के बाद उम्मीद है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में इंडी गठबंधन आक्रामक रह सकता है। वे एनडीए सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की कोशिश कर सकते हैं। प्रधानमंत्री संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस का जवाब भी देंगे।

कोचीन बंदरगाह हरित हाइड्रोजन के लिए लाइटहाउस बंदरगाह के रूप में उभरेगा

कोच्चि, 12 जून (एजेंसियां)। कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण हरित हाइड्रोजन परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए अन्य बंदरगाहों के लिए एक मिसाल कायम करने वाले 'लाइटहाउस पोर्ट' के रूप में उभरेगा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नौवहन मार्गों के लिए अपनी असाधारण कनेक्टिविटी के साथ, कोचीन हरित हाइड्रोजन पहल के लिए संभावित परीक्षण मैदान के रूप में काम कर सकता है। कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण के नेतृत्व ने हरित हाइड्रोजन पायलटों के विकास के लिए विभिन्न परियोजना प्रस्तावों की खोज करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण पायलट परियोजना के दायरे को अंतिम रूप प्रदान करने के लिए आने वाले महीनों में हितधारकों से प्रस्ताव सुझावों को आमंत्रित करेगी। कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण, भारतीय बंदरगाह संघ और उद्योग के हितधारक इन प्रस्तावों पर एक साथ काम करने को प्राथमिकता देंगे। अधिकारी अगले एक महीने के अंदर रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करने और एक वर्ष के अंदर पायलट उत्पादन को निष्पादित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

हाल ही में कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण ने भारतीय बंदरगाह संघ (आईपीए) के सहयोग से 'कोचीन बंदरगाह में एक सफल हरित हाइड्रोजन पायलट के लिये मार्ग' पर एक कार्यशाला की मेजबानी की।

इस कार्यशाला ने हरित हाइड्रोजन पायलट प्लानिंग की शुरुआत को चिह्नित किया, जिसमें 25 संस्थानों के 50 से ज्यादा उद्योग भागीदार शामिल हुए, जिनमें हरित हाइड्रोजन डेवलपर्स, उपभोक्ता, इलेक्ट्रोलाइज़र प्रदाता और बहुपक्षीय संगठन शामिल थे। कार्यशाला का उद्घाटन कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण के अध्यक्ष बी. काशीविश्वनाथन, वीओ चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटी (वीओ-सीपीए), तूतीकोरिन के अध्यक्ष सुशांत कुमार पुरोहित और सीओपीए के उपाध्यक्ष और इंडियन पोर्ट्स एसोसिएशन के प्रबंध निदेशक विकास नरवाल ने किया। हरित सागर-हरित बंदरगाह दिशा-निर्देशों का उद्देश्य 2035 तक प्रमुख बंदरगाहों पर हरित अमोनिया बंकर और ईंधन भरने की सुविधाओं की स्थापना करके शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करना है। कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण के अध्यक्ष बी. काशीविश्वनाथन ने अपने मुख्य भाषण में कहा, कोचीन बंदरगाह में पहले से ही तरल कार्गो, विशेष रूप से अमोनिया जैसे रसायनों को सौंपने की मौजूदा क्षमताएं और समृद्ध अनुभव है। इसलिए बंदरगाह में हरित हाइड्रोजन और इसके यौगिक के लिए बंकरिंग सुविधा बनाने के लिए एक लाभप्रद स्थिति होगा।

हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं की दिशा में तूतीकोरिन के प्रयासों से अंतर्दृष्टि पर चर्चा करते हुए, वीओ-सीपीए के अध्यक्ष सुशांत के. पुरोहित ने विकास हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं में वीओसीपीए में प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, बंदरगाह अगली तिमाही में कमीशन के उद्देश्य से 60 किलोवाट इलेक्ट्रोलाइज़र के लिए निविदा की योजना बना रहा है। हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं की सफलता के लिए सस्ती, सुलभ और विश्वसनीय अक्षय ऊर्जा आवश्यक है। केरल सरकार का ऊर्जा विभाग हरित हाइड्रोजन पायलटों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे हरित हाइड्रोजन हब का विकास होगा। केरल सरकार के ऊर्जा विभाग एवं सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के. आर. ज्योतिलाल, ने राज्य द्वारा प्रदान किए गए अवसर की जानकारी दी, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि केरल अद्वितीय है, क्योंकि यह न केवल आंतरिक मांग प्रदान करता है, बल्कि हाइड्रोजन घाटी के विकास के लिए एक रणनीतिक स्थान और कार्य योजना भी प्रदान करता है।

कोचीन बंदरगाह के उपाध्यक्ष और भारतीय बंदरगाह संघ के प्रबंध निदेशक विकास नरवाल ने अपने समापन भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि इस परियोजना के विकास को प्राथमिकता के आधार पर बढ़ावा दिया जाएगा ताकि तेजी से कार्यान्वयन किया जा सके। उन्होंने कहा कि उर्वरक इकाइयों और रिफाइनरी परिसरों में शिपिंग जहाजों, निर्यात और घरेलू उपयोग इस पायलट के लिए प्राथमिकता वाले प्राप्तकर्ता हो सकते हैं। उन्होंने आगे आश्वासन दिया कि भारतीय बंदरगाह संघ और कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण इस परियोजना के विकास और निष्पादन का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करेंगे।

रॉकी माउंटेन इंस्टीट्यूट (आरएमआई) ने इस कार्यशाला में ज्ञान भागीदार के रूप में कार्यक्रम का समर्थन किया। कोचीन बंदरगाह केरल के एर्नाकुलम जिले के कोच्चि शहर में अरब सागर- लक्षद्वीप सागर-हिंद महासागर समुद्री मार्ग पर एक प्रमुख बंदरगाह है और बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आने वाले 12 प्रमुख बंदरगाहों में से एक है। कोचीन बंदरगाह की स्थापना 1928 में हुई थी और इसने 90 वर्षों से अधिक समय की सक्रिय सेवा पूरी कर ली है। कोचीन बंदरगाह कोच्चि बंदरगाह शहर में स्थित प्रमुख समुद्री-संबंधित सुविधाओं में से एक है।

भारतीय बंदरगाह संघ का गठन और पंजीकरण 1966 में दिल्ली में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत मुख्य रूप से सभी प्रमुख बंदरगाहों की उन्नति और विकास को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। वर्षों से, आईपीए ने अपनी गतिविधियों को संगठित किया है और उसकी ताकत बढ़ी है और समुद्री क्षेत्र को एकीकृत करने के अंतिम लक्ष्य के साथ भारत सरकार के बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत प्रमुख बंदरगाहों के लिए एक थिंक टैंक माना जाता है।

ये आदतें नष्ट कर देती हैं शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता

आदतें ही होती हैं जो हमारे जीवन, सेहत और चरित्र आदि का निर्माण करती हैं। स्वस्थ रहने के लिए आपको एक आदर्ष जीवशैली और अच्छी आदतों का पालान करना होता है। जिसमें नियमित व्यायाम व पौष्टिक आहार आदि शामिल होते हैं। इस तरह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और शरीर रोगों से दूर रहता है। वहीं हमारी जीवनशैली से जुड़ी खराब आदतें हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं। लेकिन कुछ खराब आदतें ऐसी भी होती हैं, जिनसे शरीर के रोगों से लड़ने की क्षमता खतम हो जाती है।

अकसर जाने-अनजानें हमारी कई आदतें हमें कई रोगों की ओर ढ़केल देती हैं। इन आदतों के चलते शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और शरीर बीमारियों से लड़ नहीं पाता है और बीमारियों के बैक्टीरिया और वाइरस शरीर की प्रणाली पर हमला कर आसानी से उसे खराब करने लगते हैं। इसमें से कई आदतों के बारे में तो हमें पता ही नहीं चलता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता कम करने वाली आदतें

- लगातार देर तक धूप में रहने से इम्यून पावर कमजोर हो सकती है। यूं तो सुबह की ताजी सूरज की रोशनी से शरीर को विटामिन डी मिलता है जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है लेकिन बहुत ज्यादा तेज धूप में रहने से त्वचा को नुकसान हो सकता है और त्वचा कैंसर तक की समस्या हो सकती है।
- बहुत ज्यादा तनाव से भी रोग प्रतिरोधक क्षमता घटने लगती है। तनाव होने पर शरीर में कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है जिससे इम्यूनिटी तो कमजोर होती ही है, साथ ही पाचन क्रिया भी पूरी तरह से गड़बड़ा जाती है।
- साफ-सफाई के प्रति लचर व्यवहार भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को नाकारात्मक तरीके से प्रभावित करता है। शरीर का साफ-सफाई पर ध्यान ना देने से हानिकारक कीटाणु शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। जिससे कई बीमारियों और इंफेक्शन हो जाते हैं। साथ ही बहुत ज्यादा शराब का सेवन या धूम्रपान भी शरीर की रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है।
- जाने-अनजाने में ही सही लेकिन खाने की गलत आदतें और बदपरहेजी धीरे धीरे रोग प्रतिरोधक त्क्षमता को खत्म करती हैं और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का कारण भी बन सकती हैं। एक ताजा शोध के अनुसार तो डिब्बाबंद और माइक्रोवेव में बनाए खाद्य को खाने से कैंसर सहित कई गंभीर बीमारी हो सकती हैं। इसके अलावा पर्याप्त नींद न लेने से ये दिमाग व पाचन क्रिया को सीधे-सीधे प्रभावित करती है। और इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घटती है। इसलिए समय से सोएं और पूरी नींद लें। नियमित एक्सरसाइज करें और अच्छा भोजन करें। इस तरह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी और रोग आपको छू भी नहीं पाएंगे।

लैवेंडर तेल और बर्न्स - क्या फायदे हैं?

लैवेंडर तेल के उपयोग करने का मुख्य लाभ, प्राकृतिक रूप से त्वचा के जलने का उपचार है। हालांकि बाजार में कई तरह की बर्न क्रीम मिलती है, लेकिन उनमें से ज्यादातर में हानिकारक केमिकल मौजूद होते हैं। अगर आप अपने स्वास्थ्य और भलाई की परवाह करते हैं तो आवश्यक तेल जैसे लैवेंडर त्वचा के जलने के उपचार के लिए एक बढ़िया घरेलू उपाय हो सकता है।

मोटापा कम करने के लिए मुद्राएं

मोटापा ऐसी समस्या है जो अपने साथ कई तरह की बीमारी लेकर आती है। समय रहते काबू पाना बहुत जरूरी है। मोटापा कम करने में योग बहुत कारगर होता है। योगासनों के जरिए आप आसानी से मोटापा कम कर सकते हैं। मोटापे को दूर करने के लिए पृथ्वी मुद्रा का प्रयोग किया जाता है। और दूसरी मुद्रा है अपान वायु मुद्रा। इनका अभ्यास नियमित रूप से कम से कम 15 से 45 मिनट तक करेंगे, तभी इनका फायदा मिलेगा।

खुशखबरी देने का सही समय है बारहवां हफ्ता

गर्भावस्था का बारहवां हफ्ता यानी गर्भवर्ती महिला दूसरी तिमाही में प्रवेश करने वाली है। अब गर्भपात का जोखिम न के बराबर है। यदि मां बनने वाली महिला दोस्तों और रिश्तेदारों को यह खुशखबरी नहीं दी है तो अब उन्हें यह खबर दे सकती हैं। दूसरी तिमाही में प्रवेश करने पर महिलाएं राहत महसूस करती हैं। अब उन्हें जल्द ही मां बनने का अहसास मन ही मन खुशी देता है। इस समय कुछ महिलाओं का बेबी बंप दिखाई देने लगता है, जब्कि कुछ का दिखाई भी नहीं देता। यदि गर्भवती महिला के अंदर कोई शारीरिक बदलाव नहीं हो रहा तो परेशानी होने की काई बात नहीं है। आंतरिक परिवर्तन लगातार जारी हैं।

बच्चे का विकास

दूसरी तिमाही में प्रवेश कर लिया है, अब बच्चे के विकास में तेजी आएगी। मस्तिष्क हार्मोन का उत्पादन शुरू करेगा और तंत्रिका कोशिकाएं भी जल्द बढ़ेंगी। गर्भ में पल रहा शिशु तरल पदार्थ को चूसना और आहार को निगलना शुरू कर देगा। सब कुछ सही रहने पर शिशु की लंबाई और आकार में परिवर्तन होता रहेगा।

बच्चे की मुठ्ठी, खोलने और बंद करने की प्रक्रिया भी अब शुरू होने लगती है। समय समय पर बच्चे के होठ और भौंहे सिकुड़ने लगते हैं। आंखें और कान चेहने के अनुपात में विकसित होने शुरू हो जाता हैं। हफ्तों और महीनों का समय बीतने के साथ शिशु की बनावट में और भी बदलाव आने लगता है।

शरीर में परिवर्तन

गर्भावस्था के बारहवें सप्ताह के दौरान बच्चे की स्थिति में होने वाले परिवर्तन के कारण गर्भाश्य के आकार में भी परिवर्तन दिखाई देगा। अब मां का पेट पहले से बड़ा होना शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही वजन में दो से तीन पाउंड की वृद्धि हो जाएगी। त्वचा के रंग में भी कुछ परिवर्तन होगा। यदि त्वचा पर दाग हैं तो ये गर्भावस्था के दौरान और गहरे हो सकते हैं। कुछ महिलाओं में पेट के केंद्र से एक गहरे रंग का रेशा दिखाई देना शुरू हो सकता है, यह शिशु के जन्म के बाद गायब भी हो सकता है।

हर महिला के गर्भावस्था के दौरान अलग-अलग लक्षण होते हैं, इसलिए यदि किसी महिला के लक्षण किसी से भिन्न हैं तो चिंता की बात नहीं है। गर्भावस्था के बारहवें सप्ताह में मां बनने वाली महिला के दिल में जलन भी अधिक हो सकती है। इसमें कमी लाने के लिए दिन भर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में आहार लें। चिकित्सक से ऐसे खाद्य पदार्थ के बारे में जानकारी करें, जिनके सेवन से दिल में जलन न हो। यह समय मोलर गर्भावस्था का हो सकता है। इस समय नाल ठीक से विकसित नहीं होती। धब्बे या योनि से खून बहता दिखाई दे सकता है। इस तरह की परेशानी होने पर बिना किसी लापरवाही के चिकित्सक से परामर्श करें। इस तरह की परेशानी गर्भपात का कारण भी बन सकती है।

क्या उम्मीद की जाती है

दूसरी तिमाही में जाने पर गर्भपात का जोखिम काफी कम हो गया है। सुबह को होने वाली परेशानी, थकान और मितली जैसी दिक्कतें भी कम होंगी। पहले से अच्छा महसूस कर रही होंगी। आपके हार्मोन बच्चे के विकास के साथ समायोजन कर रहे हैं और सब अच्छी तरह से चल रहा होना चाहिए। त्वचा सूर्य के प्रकाश के प्रति अतिसंवेदनशील बनी महसूस हो सकती है। इस समय त्वचा पर दाग या काले धब्बे बन सकते हैं। धूप में जाने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल फायदेमंद रहेगा। संतुलित आहार योजन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं रखें। जो महिलाएं पहले गर्भवती रह चुकी हैं, उनसे बात करें और उनके अनुभवों को जानने की कोशिश करें। अपने और बच्चे के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए समय-समय पर चिकित्सक से मिलते रहें।

सुझाव / सलाह

सफलता पूर्वक पहली तिमाही पूरी कर ली है। अब दूसरी तिमाही की शुरूआत हो चुकी है। पहले के मुकाबले शारीरिक व मानसिक रूप से बेहतर महसूस कर रही हैं। यदि आने वाले दिनों में गर्भवर्ती महिला को यात्रा करने का विचार बन रहा है तो उसके लिए यह समय बेहतर है। सुबह को होने वाली परेशानी से भी राहत मिलेगी। दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने वाली बधाईयां आपकी खुशी को दोगुना कर देंगी। अन्य महिलाओं की गर्भावस्था के दौरान की बातों को सुनकर उनसे अपने अनुभवों की तुलना न करें। जरूरी नहीं कि हर महिला की गर्भावस्था के दौरान का अनुभव एक जैसा ही हो। यदि इस सबके बाद मन में अगर कोई प्रश्न है तो चिकित्सक से परामर्श करना अ च छ ा रहेगा।

गर्भावस्था के बारहवें हफ्ते में

- पहली तिमाही के मुकाबले गर्भवर्ती महिला को कम थकान और मितली भी कम आएगी। इस समय कोशिश करें कि तनाव न लें। इससे ऊर्जा स्तर में वृद्धि होगी।
- अब एरोबिक्स एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में लागू कर सकती हैं। इसके लिए यह सही समय है।
- अपनी दिनचर्या में हल्की एक्सरसाइज को शामिल करें, इससे मां और गर्भस्थ शिशु दोनों ही स्वस्थ रहेंगे।

कैंसर से लड़ने में मददगार हैं ये जादुई फूल

कैंसर रोग पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी समस्या बना हुआ है। कैंसर के तेजी से बढ़ते मामले और जटिल इलाज के चलते लोगों के लिए यह रोग काफी डरावना बन चुका है। इसका बारे में बात करने से भी लोग घबराते हैं। शोध बताते हैं कि कैंसर दुनिया भर में हर साल हज़ारों मौतों का कारण बनता है। यह दरअसल शरीर में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि होती है, जो ऊतकों को मार देती हैं और अंततः शारीरिक प्रणाली को नष्ट कर देती हैं। कैंसर मानव प्रणाली के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है। कैंसर के सबसे आम प्रकार में स्तन कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, पेट के कैंसर, ल्यूकेमिया, प्रोस्टेट कैंसर व लिम्फोमा आदि शामिल होते हैं। लेकिन ऐसा भी माना जाता है कि कुछ प्राकृतिक औषधियों की मदद से भी कैंसर का इलाज किया जा सकता है। चलिए इस विषय के बारे में विस्तार से जानने का प्रयास करते हैं। जैसे कि माना जाता है कि डेंडलाइन का फूल कैंसर के उपचार में मददगार होता है।

कैंसर का इलाज: हालांकि कैंसर के कई प्रकारों का इलाज करना संभव होता है, लेकिन इस बीमारी के दोबारा होने का भी बड़ा जोखिम रहता है, जिसके चलते ये बीमारी और भी घातक हो जाती है। इस रोग के साथ इलाज के स्थायी होने की कोई गारंटी नहीं होती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य संगठनों और अनुसंधान केन्द्रों द्वारा कैंसर के लिए एक स्थायी समाधान खोजने के प्रयास में हर साल लाखों-करोड़ों रुपए खर्च किया जा रहे हैं। हालांकि कैंसर के इलाज के लिये दवाएं, कीमो थेरेपी तथा जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन आदि कि मदद से कैंसर के उपचार और बचाव को प्रभावी बनाया जा सकता है। ऐसा भी माना जाता है कि कैंसर के उपचार और रोकथाम के लिए प्राकृतिक नुस्खों की मदद भी ली जा सकती है। डेंडलाइन का फूल जिसे कामफूल के नाम से भी जाना जाता है, के फूल के बारे में भी ऐसा माना जाता है कि इसमें कैंसर से लड़ सकने वाले असाधारण औषधीय गुण होते हैं।

कैंसर से लड़ने की क्षमता: डेंडलाइन का फूल, खासतौर पर इसकी जड़ में असंख्य विटामिन और खनिज होते हैं, जोकि मानव प्रणाली को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक होते हैं। डेंडलाइन का फूल विटामिन डी, सी और बी, आयरन, सिलिकॉन, जिंक व पोटेशियम आदि पोषक तत्वों का शरीर में संचार करता है। इन सबके मनुष्य के लिए विभिन्न स्वास्थ्य लाभ होते हैं। यह फूल कोशिकाओं को पोषण देता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। इसके साथ - साथ डेंडलाइन कब्ज, गुर्दे और यकृत रोग, पीलिया, वायरल फ्लू, आदि को भी दूर कर सकता है। यह फूल नई बनी मां के दूध का उत्पादन भी कुशलता से बढ़ा सकता है। डेंडलाइन के फूल को एक उत्कृष्ट रक्त शोधक भी माना जाता है, जो कि चयापचय दर को ठीक बनाए रखने और रक्त विकारों को रोकने में मदद करता है। इस सभी स्वास्थ्य लाभों के साथ डेंडलाइन में कैंसर से लजडने की काबिलियत बी होती है।

विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों से पता चलता है कि डेंडलाइन की जड़ में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कर सकने वाले गुण होते हैं।

जानें पोकवीड केब हर्ब्स के गुणों के बारे में

पोकवीड एक बारहमासी जड़ीबूटी है, जो पूर्वी उत्तर अमेरिका का मूल निवासी है और दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है। इसके बेरीज् और सूखी जड़ों का इस्तेमाल हर्बल उपचार में किया जाता है। पोकवीड सप्लीमेंट अर्क, टिंचर, पाउडर और पुलटिस के रूप में उपलब्ध है। पोकवीड के लिए कोई मानक खुराक निश्चित नहीं हैं।

पोकवीड के गुण

पोक एंटीबायोटिक, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-रूमेटिक, एंटी-स्कर्वीजनक, एंटी-सिफिलिटिक और एंटी-ट्यूमर के रूप में कार्य करता है। इस संयंत्र के कुछ हिस्सों जैसे बेरीज् और जड़ों को हर्बल उपचार के लिए उपयोग किया जाता है। पोकवीड एक तीखी कड़वी जड़ी-बूटी है जो प्रतिरक्षा और लसीका प्रणालियों के कार्य में मददगार होती है।

बीमारियों के लिए पोकवीड

पोकवीड की जड़ का इस्तेमाल दर्दनाक मसल्स, जोड़ों (गठिया) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही यह नाक, गला, और सीने में सूजन के अलावा टांसिलाइटिस, कर्कश गले, लसीका ग्रंथियों की सूजन, ब्रेस्ट में दर्द और सूजन किया जाता है। परंपरागत रूप से, हालांकि, पोकवीड जड़ का इस्तेमाल कभी कभार ही करना चाहिए। अमेरिका के मूल निवासी पोकवीड का चिकित्सा के रूप में इसकी जड़ का सबसे आम उपयोग उल्टी को प्रेरित करने के लिए रेचक के रूप में होता है। बेरीज् को भोजन में रंग एजेंट के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है, और वास्तव में अभी भी खाद्य उद्योग में इसका प्रयोग किया जाता है। जब इसे कच्चा खाया जाता है तो संयंत्र द्वारा उत्पादित एंजाइम जैसे लेक्टिंस लाल रक्त कोशिकाओं आपस में जुड़ जाती है। लेक्टिंस चिपकने वाले प्रोटीन हैं। ऐसे लेक्टिंस जो ब्लड टाइप के साथ मेल नहीं खाते, शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। भोजन से आने वाले कई लेक्टिंस हानिकारक नहीं होते हैं, लेकिन थोड़ा बहुत असर होता है। अगर ये लेक्टिंस ब्लड ग्रुप के साथ मेल नहीं खाता, तो शरीर में जलन, सूजन हो सकती है। पोकवीड को अवसादरोधी दवाओं, डिसुलफिरम, ओरल गर्भ निरोधकों और प्रजनन की दवाएं ले रहे लोगों को द्वारा प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। हमेशा किसी भी जड़ी बूटियों कको लेने से पहले अपने चिकित्सक और फार्मासिस्ट बताओ।

महिलाओं के लिए पोकवीड

पोकवीड महिलाओं की कई विशिष्ट बीमारियों को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एंडोमेट्रिओसिस, पोकवीड के निर्धारित उपयोग के साथ हटाया जा सकता है। पीरियड्स से पहले ब्रेस्ट और पेट में दर्द को भी इसके इस्तेमाल से दूर किया जा सकता है। पोकवीड की जड़ में थोड़ी सी मात्रा मे तेल मिलाकर पेट पर हल्के हाथों से रगड़ने से आराम मिलता है। वैकल्पिक रूप से टिंचर की कम खुराक इस्तेमाल की जानी चाहिए। इन्टर्स्टिशल सिस्टाइटिस एक और भड़काऊ बीमारी है जिसे इसी टिंचर से ठीक किया जा सकता है। बवासीर के दर्द को भी इसकी जड़ों के सत्व से ठीक किया जा सकता है।

पोकवीड को इस्तेमाल कैसे करें

परंपरागत रूप से, पोकवीड के लाल पत्तों को लाकर पानी में उबलकर, अच्छे से निचोड़कर निकाल लें। फिर एक बार और उबला लें। ऐसा कम से कम तीन बार करना चाहिए और हर बार पानी को बाहर फेंक देना चाहिए। इन उबले हुए पत्तों का इस्तेमाल सलाद के रूप में या चाय के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा, यंग शूट को शतावरी के विकल्प के रूप में भी खाया जा सकता है। बेरीज् से रेड जूस निकाल कर फिर इसे पकाया जाता है। इस जूस का इस्तेमाल पाइ बनाने के लिए किया जाता है। इसका इस्तेमाल अन्य जूस में जेली बनाने के लिए भी किया जाता है। पोकवीड के किसी भी हिस्से को कच्चा, असंसाधित नहीं खाया जा सकता है।

अर्थराइटिस

पुराने दिनों से, रूमेटाइड अर्थराइटिस से जुड़े दर्द और सूजन को दूर करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए टिंचर उपयोगी है। वैकल्पिक रूप से एक या दो सूखी बेरी लेकर उसे पूरा ही खा लें। बहुत कम मात्रा में टिंचर का इस्तेमाल सिर दर्द को कम करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए।

प्रतिरक्षा प्रणाली में मजबूती

पोकवीड में प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित रोगों के इलाज की क्षमता भी होती है, क्योंकि इसमें एंटी एड्स दवा के गुण और क्षमता होती है। यह प्रचुर मात्रा में टी-कोशिकाओं पर परस्पर प्रभाव डाल प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

श्वसन संक्रमण का इलाज

पोकवीड के काढ़े का सामान्यत गले में दर्द और टांसिलाइटिस, ग्रसनीशोथ, अपच जैसे श्वसन संक्रमण के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है, यह ग्रंथियों की सूजन और पुराने संक्रमण के इलाज में भी कारगर है।

कैंसर का इलाज

जल्द ही पोकवीड ने कैंसर का इलाज करने की क्षमता हासिल कर लोक्रिपयता प्राप्त कर ली है, विशेष रूप से स्तन और गर्भाशय के कैंसर के लिए। शोधों से पता चला है कि कैंसर की प्राकृतिक चिकित्सा के लिए यह जड़ी-बूटी बहुत ही फायदेमंद है। पोक की जड़ एंटीटॉक्सिन थेरेपी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो कुछ प्रकार के ट्यूमर विकास में बाधा उत्पन्न करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

रेसिपी

बटर गार्लिक फ्राइड राइस

सामग्री

दो कप पके हुए चावल, लहसुन की 6 कलियां बारीक कटी हुईं, आधा कप हरा लहसुन बारीक कटा हुआ, एक प्याज बारीक कटा हुआ, एक बड़ी चम्मच फ्रेंच बींस बारीक कटी हुईं, आधा कप पत्तागोभी बारीक कटी हुई, आधा कप फूलगोभी बारीक कटी हुई, एक गाजर छीलकर कद्दूकस कर लें, एक बड़ा चम्मच लहसुन का पेस्ट, दो बड़े चम्मच मक्खन, स्वादानुसार नमक

विधि

गैस पर नॉन स्टिक पैन में मक्खन गर्म करें। इसमें लहसुन और प्याज डालकर मध्यम आंच पर एक मिनट तक फ्राई करें। अब पैन में फ्रेंच बींस, फूलगोभी, पत्तागोभी, गाजर और नमक डालकर मिक्स करें। अब पके चावल, लहसुन का पेस्ट और थोड़ा पानी छिड़ककर इन्हें मिलाएं। अब हरा लहसुन डालकर इसे मिक्स करें। फिर पैन को ढक दें और धीमी आंच पर इसे 3 से 4 मिनट तक पकाएं। गैस को बंद करे 2 मिनट बाद पैन का ढक्कन खोलकर चावल को अच्छी तरह चलाएं। तैयार है बटर गार्लिक फ्राइड राइस। इन्हें प्लेट में निकालकर गर्मागर्म सर्व करें।

चिल्ली पनीर

सामग्री

पनीर – 300 ग्राम, ग्रीन कैप्सीकम – 1 (कटी हुई), रैड कैप्सीकम – 1 (कटी हुई), कार्न फ्लोर – 3–4 स्पून, टमाटो सास – 1/4 कप, तेल– 3 –4 चम्मच, सिरका–2 छोटी चम्मच, सोया सास– 2 छोटी चम्मच, चिल्ली सास– 2 छोटी चम्मच, हरी मिर्च – 2–3 (छोटी काटी हुई), अदरक – 1 इंच टुकड़ा (कद्दूकस), नमक स्वादानुसार, काली मिर्च पाउडर– 1/4 छोटी चम्मच, चिल्ली फ्लेक्स –1/4 छोटी चम्मच, अजीनो मोटो–2 पिंच, पोदीना के पत्ते– 12

विधि

पनीर क्यूब्स को एक बाउल में रखें, उसमें डालें नमक, अदरक–लसहुन पेस्ट, मैदा, 1 छोटा चम्मच टोमाटो चिल्ली सॉस और अच्छे से मिलाएं। हरे प्याज को मोटा–मोटा काटें। एक नॉन स्टिक पैन में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें। लाल मिर्चों के छोटे टुकड़े करके उनके बीज निकालें और पैन में डालें। फिर हरे प्याज डालकर भूने। पैन में शिमला मिर्चें डालें और अच्छी तरह मिलाएं। नमक डालकर कुछ देर पकाएं। 1 बड़ा चममच टोमाटो चिल्ली सॉस डालें और 2 मिनिट तक पकने दें फिर आंच बुझा दें। पनीर के क्यूब्स को पैन में डालें और अच्छी तरह मिलाएं। गारमागरम परोसें।

संपादकीय

गठबंधन के राजधर्म

प्रधानमंत्री मोदी समेत 72 मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। उसी के साथ नई केंद्र सरकार का राजधर्म आरंभ हो गया। यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की विविधता और ताकत का समारोह मनाने का क्षण है। यह चुनाव आयोग, अन्य संस्थानों, कर्मचारियों और प्रक्रिया का आभार जताने का भी पल है। देश के मतदाताओं ने जनादेश दिया है। गठबंधन की यह सरकार भी लोगों की इच्छा की प्रतीक है, क्योंकि गठबंधन में ही बहुमत और राजधर्म निहित हैं। चूंकि यह गठबंधन की सरकार है, किसी एक दल के पक्ष में बहुमत का जनादेश नहीं है, तो उसके मायने ये नहीं हैं कि गठबंधन की निरंतरता और स्थिरता का ही रोना रोया जाए अथवा बहानों के लिए गठबंधन की आड़ में छिपा जाए। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही यह एनडीए-3 सरकार है और 2014 की निरंतरता में ही है। फर्क सिर्फ इतना है कि भाजपा को बहुमत नहीं मिला है और सरकार की स्थिरता गठबंधन के घटक दलों के सहारे ही है। बिल्कुल ऐसा भी नहीं है, क्योंकि जब 1991 में नरसिम्हा राव सरकार बनी थी, तब कांग्रेस के 232 सांसद ही थे। सरकार पूरे पांच साल चली, यह दीगर है कि कुछ कलंक और दाग लग गए थे, जो लोकतंत्र को बदनाम करते हैं। सदन में बहुमत साबित करने के लिए सांसदों को खरीदा गया था, कुछ को मंत्री पद का लालच दिया गया था। कमोबेश अब भाजपा के पास 240 सांसद हैं और कुछ निश्चित समर्थक भी हैं। बहुमत के लिए खरीद-फरोख्त की नौबत, शायद, न आए। बहरहाल मौजूदा संदर्भ में हमें तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जद-यू की ही चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्हें भी समविचारक भारत सरकार की जरूरत है, जो उनकी बुनियादी जरूरतों की पूर्ति कर सके। दोनों ही दलों के राज्य गरीब और विपन्न हैं। दोनों ही राज्य कर्जदार हैं। अन्य सरकार उनकी जरूरतों को संबोधित नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का राजधर्म यह है कि जब भी कोई बड़ा और गंभीर फैसला लेना हो, तो विमर्श की मेज पर सभी सहयोगी दलों के नेता मौजूद हों और फैसला सर्वसम्मति से किया जाना चाहिए। खुद प्रधानमंत्री ऐसी भावना व्यक्त कर चुके हैं। गठबंधन सरकारों के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. मनमोहन सिंह भी थे, जिन्होंने अपने कार्यकाल बखूबी निभाए। डॉ. मनमोहन सिंह तो 10 साल तक गठबंधन सरकार के प्रधानमंत्री रहे। दूरसंचार, पेंशन, सरकारी घाटे पर लगाम कसने की व्यवस्था, बिजली और बीमा क्षेत्र के कई बड़े सुधारवादी फैसले वाजपेयी सरकार के दौरान लिए गए। मनमोहन सरकार के दौरान अमरीका के साथ असैन्य परमाणु करार जैसे संवेदनशील फैसले के अलावा मनरेगा, खाद्य सुरक्षा, अनिवार्य-मुफ्त प्राथमिक शिक्षा, सूचना के अधिकार, भूमि अधिग्रहण कानून आदि पारित कराए गए। इनके अलावा पेट्रोलियम उत्पादों को बाजार के हवाले करने सरीखे बड़े फैसले भी लिए गए। चूंकि अब भाजपा अल्पमत में है, लिहाजा एनडीए की गठबंधन सरकार, गठबंधन धर्म और मोदी सरकार के राजधर्म की अग्निपरीक्षा का यह दौर है। हालांकि हमें कोई बड़ा संकट या राजनीतिक दरारों के हालात नहीं लगते, क्योंकि आर्थिक विकास और आर्थिक सुधारों के पक्षधर चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार भी हैं। फिर भी असली चुनौती तब सामने आएगी, जब प्रधानमंत्री टीडीपी और जद-यू दोनों को ही निर्णय की मेज पर बुलाएंगे और सर्वमत नहीं बन पाएगा। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए को 'ऑर्गेनिक' और 'सफलतम' गठबंधन करार दिया है। वह जनादेश के मर्म को जानते हैं और अलग-अलग राज्य और दल की भिन्नता महसूस करते हैं, लिहाजा कुछ समझौतापरस्त होना भी अपेक्षित है। प्रधानमंत्री मोदी ऐसे केंद्र की कल्पना कर रहे हैं, जो राज्यों को अपने साथ लेकर आगे बढ़े और उनकी बात गौर से सुने। उन्होंने प्रतिस्पर्द्धी और सहकारी संघवाद के मॉडल की भी बात की है। राष्ट्र के मुद्दे पर सभी करीब आएं और एक साथ काम करें। इसी संदर्भ में विपक्ष की भूमिका की नई परिभाषा प्रधानमंत्री मोदी ने दी है।

देश के मतदाताओं ने जनादेश दिया है। गठबंधन की यह सरकार भी लोगों की इच्छा की प्रतीक है, क्योंकि गठबंधन में ही बहुमत और राजधर्म निहित हैं। चूंकि यह गठबंधन की सरकार है, किसी एक दल के पक्ष में बहुमत का जनादेश नहीं है, तो उसके मायने ये नहीं हैं कि गठबंधन की निरंतरता और स्थिरता का ही रोना रोया जाए अथवा बहानों के लिए गठबंधन की आड़ में छिपा जाए। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही यह एनडीए-3 सरकार है और 2014 की निरंतरता में ही है। फर्क सिर्फ इतना है कि भाजपा को बहुमत नहीं मिला है और सरकार की स्थिरता गठबंधन के घटक दलों के सहारे ही है। बिल्कुल ऐसा भी नहीं है, क्योंकि जब 1991 में नरसिम्हा राव सरकार बनी थी, तब कांग्रेस के 232 सांसद ही थे। सरकार पूरे पांच साल चली, यह दीगर है कि कुछ कलंक और दाग लग गए थे, जो लोकतंत्र को बदनाम करते हैं। सदन में बहुमत साबित करने के लिए सांसदों को खरीदा गया था, कुछ को मंत्री पद का लालच दिया गया था। कमोबेश अब भाजपा के पास 240 सांसद हैं और कुछ निश्चित समर्थक भी हैं। बहुमत के लिए खरीद-फरोख्त की नौबत, शायद, न आए। बहरहाल मौजूदा संदर्भ में हमें तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जद-यू की ही चिंता नहीं करनी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी स्वयं की अपेक्षा से कम सीटें पाने में सफल रही, लेकिन एनडीए को सरकार बनाने का जनादेश जरूर मिला

विपक्ष की गारंटियों के बावजूद एनडीए को बहुमत

डा. अश्वनी महाजन

नरेंद्र मोदी की अगुआई वाला एनडीए पिछले दस सालों के अपने काम और प्रदर्शन पर वोट मांग रहा था, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दलों का इंडी गठबंधन मोदी सरकार के दौरान महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर मतदाताओं के बीच जा रहा था। एक तरफ नरेंद्र मोदी 'जीवन को आसान बनाने' की गारंटी और अपनी नीतियों के साथ लोगों तक पहुंच रहे थे, जिसमें गरीबों के लिए आवास, अगले 5 सालों तक गरीबों को मुफ्त राशन, गरीबों के साथ-साथ 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत मुफ्त इलाज, किसान सम्मान निधि और दूसरी कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखना शामिल था।

2024 का आम चुनाव बेहद दिलचस्प रहा है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी स्वयं की अपेक्षा से कम सीटें पाने में सफल रही, लेकिन एनडीए को सरकार बनाने का जनादेश जरूर मिला है। एक तरफ नरेंद्र मोदी की अगुआई वाला एनडीए पिछले दस सालों के अपने काम और प्रदर्शन पर वोट मांग रहा था, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दलों का इंडी गठबंधन मोदी सरकार के दौरान महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर मतदाताओं के बीच जा रहा था। एक तरफ नरेंद्र मोदी 'जीवन को आसान बनाने' की गारंटी और अपनी नीतियों के साथ लोगों तक पहुंच रहे थे, जिसमें गरीबों के लिए आवास, अगले 5 सालों तक गरीबों को मुफ्त राशन, गरीबों के साथ-साथ 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए आयुष्मान भारत कार्यक्रम के तहत मुफ्त इलाज, किसान सम्मान निधि और दूसरी कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखना शामिल था। लेकिन कांग्रेस जो कि इंडी गठबंधन की मुख्य पार्टी थी, वह पिछले चुनावों की तरह ही, हर गरीब परिवार को एक लाख रुपए की राशि, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, जाति आधारित सर्वेक्षण करके धन का पुनर्वितरण (जनसंख्या के अनुसार) आदि की गारंटी के साथ चुनावी मैदान में थी। इंडी गठबंधन में शामिल अन्य क्षेत्रीय दल भी मुफ्त योजनाओं का लालच देकर जनता को लुभा रहे थे। लेकिन ऐसा लगता है कि मतदाताओं ने मुफ्त योजनाओं के लिए वोट नहीं दिया और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए को जीत दिलाई। यह साबित करता है कि भारत की जनता ने नरेंद्र मोदी के दस साल के कार्यकाल के दौरान अपनाई गई नीतियों का समर्थन करके एनडीए को विजयी बनाया है, हालांकि उस भारी बहुमत के साथ नहीं, जिसका दावा सत्तारूढ़ गठबंधन कर रहा था, खासकर तीन बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में।

हम देखते हैं कि नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में गरीबों के लिए बड़ी संख्या में कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गईं, जिनके लाभार्थियों ने स्वाभाविक रूप से नरेंद्र मोदी का समर्थन किया है। लाभार्थियों की बात करें तो 4 करोड़ गरीब परिवारों के लिए पक्के मकानों का निर्माण नरेंद्र मोदी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। गौरतलब है कि जो गरीब परिवार पहले कच्चे या अर्ध-कच्चे मकानों में रहते थे, उनके लिए पिछले कुछ सालों में करीब 3 करोड़ ग्रामीण और एक करोड़ शहरी मकान बनाए गए। अगर पांच लोगों के परिवार को माना जाए तो करीब 20 करोड़ लोग इस योजना के लाभार्थी रहे हैं। समझा जा सकता है कि इस योजना ने उन गरीब परिवारों की कुशलता और जीवन स्तर में बड़ा बदलाव लाया है। स्वाभाविक रूप से एनडीए को इन लाभार्थियों का समर्थन मिला है। इसके साथ ही गरीबी के कारण एलपीजी कनेक्शन से वंचित 10 करोड़ महिलाओं को उज्ज्वला योजना के तहत न सिर्फ धुएं से मुक्ति मिली है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी बड़ा बदलाव आया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन लाभार्थियों ने भी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन किया है। वैसे तो महिला स्वाभिमान के प्रतीक शौचालयों के निर्माण को सामाजिक क्रांति माना जा सकता है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इस योजना के कारण खुले में शौच से मुक्त हुई महिलाओं का समर्थन भी मौजूदा सरकार चला रही पार्टियों को मिला होगा। लगभग पूरे देश को नल से जल और शत-प्रतिशत बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराना किसी क्रांति से कम नहीं माना जा सकता। करीब 80 करोड़ आबादी को मुफ्त राशन और किसानों को 6 हजार रुपए प्रति वर्ष की राशि जारी रखने की गारंटी भी एक लोकप्रिय कदम माना जा रहा है। समझना होगा कि किसान सम्मान निधि को छोडक़र, जिसका असर करीब 75000 करोड़ रुपए प्रति वर्ष सरकारी खर्च पर पड़ता है, नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही कोई भी अन्य योजना नकद वितरण वाली नहीं थी।

इससे पहले भी कांग्रेस ने किसानों के 70000 करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए थे और 2024 में भी इसी तरह की घोषणा की गई थी। 2019 के चुनाव में कांग्रेस ने चुनाव जीतने के बाद हर गरीब परिवार को सालाना 72000 रुपए देने का वादा किया था और तब भी कांग्रेस को लोकसभा में सिर्फ 52 सीटें ही मिलीं। यानी तब भी लोगों ने कांग्रेस की नकद वितरण योजना को नकार दिया था। इस बार कांग्रेस ने चुनाव के दौरान हर गरीब परिवार को सालाना एक लाख रुपए देने का वादा किया था और इसका खूब प्रचार भी किया था। हालांकि, कांग्रेस के इस वादे के क्रियान्वयन को लेकर लोगों में काफी संदेह था और कांग्रेस की सीटें 52 से बढक़र, सरकार में शामिल होने के लिए जादुई संख्या से काफी कम 100 से कुछ कम ही रहीं। एक तरफ जनता द्वारा नकद वितरण योजना को नकारना और दूसरी तरफ मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही सामाजिक कल्याण योजनाओं पर दिखाया जा रहा भरोसा, देश के मतदाताओं और लोकतंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है। देश ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है। यह सच है कि पिछले 10 सालों में भारत की जीडीपी 2 ट्रिलियन डॉलर से बढक़र लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर हो गई है और देश दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढक़र 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, लेकिन यह भी सच है कि हमारे देश में अमीर और गरीब के बीच असमानता अभी भी बनी हुई है। हालांकि, अत्यधिक गरीबी में काफी कमी आई है, लेकिन मोदी सरकार के पहले नौ वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के बावजूद बहुआयामी गरीबी से पीड़ित लोगों की संख्या वर्ष 2023 तक 12 करोड़ बनी हुई थी। यह सही है कि राजकोषीय सूझबूझ के कारण सरकार का पूंजी निवेश बढ़ रहा है, देश में बड़ी मात्रा में बुनियादी ढांचे का निर्माण हो रहा है, जिससे देश में लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और आम लोगों के जीवन को आसान बनाने में सफलता मिल रही है। दूसरी ओर, तकनीक का उपयोग करके ऑनलाइन लेन-देन दुनिया में कहीं और की तुलना में भारत में कहीं अधिक हो रहा है, सरकार अधिक से अधिक पेटेंट देने में भी सफल रही है, और अंततः वर्ष 2014 में केवल 4227 पेटेंट की तुलना में वर्ष 2024 में 1.03 लाख पेटेंट दिए गए, जो देश में नवाचार में विकास को दर्शाता है। हालांकि, उत्पादों के निर्माण में हमारी निर्भरता अभी भी विदेशों पर बनी हुई है। आत्मनिर्भर भारत नीति के तहत देश में विनिर्माण उत्पादन बढ़ाने के प्रयास भी फलीभूत हो रहे हैं, लेकिन इस दिशा में और अधिक प्रयासों की आवश्यकता होगी, ताकि भारत पूरी तरह से आत्मनिर्भर बन सके। देश में बढ़ती आबादी के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करने होंगे। यह सही है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और रोबोटिक्स के कारण पारंपरिक रोजगार प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन तकनीक के साथ तालमेल बनाए रखना भी जरूरी होगा। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि मशीनों और एआई का इस्तेमाल उन क्षेत्रों में कम हो, जहां श्रम का बेहतर इस्तेमाल हो सकता है।

दृष्टि कोण

पिता ईश्वर तुल्य, उनकी सेवा ईश्वर भक्ति

पितृ दिवस बच्चों के लिए अपने पिता और पितातुल्य लोगों के प्रति सराहना दिखाने का दिन है। वयस्कों के लिए यह दिखाने का दिन है कि वे अपने जीवन में पिता और उनकी कड़ी मेहनत को कितना आदर देते हैं। पिता एक ऐसा शब्द है जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। एक ऐसा पवित्र रिश्ता जिसकी तुलना किसी और रिश्ते से नहीं की जा सकती है। बच्चे के लिए उसके पिता ही उसके महानायक होते हैं। बच्चा अपने पिता के साथ चलना और पहला कदम उठाना सीखता है। बचपन में उंगली पकड़ कर चलना और बाहों में रह कर बच्चे को बहुत सुकून मिलता है। रॉबर्ट ब्राउनिंग ने कहा है 'पिता से जी भर के प्यार ले लो, क्योंकि हमारी पृथ्वी एक मकबरा है, ईश्वर ने हमें विभिन्न रूपों में प्रेम भेजा है, और उनमें से एक हमारे पिता हैं।' पितृ दिवस एक उत्सव है जो पिता का सम्मान करता है और पितृत्व, पितृ बंधन और समाज में पिता के प्रभाव का जश्न मनाता है। यह दादा, बड़े भाई और ऐसे किसी भी पुरुष अभिभावक सहित अन्य पिता के सम्मान में भी मनाया जाता है। इसी संदर्भ में पूरे विश्व में हर साल जून के तीसरे रविवार को पितृ दिवस मनाया जाता है। 1966 में राष्ट्रपति लिंडन जॉनसन ने प्रथम राष्ट्रपतीय घोषणा जारी कर जून महीने के तीसरे रविवार को पिताओं के सम्मान में पितृ दिवस के रूप में तय किया। 1972 में वह दिन आया जब राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने इस कानून पर हस्ताक्षर किए और यह एक स्थायी राष्ट्रीय छुट्टी बना। भारत में भी धीरे-धीरे इसका प्रचार-प्रसार बढ़ता जा रहा है। इसे बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती भूमंडलीकरण की अवधारणा के परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है और पिता के प्रति प्रेम के इजहार के परिप्रेक्ष्य में भी। चाणक्य ने कहा है कि संस्कार के हिसाब से हर इनसान के पांच तरह के पिता होते हैं: विद्या देने वाला, भय से रक्षा करने वाला, जन्म देने वाला, उपनयन संस्कार करने वाला और अन्नदाता। भारतीय परंपरा में पिता का महत्व अतुलनीय है। संस्कृति, विचार, परवरिश, शिक्षा और संस्कार हमें अपने पिता से ही मिलते हैं। एक पिता को विभिन्न तरीकों से वर्णित किया जा सकता है। वह प्रदाता, रक्षक, उदारकर्ता, निर्माता और वह सब कुछ है। किसी ने ठीक ही कहा है कि 'अब तक का सबसे बड़ा उपहार परमेश्वर की ओर से आया था, मैं उसे पापा कहता हूं।' हमारे ग्रंथों में माता-पिता और गुरु तीनों को ही देवता माना गया है। उनकी सेवा और भक्ति में कसर रह जाए तो फिर ईश्वर की प्राप्ति संभव नहीं। एक अच्छा पिता होने का मतलब अपने बच्चों की शारीरिक जरूरतें पूरी करना ही नहीं है। इसमें उनके भावनात्मक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास के लिए उपस्थित रहना, संलग्न होना और प्रतिबद्ध होना शामिल है। एक अच्छे पिता की कमी बच्चों के आत्म-सम्मान, रिश्तों और समग्र कल्याण पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। जीवन का आधार ही पिता है। पिता से ही घर होता है। पिता ही जीवन में सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। बिन पिता के जीवन नर्क सा लगता है। जिन लोगों के पापा जीवित हैं, वे लोग इस दुनिया के बहुत खुशनसीब लोग हैं। जिनके पापा नहीं हैं, वे लोग ही जानते हैं कि पिता के जाने के बाद उन लोगों ने किन-किन मुसीबतों का सामना किया है। 'यूं देखिए तो आंधी में बस एक सजर गया, न जाने कितने परिंदों का घर गया।' हर बच्चा अपने पिता से ही सारे गुण सीखता है जो उसे जीवन भर विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार ढलने के काम आते हैं। कुछ विशेषताएं होती हैं जो पिता जी को खास बनाती हैं। वे कठिन परिस्थितियों में धैर्य नहीं खोते हैं और धीरज से काम लेते हैं। वे सारे परिवार से प्रेम करते हैं, घर में किसी प्रकार की कमी नहीं होने देते हैं। वे सारी जरूरतें और फरमाइशें भी पूरी करते हैं। वे गलतियों पर डांटते तथा माफ भी कर देते हैं और आगे गलती न करने की सीख भी देते हैं। उनका दिल बड़ा होता है, कई बार उनके पास पैसे भी नहीं होते हैं, फिर भी अपनी जरूरतें भूल कर परिवार की जरूरतों को पूरा करते हैं। संयम पिताजी की खूबसूरती होती है। वे हमेशा अपने आप पर नियंत्रण रखते हैं, वो हमेशा संयमित व्यवहार करते तथा कुशलता से हर कार्य को पूर्ण करते हैं। पिता जी हमेशा हमें अनुशासन में रहना सिखाते हैं और खुद भी अनुशासित रहते हैं। गंभीरता उनका गहना है। पिताजी घर के सभी कार्यों और परिवार के सभी लोगों और उनके स्वास्थ्य के प्रति गंभीर होते हैं, परंतु खुद की कोई भी तकलीफ नहीं बताते। ये सारी विशेषताएं ही पिता की महानता को और अधिक बढ़ाती हैं। इसलिए उनकी तुलना दुनिया में किसी से भी नहीं की जा सकती। पिता प्रत्येक बच्चे के लिए धरती पर ईश्वर का साक्षात रूप होते हैं। वे अपनी संतान को सुख देने के लिए अपने सुखों को भुला देते हैं। बिना पिता के मां का सिंदूर व अस्तित्व नहीं होता। पिता का स्थान मां से नीचे नहीं होता। मां को याद करके चोट लगती है, तो पिता की जरूरत पडऩे पर याद आती है। परंतु माता-पिता एक-दूसरे के पूरक हैं, जरूरत हैं। एक-दूसरे के बिना वे अधूरे हैं। पिता और पुत्री के बीच इतना प्यार इसलिए होता है क्योंकि उन दोनों के बीच में एक रिश्ता है जो उन्हें पिता और पुत्री के बंधन में बांधता है। दूसरा, पिता की अपनी पुत्री के प्रति एक विशेष जिम्मेदारी होती है। बेटी की जिम्मेदारी को निभाते समय पिता कहते हैं: 'रो रहे थे सब तो मैं भी फूट-फूट कर रोने लगा, वरना मुझको बेटियों की रुखसती अच्छी लगी।' जब तक पिता जिंदा रहता है, बेटी मायके में हक से आती है। पिता के मरने पर बेटी हिम्मत हार जाती है, क्योंकि उस दिन उसका पिता ही नहीं उसकी वो हिम्मत भी मर जाती है। बेटी के लिए पिता दुनिया की सबसे बड़ी हिम्मत और घमंड होता है। पिता अपने बेटे के साथ मैत्रीपूर्ण और करीबी रिश्ता हासिल करना चाहता है। खिलौने से लेकर बाइक, कार, लैपटॉप और उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजने तक, सारी मांगें पिता ही पूरी करता है। लेकिन एक समय ऐसा आता है कि जब भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में बच्चों के पास अपने माता-पिता के लिए समय नहीं होता। यह स्थिति भारतीय समाज को भी चिंतित करती है।

कुछ अलग

धनानंद अमर है...

धनानंद कभी नहीं मर सकता। धनानंद अमर है। हो सकता है कि आप मेरे इस कथन पर कहें कि मगध देश के नंद वंश का अंतिम राजा धनानंद सैंकड़ों बरस पहले चंद्र गुप्त के साथ हुए युद्ध में मारा गया था या उसकी पुत्री से विवाह करने के उपरांत चंद्र गुप्त ने उसे राजधानी से बाहर जाने की अनुमति दे दी थी। लेकिन ध्यान रखें कि धनानंद व्यक्ति नहीं, ऐसा चरित्र है जो अवसर और अनुकूल परिस्थितियां मिलते ही फूट पड़ता है। जिस तरह उपजाऊ ज़मीन में बीज डालते ही अंकुर फूट पड़ते हैं, उसी तरह सत्ता का खाद-पानी मिलते ही नए-नवेले शासक के भीतर से धनानंद की कोंपलें फूट पड़ती हैं और देखते-देखते ही आसमान छूने लगती हैं। यक़ीन न हो तो अपने आस-पड़ोस में नजऱ दौड़ाएं। कुछ दिन पहले अपनी धनानंदी के चलते आगरा के डीएम को उनके एक बीडीओ ने जूते से नाप दिया था। भारत के विभिन्न राज्यों में हो रहा बुलडोजऱ न्याय भी धनानंदी का प्रतीक है। अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए न्यायालय के आदेशों के बग़ैर उत्तराखंड के हलद्वानी और दिल्ली में गिराए मदरसे और मस्जि़द धनानंदिया चरित्र के जीते-जागते सुबूत हैं। भारतीय इतिहास में झांक कर देखें तो धनानंदिया चरित्र नंद वंश से काफी पहले सामने आता है। हिरण्यकश्यप और कंस अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए भगवान विष्णु और कृष्ण से उलझ गए थे। पर इधर तो मामला ही कुछ और है। मौजूदा धनानंद भगवान विष्णु और कृष्ण के साक्षात अवतार हैं। दरअसल किसी भी शासन व्यवस्था में नवजात की तरह पैदा होने के बाद धनानंद उसे अपनी बपौती समझते हुए उस पर क़ाबिज़ हो सकता है या क़ाबिज़ होने के लिए आसमान को खींच कर ज़मीन पर लाने की कोशिश कर सकता है। भले वह लोकतंत्र ही क्यों न हो। बस कुरसी मिलनी चाहिए। फिर चाहे थूक के चाटना पड़े या चाट के थूकना। देश में पिछले दो दशकों से लोकसभा चुनावों से पहले मतदाताओं को साधने के लिए जिस तरह मुरदों को जिलाया जा रहा है, उससे तो लगता है कि सरकार को भारत रत्न को दो श्रेणियों में बांट देना चाहिए। आम भारत रत्न और चुनावी भारत रत्न ताकि लोगों में संदेह की स्थिति उत्पन्न न हो। रोटी, कपड़ा, मकान और काम से जूझते लोग भले अपने आत्मसम्मान को ताक पर रखकर जीते रहें, लेकिन मृतकों के सम्मान में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। जहां तक भारत रत्न प्राप्त करने वालों के वारिसों के आत्म सम्मान का प्रश्न है, तो वह न कभी पुलिस की लाठियां खाकर कम होता है, न कभी सरकार द्वारा उनके बाप से बंगला छीनने पर और न कभी भारत रत्न से सम्मानित होने वाले शख्स के जीवन काल में उस राजनीतिक दल द्वारा उसे अपमानित करने पर, जिसकी सरकार अब उन्हें सम्मानित कर रही है। कभी अपने आत्मसम्मान को सर्वोपरि कहने वाले एक भारत रत्नी के वारिस जयंत चौधरी ने गाल बजाते हुए कहा था कि वह कोई चवन्नी नहीं कि केन्द्र सरकार की जांच एंजेसियों के डर से भाजपा में शामिल हो जाए। लेकिन भारत रत्न के लिए अपने दादा के नाम की घोषणा के बाद जयंत जिस तरह से पिघला है, उससे लगता है कि उसकी क़ीमत इकन्नी से भी कम हो गई है। हिंदी फिल्म 'ओम शांति ओम' में दीपिका पादुकोण द्वारा बोले गए डायलॉग 'एक चुटकी सिन्दूर की क़ीमत तुम क्या जानो, रमेश बाबू!' की तरह अब जयंत चौधरी का नया डायलॉग हो सकता है, 'एक चवन्नी क़ीमत तुम क्या जानो, नमो बाबू!' लेकिन भाजपा में शामिल होने की सहमति के बाद उसके चवन्नी से इकन्नी होने पर मैं भारत रत्न के मूल्य का निर्धारण नहीं कर पा रहा हूं।

देश दुनिया से

चीन को उसी की भाषा में जवाब देगा भारत, बदले जाएंगे तिब्बत के 30 स्थानों के नाम

चीन द्वारा भारतीय क्षेत्रों के नाम बदलने को लेकर नई दिल्ली को संदेह है कि बीजिंग ने पूर्वोत्तर भारत के सबसे बड़े राज्य अरुणाचल प्रदेश पर अपनी मजबूत दावेदारी दिखाने के लिए ऐसा किया है। भारतीय सेना का सूचना युद्ध प्रभाग इस अभियान का नेतृत्व कर रहा है, जिसे कोलकाता स्थित ब्रिटिशकालीन एशियाटिक सोसाइटी जैसे प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों का समर्थन प्राप्त है। सेना ने अपने लोगों के साथ प्रसारित विस्तृत ट्वीट में अरुणाचल प्रदेश के सात स्थानों के नाम बदलने को चुनौती दी है और चीन द्वारा जिन 30 स्थानों के नाम बदले गए, उनके विरोध का प्रयास कर रही है। अब उन्होंने तिब्बत के 30 स्थानों की एक सूची को भी अंतिम रूप दे दिया है, तथा ऐतिहासिक अभिलेखों से भारतीय भाषाओं में उनके प्राचीन नामों को पुन: प्राप्त किया है।

भारत ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के नाम बदलने के चीनी कदम का जवाब देने के लिए 'जैसे को तैसा' अभियान चलाया है, यानी भारत भी तिब्बत के 30 स्थानों के नाम बदलेगा। चीन द्वारा भारतीय क्षेत्रों के नाम बदलने को लेकर नई दिल्ली को संदेह है कि बीजिंग ने पूर्वोत्तर भारत के सबसे बड़े राज्य अरुणाचल प्रदेश पर अपनी मजबूत दावेदारी दिखाने के लिए ऐसा किया है। भारतीय सेना का सूचना युद्ध प्रभाग इस अभियान का नेतृत्व कर रहा है, जिसे कोलकाता स्थित ब्रिटिशकालीन एशियाटिक सोसाइटी जैसे प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों का समर्थन प्राप्त है। सेना ने अपने लोगो के साथ प्रसारित विस्तृत ट्वीट में अरुणाचल प्रदेश के सात स्थानों के नाम बदलने को चुनौती दी है और चीन द्वारा जिन 30 स्थानों के नाम बदले गए, उनके विरोध का प्रयास कर रही है। अब उन्होंने तिब्बत के 30 स्थानों की एक सूची को भी अंतिम रूप दे दिया है, तथा ऐतिहासिक अभिलेखों से भारतीय भाषाओं में उनके प्राचीन नामों को पुनः प्राप्त किया है। इन पंक्तियों के लेखक के पास यह सूची उपलब्ध है, जो मीडिया के जरिये सार्वजनिक की जाएगी। यह भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य और विवादित सीमा के अन्य हिस्सों पर चीनी दावों के खिलाफ एक मजबूत जवाबी आख्यान प्रस्तुत करने के वैश्विक अभियान का हिस्सा है। अब चूंकि केंद्र में नई सरकार का गठन हो गया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। इसलिए चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत के स्थानों का नाम बदलने का इस्तेमाल अरुणाचल प्रदेश पर चीनी दावे को खत्म करने के लिए बदले के तौर पर किया जाएगा। सैन्य अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि नए नाम व्यापक ऐतिहासिक शोध के आधार पर रखे जाएंगे। पूर्व खुफिया ब्यूरो के अधिकारी बेनु घोष, जिन्होंने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वर्षों काम किया है और जिन्हें पर्वतारोहण में भी दिलचस्पी है, कहते हैं, 'जब भी ऐसा होगा, यह भारत द्वारा तिब्बत के प्रश्न को फिर से उठाने की तरह होगा। जब से बीजिंग ने तिब्बत पर जबरन कब्जा किया है, तब से भारत ने इसे चीनी हिस्सा माना है, लेकिन अब मोदी सरकार चीनी मानचित्रण और नामकरण संबंधी आक्रामकता को कम करने के लिए अपना रुख बदलने को तैयार है।' भारतीय सेना ने हाल के हफ्तों में इन विवादित सीमावर्ती क्षेत्रों में मीडिया के कई दौरे आयोजित करवाए हैं तथा मीडिया को उन स्थानीय लोगों से बात करने का मौका दिया है, जो चीनी दावों का कड़ा विरोध करते हुए कहते हैं कि वे हमेशा से भारत का हिस्सा थे। नाम का खुलासा नहीं करने की शर्त पर इस अभियान से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि भारत का 'अंतिम लक्ष्य क्षेत्रीय और वैश्विक मीडिया के माध्यम से विवादित सीमा पर भारत के जवाबी आख्यान को आगे बढ़ाना है, जो ठोस ऐतिहासिक शोध और स्थानीय निवासियों के जनमत पर आधारित है। गौरतलब है कि इसी वर्ष कुछ समय पूर्व अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जताने के लिए चीन ने इस राज्य में एलएसी के पास के 30 स्थानों का नाम बदल दिया। हांगकांग स्थित एक दैनिक के

अनुसार, प्रशासनिक प्रभागों की स्थापना और नामकरण के लिए जिम्मेदार चीनी असैन्य मामलों के मंत्रालय ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में 'मानकीकृत' भौगोलिक नामों की चौथी सूची जारी की है, जिसे बीजिंग जंगनान कहता है। यह चौथी बार है, जब चीन ने अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का एकतरफा नामकरण किया है। इससे पहले उसने ऐसा वर्ष 2017, 2021 और 2023 में किया था। चीन द्वारा नाम बदले गए स्थानों की सूची में 11 आवासीय क्षेत्र, 12 पर्वतीय, चार नदियां, एक झील, एक पहाड़ी दर्रा और एक भूखंड है। इन नामों में चीनी, तिब्बती और पिनयिन अक्षर हैं, जो मंदारिन चीनी का रोमन वर्णमाला संस्करण है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने मंत्रालय के बयान को उद्धृत किया है, जो कहता है कि 'भौगोलिक नामों के प्रबंधन पर राज्य परिषद (चीनी मंत्रिमंडल) के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार, हमने संबंधित विभागों के साथ मिलकर चीन के जांगनान में कुछ भौगोलिक नामों को मानकीकृत किया है।' बीजिंग ने वर्ष 2017 में अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के कथित मानकीकृत नामों की पहली सूची जारी की थी, फिर वर्ष 2021 में 15 स्थानों की दूसरी सूची जारी की और उसके बाद वर्ष 2023 में 11 स्थानों के नामों की एक और सूची जारी की। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीनी कदम को बार-बार खारिज करते हुए कहा है कि अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग है और 'मनगढ़ंत' नाम रखने से यह वास्तविकता नहीं बदल जाती। वर्ष 2023 में तत्कालीन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था, 'हमने ऐसी रिपोर्टें देखी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब चीन ने ऐसा प्रयास किया हो। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और रहेगा। मनगढ़ंत नाम रखने की कोशिशें इस सच्चाई को नहीं बदल पाएंगी।' अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावों को पुष्ट करने के लिए चीनी बयानों की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अरुणाचल प्रदेश यात्रा पर भारत के समक्ष कूटनीतिक विरोध दर्ज कराने से हुई, जहां प्रधानमंत्री मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फुट की ऊंचाई पर निर्मित सेला सुरंग को राष्ट्र को समर्पित किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 23 मार्च को अरुणाचल प्रदेश पर चीन के बार-बार के दावे को 'हास्यास्पद' बताते हुए कहा कि यह सीमावर्ती राज्य 'भारत का स्वाभाविक हिस्सा' है। उन्होंने सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय दक्षिण एशियाई अध्ययन संस्थान में व्याख्यान देने के बाद अरुणाचल मुद्दे पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, 'यह कोई नया मुद्दा नहीं है। चीन के ये दावे शुरू से ही हास्यास्पद रहे हैं और आज भी हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इस मामले में हम हमेशा से बहुत स्पष्ट और तार्किक रहे हैं। यह सीमा पर चल रही चर्चाओं का हिस्सा बनेगा।' कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत ने चीन को उसी की भाषा में जवाब देने का मन बना लिया है और जैसे को तैसा की रणनीति अपनाते हुए नाम बदलने के अभियान में शामिल हो गया है।

आप का नजरिया

अहमियत के दरवाजे

भारत में भविष्य और भविष्य में भारत देख रही भाजपा का सत्ता में लौटना जैसे ही 'एनडीए' हो गया, मंत्रिमंडल के कुनबे में कुछ चेहरे छंट गए। पांचवीं बार के सांसद और भाजपा की अग्रिम पंक्ति के युवा नेता अनुराग ठाकुर का पहली सूची में मंत्रिमंडल का सदस्य न बनना हिमाचल को हैरान करता है, हालांकि प्रदेश के ही जगत प्रकाश नड्डा अपनी अहमियत के दरवाजे पुनः मोदी मंत्रिमंडल में खोल चुके हैं। सवाल यहां उस अंक गणित का है जिसके तहत जनता ने चारों सीटें यानी सौ फीसदी जीत भाजपा के नाम इसलिए कर दी ताकि प्रदेश का रुतबा केंद्रीय सरकार में बढ़े। क्या यह अनुराग को सबक या नड्डा का फलक है या भाजपा के संगठन में ठाकुर की किश्ती तैर रही है। जो भी हो, बतौर सांसद व मंत्री अनुराग ठाकुर की उपलब्धियां निजी व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के लिए श्रेष्ठ ही रही हैं। एक वही ऐसे सांसद हिमाचल के इतिहास में सामने आए जिन्होंने केंद्रीय प्रभाव से अपने विकास के मजमून सुदृढ़ कर दिए। खास तौर पर ऊना रेल परियोजना के मार्फत दौड़ रहीं दर्जन भर ट्रेनें, एम्स, हमीरपुर मेडिकल कालेज, ऊना में पीजीआई सेटेलाइट सेंटर, हमीरपुर में खेल परिसर, स्वां तटीकरण व बिलासपुर में हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना में उनकी खास भूमिका रही है। यह दीगर है कि वह हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के ही मंत्री साबित हुए, वरना बतौर खेल मंत्री पूरा हिमाचली अपनी आबोहवा के बूते खेल राज्य बनने के तौर तरीके व वांछित ढांचा सुदृढ़ कर लेता। यहां कई ऐसे सियासी मंजर भी सामने आते हैं जहां हिमाचल की आंतरिक स्थिति केंद्रीय पदों के आबंटन में उलझती है। यह इसलिए भी कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का लंबा कार्यकाल व गुजरात के कोटे से राज्यसभा पहुंच कर जगत प्रकाश नड्डा कुछ उनके सांसद हो गए हैं, तो माना यह जा रहा है कि वह भाजपा के राष्ट्रीय महत्त्व के धूमकेतु हैं और रहेंगे। बतौर स्वास्थ्य मंत्री बिलासपुर एम्स निर्माण में उनके नाम की चर्चा हमेशा होगी, लेकिन बतौर मंत्री समूचे प्रदेश के लिए उनके योगदान में भी भारी कमी रही है। हिमाचल में भाजपा सियासत को पढने के लिए केंद्र की नजदीकियां तथा ओहदे खास महत्त्व रखते हैं। जब केंद्र में अनुराग के मंत्री पदों का आरोहण हो रहा था, तो जगत प्रकाश नड्डा के आभामंडल में पूरा कमल खिल रहा था। इन दो ध्रुवों के बीच सियासी प्रश्रय की सत्ता जिस शख्स के नाम हुई, वह जयराम ठाकुर इस दौरान हिमाचल के कर्ताधर्ता बने और मौजूदा चुनाव आते-आते खूब फूले फले। अंततः नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनके पद और विपक्ष के मोर्चे पर पार्टी ने राज्यसभा में एक तथा लोकसभा में चार सांसद बढ़ाए हैं। इतना ही नहीं, विधानसभा में दो विधायक भी बढ़ रहे हैं, जबकि उपचुनावों में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस की जीत का तिलक अनुराग ठाकुर के लिए अब सीधा गणित नहीं है। पार्टी अपने संसदीय क्षेत्र में मोदी के नाम पर स्पष्टता से एक सीट जीत रही है, तो वही मतदाता उपचुनाव में दूसरी सलेट पर किस हिसाब से विधानसभा में कांग्रेस के पक्ष में जज्बात उंडेल रहा है। यह कैसा 'एकमत' जो केंद्र में मोदी को प्रधानमंत्री तो हिमाचल में कांग्रेस के मुख्यमंत्री के नाम हो रहा है।

निर्वासन में रह रहे छह लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं के पासपोर्ट रद्द, सरकार की चेतावनी

विक्टोरिया, 12 जून (एजेंसियां) ।

हॉन्गकॉन्ग ने अपने नए बनाए गए घरेलू सुरक्षा कानून के तहत विदेश में निर्वासन में रह रहे छह लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं के पासपोर्ट रद्द कर दिए हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हॉन्गकॉन्ग सरकार ने उन्हें कानूनविहीन वांछित अपराधी कहा है। यहां की सरकार ने कहा कि पासपोर्ट रद्द करने के अलावा, इन लोगों को हॉन्गकॉन्ग में किसी भी व्यापारिक लेनदेन करने से रोक दिया गया है, जिसमें नकदी से लेकर सोने तक के वित्तीय लेनदेन शामिल हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि ये कानूनविहीन वांछित अपराधी यूनाइटेड किंगडम में छिपे हुए हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधियों में शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, वे हॉन्गकॉन्ग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र को बदनाम करने के लिए भयावह टिप्पणियां करते हैं। इसके अलावा, वे अपने बुरे कामों को बचाने के लिए बाहरी ताकतों के साथ सांठगांठ करते हैं। इसलिए हमने उन्हें झटका देने के लिए ऐसा कदम उठाया है।

इन लोगों के पासपोर्ट रद्द – एक रिपोर्ट के अनुसार, हॉन्गकॉन्ग में राष्ट्रीय सुरक्षा अपराधों के आरोपी और पुलिस द्वारा वांछित छह लोगों में पूर्व विधायक नाथन लॉ, कार्यकर्ता फिन लाउ, श्रम अधिकार कार्यकर्ता क्रिस्टोफर मुंग, फॉक का-ची और चोई मिंग-दा के साथ-साथ ब्रिटेन के वाणिज्य दूतावास के कर्मचारी साइमन चेंग भी शामिल हैं, जिन्हें अगस्त 2019 में चीन में 15 दिनों के लिए हिरासत में लिया गया था। सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि सरकार ने हॉन्गकॉन्ग के लोगों को यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई भी शख्स इन लोगों की वित्तीय सहायता करता है या इनके साथ किसी भी प्रकार का व्यापारिक लेन-देन करता है तो उसे अपराधी माना जाएगा। इसके लिए करीब सात साल जेल की सजा हो सकती है। गौरतलब है, ब्रिटेन ने 1997 में हॉन्गकॉन्ग को चीन को वापस सौंप दिया था। उस समय बीजिंग ने 50 वर्षों तक शहर की पश्चिमी शैली की नागरिक स्वतंत्रता को बनाए रखने का वादा किया था। हालांकि, 2020 के कानून की शुरुआत के बाद से हॉन्गकॉन्ग के अधिकारियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और विधानसभा को गंभीर रूप से सीमित कर दिया। इसके अलावा कानून के नाम पर कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान सरकार के साथ बातचीत करने को तैयार इमरान खान, पीटीआई अध्यक्ष गौहर खान ने किया दावा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अब सरकार के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष गौहर खान ने यह दावा किया है। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अब सरकार के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष गौहर खान ने दावा किया है कि इमरान खान के साथ जो कुछ हुआ, वे उसे माफ करने के लिए तैयार हैं। गौहर खान ने की इमरान खान से बातचीत गौहर खान ने कहा कि उन्होंने पीटीआई के संस्थापक से बातचीत की आवश्यकता पर जोर दिया क्योंकि इमरान खान की राजनीति से लगातार दूरियां बढ़ रहीं थीं। गौहर ने बताया कि इमरान खान इस बात पर सहमत हो गए हैं। गौहर के अनुसार पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री भी चाहते हैं कि मौजूदा सरकार से बातचीत के रास्ते खुलें। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इमरान खान के साथ जो कुछ भी हुआ, वे उसे माफ करने के लिए तैयार हैं। रावलपिंडी की अदियाला जेल में कैद हैं इमरान खान पीटीआई के संस्थापक इमरान खान को 10 महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद से वे रावलपिंडी की अदियाला जेल में कैद हैं। जब गौहर खान से पूछा गया कि क्या सुप्रीम कोर्ट की सलाह के मुताबिक बातचीत होगी इसके जवाब में उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा दिए गए विकल्प भी विचार किया जाएगा। गौहर खान ने इस बात पर भी जोर दिया कि पीटीआई ने खुद यह फैसला लिया है कि सरकार से बातचीत की जाएगी। 'पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के साथ होगी बातचीत' गौहर खान ने आगे यह भी कहा कि उनकी पार्टी पहले पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के प्रमुख महमूद खान अचकजई से बात करेगी और उसके बाद सरकार से बातचीत शुरू की जाएगी। गौहर के अनुसार 'पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी का अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन है और पीटीआई उन्हें विश्वास में लेगी। इस बातचीत की पहल पीटीआई द्वारा खुद की जा सकती है। गौहर खान ने दोहराया कि बातचीत के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। सूत्रों का कहना है कि पीटीआई पार्टी के नेतृत्व को अलग अलग राजनीतिक दलों के साथ बातचीत करने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही पार्टी के सांसदों को सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के घटक दलों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए भी कहा गया है।

यूक्रेन में तैनात होगा अमेरिका का एक और पैट्रियट मिसाइल, राष्ट्रपति जो बाइडन ने दी मंजूरी

वाशिंगटन । यूक्रेन और रूस के बीच पिछले दो साल से अधिक समय से युद्ध जारी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक और पैट्रियट मिसाइल प्राणली को यूक्रेन में तैनात करने के लिए मंजूरी दे दी है। बाइडन ने पिछले सप्ताह ही यह निर्णय लिया है। यूक्रेन अपने शहरों, बुनियादी ढांचों और बिजली ग्रिड पर रूसी हमलों को झेल रहा है। नई पैट्रियट मिसाइल पोलैंड से आएगी। पोलैंड में यह मिसाइल एक अमेरिकी टुकड़ी की रक्षा कर रही है। इसे अगले कुछ दिनों में यूक्रेन में तैनात किया जा सकता है। पैट्रियट मिसाइल इसलिए है खास अमेरिकी मीडिया के अनुसार, पैट्रियट मिसाइल को अमेरिका का सबसे अच्छा वायु रक्षा हथियार माना जाता है। इसमें शक्तिशाली रडार और मोबाइल लॉन्चर शामिल है। यह प्रोजेक्टाइल पर मिसाइल दागते हैं। अमेरिका के पास कितने पैट्रियट हैं, पेंटागन ने यह बताने से इनकार कर दिया लेकिन एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की मानें तो अमेरिका ने दुनिया भर में 14 जगह पैट्रियट को तैनात किया है। पैट्रियट अमेरिका के अलावा, उसके सहयोगियों के पास भी है, उनमें से दो देशों ने यूक्रेन को कुछ पैट्रियट भेजे हैं। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि यूरोपीय शक्तियां जल्द ही और पैट्रियट यूक्रेन में भेजेंगी। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और पेंटागन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने यूरोपीय देशों से यूक्रेन को मदद देने की अपील की है। इन्होंने भी भेजी मिसाइल जिन दो देशों ने यूक्रेन में पैट्रियट भेजी हैं, उनमें जर्मनी और नीदरलैंड शामिल है। दोनों देश अब तक एक-एक मिसाइल भेज चुके हैं। जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज का कहना है कि जून के अंत तक दूसरा पैट्रियट वहां तैनत किया जाएगा। वहीं नीदरलैंड से दूसरे पैट्रियट के लिए बातचीत जारी है। रूस से रक्षा के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति ने किया था अनुरोध बता दें, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन पिछले माह कीव गए थे।

इजराइल ने हमास के युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकराया गाजा में बंधकों की रिहाई पर फिर लटकी तलवार

यरूशलम, 12 जून (एजेंसियां) ।

इजराइल ने हमास के नवीनतम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। इसी के साथ अब गाजा में युद्ध विराम और बंधकों को रिहा करने के समझौते पर भी तलवार लटकने लगी। सूत्र के अनुसार, हमास ने कतर के मध्यस्थों के समक्ष अपना प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव में गाजा में युद्ध विराम के साथ संपूर्ण रूप से गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी शामिल थी। सूत्र ने बताया कि इस मामले में समझौते की उम्मीद जताते हुए अमेरिका के साथ समन्वय में कतर और मिस्त्र के मध्यस्थों के माध्यम से बातचीत जारी रखने की उम्मीद है।

अपना जवाब दाखिल करते हुए हमास के प्रवक्ता ओसामा हमदन ने लेबनान की मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, हमारा जवाब गाजा में युद्धविराम और इजराइली सेना के वापसी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की स्पष्ट पुष्टि है। इजराइल ने किया हमास के प्रस्ताव को अस्वीकार एक इजराइली अधिकारी ने हमास के जवाब पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा, इजराइल को हमास का जवाब मिला।

हमास ने बंधकों की रिहाई के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी इसे अपने भाषण में रखा था। हालांकि, हमास ने इस दावे का विरोध करते हुए इसे प्रस्ताव से पीछे हटने का इजराइल का प्रयास बताया। बता दें कि इजराइल द्वारा तैयार की गई योजना को पूरी तरह से सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस योजना में छह हफ्ते का युद्ध विराम शामिल है। इस दौरान हमास बंधकों को रिहा करेगा और इजराइल फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इजराइल ने कहा था कि वह औपचारिक रूप से इस योजना पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है।

इजराइली सरकार के एक अधिकारी ने अमेरिका समर्थिक प्रस्ताव के प्रति अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा, इजराइल अपने सभी युद्ध उद्देश्यों को प्राप्त करने से पहले युद्ध का अंत नहीं करेगा। इसमें हमास को नष्ट करना, सभी बंधकों को रिहाई और भविष्य में गाजा इजराइल के लिए खतरा न बनें शामिल हैं।

प्रस्तुत प्रस्ताव इजराइल को इन उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। हालांकि, हमास पर भी अमेरिका समर्थित प्रस्ताव को स्वीकार करने का दबाव है। हमास के प्रवक्ता ने पिछले हफ्ते इजराइल को चेतावनी दी थी कि जब तक इजराइल युद्धविराम और गाजा से पूरी तरह से वापसी के लिए अपना रुख स्पष्ट नहीं करता, तब तक वे (हमास) किसी भी समझौते पर नहीं पहुंचने वाला।

अमेरिकी प्रशिक्षकों पर हुए हमले में कार्रवाई के लिए चीनी समकक्ष के संपर्क में हैं, एनएसए ने जारी किया बयान

वाशिंगटन । चीन में अमेरिका प्रशिक्षकों पर हुए हमले पर अमेरिकी एनएसए जेक सुलिवन ने गहरा दुख व्यक्ति किया है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि मामले में हम चीनी समकक्ष से लगातार संपर्क में हैं। जिससे की सभी कानूनी कार्रवाई के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें। चीन में अमेरिकी प्रशिक्षकों पर हुए हमले पर अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी टीम चीनी समकक्षों के साथ सम्पर्क में है। जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मामले में सभी जरूरी कानूनी कार्रवाई के लिए कदम उठाए जा सकें। हम घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं: जेक सुलिवन जेक सुलिवन ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा, हम चीन के जिलिन शहर में अमेरिकी नागरिकों पर चाकू से हमले के बाद काफी चिंतित हैं। हमारी टीम अमेरिका और पीआरसी समकक्षों के साथ संपर्क में हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीड़ितों की पूरी मदद हो सके। साथ ही सभी कानूनी कदम भी उठाए जा सकें। चार अमेरिकी प्रशिक्षकों पर चीन में चाकू से हमला किया गया अमेरिका के एक स्कूल ने बताया कि चार अमेरिकी प्रशिक्षक, जो चीन में एक विश्विद्यालय के दौरे पर गए थे. तभी एक सार्वजनिक पार्क में उन सभी पर चाकू से हमला कर दिया गया। जिसमें वो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद कॉर्नेल कॉलज के अध्यक्ष जोनाथन ब्रांड ने कॉलेज समुदाय के साथ एक बयान जारी करते हुए बताया कि अमेरिकी टीचर्स एक प्रोग्राम के तहत चीन में गए हैं और अपने साथी संस्थान के लोगों के साथ वहां पर सार्वजनिक पार्क में थे। तभी चाकू से हमला होने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गए। हम घटना में घायल हुए चारों टीचर्स के संपर्क में हैं और उनकी हर संभव मदद की जा रही है।

बेहतर पत्नी और मां के रूप में उभर रही हैं जिल बाइडन, हर वक्त मजबूती से साथ खड़ी रहती हैं

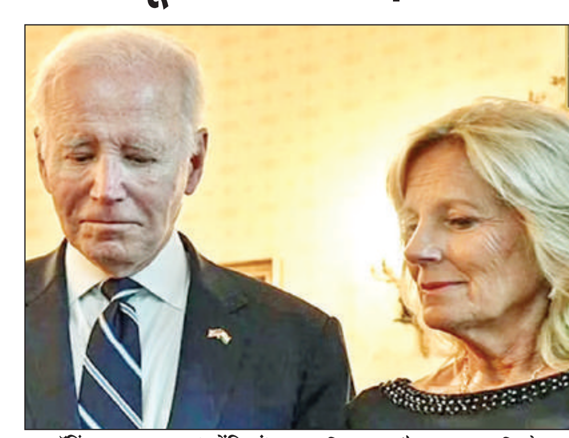

वॉशिंगटन, 12 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे प्रथम महिला जिल बाइडन मजबूती के साथ सामने आ रही हैं। वे अपने बेटे हंटर का मजबूती से साथ दे रही हैं तो वहीं अपने पति जो बाइडन के साथ भी कंधा से कंधा मिलाकर खड़ी दिख रही है। जिल इन दोनों अपने बेटे और अपने पति दोनों का हौसला बढ़ा रही हैं। जिल अपने छोटे बेटे के साथ अदालत में रहीं तो वहीं अगले दिन वे फ्रांस में अपने पति जो बाइडन के साथ दिखीं। इसके अगले दिन वे दोबारा अपने बेटे के साथ अदालत में थीं। इसके बाद फिर फिर अपने पति के साथ पेरिस में थी। वे एलीसी पैलेस में एक राजकीय रात्रिभोज में शामिल हुईं। इस दौरान वे शिआपरेली गाउन में दिखीं, उनके चेहरे पर मुस्कान थी और चेहरे पर थकान और तनाव की शिकन तक नहीं थी। बता दें, हंटर पर बंदूक रखने का आरोप है और ऐसा पहली बार है कि एक मौजूदा राष्ट्रपति के बच्चों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चल रहा हो।

बाइडन की सकारात्मक छवि के लिए काम करती हैं जिल

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, जिल हमेशा गर्मजोशी से पेश आती हैं और अपने पति की सकारात्मक छवि के लिए अधिक से अधिक काम करती हैं। बाइडन जब भी कभी कठोर होने लगते हैं तो जिल उनका हाथ थाम लेती हैं और उनका हौसला बढ़ाती हैं। जिल हमेशा बाइडन के सामने आने वाली चुनौतियों में उनका मार्गदर्शन करती हैं।

बाइडन जिल को बताते हैं गोंद

एक कार्यक्रम में बाइडन ने पत्नी जिल के बारे में कहा था कि वे एक गोंद हैं, उन्होंने मेरे परिवार को साथ रखा है। मैं जब उनसे पहली बार मिला था मैं तब ही उनसे शादी करना चाहता था। बाइडन ने बताया था कि पहली बार मैंने उन्हें एक विज्ञापन में देखा था। मैंने उन्हें शादी के लिए पांच बार पूछा था, तब जाकर कहीं जिल शादी के लिए मानी थीं।

जी-7 सम्मेलन में रूस पर नए प्रतिबंध लगाएगा अमेरिका, किर्बी बोले- यूक्रेन को लाभ पहुंचाना उद्देश्य

वॉशिंगटन, 12 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिका ने रूस पर दबाव बनाने और यूक्रेन को फायदा पहुंचाने की तैयारी कर ली है। इस सप्ताह इटली में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिका रूस पर नए प्रतिबंधों की घोषणा करेगा। व्हाइट हाउस ने कहा कि सम्मेलन में यूक्रेन पर मॉस्को के आक्रमण के कारण नए प्रतिबंधों और निर्यात की नियंत्रणों की भी घोषणा की जाएगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने पत्रकार वार्ता की। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि यूक्रेन को लाभ पहुंचाने के लिए अमेरिका रूस की जब्त संपत्तियों के उपयोग के लिए नए कदमों की घोषणा करेगा। कहा, जी-7 सम्मेलन के दौरान रूसी केंद्रीय बैंक की 300 बिलियन यूरो (325 बिलियन डॉलर) की परिसंपत्तियों पर ब्याज से होने वाले लाभ का उपयोग कीव की मदद करने के लिए समझौता किया जाएगा। उन्हें आशा है कि जी-7 के नेता इस समझौते के लिए सहमत हो जाएंगे।

ऋण कौन जारी करेगा, इस बात पर चल रही बहस

किर्बी ने कहा कि इस बात पर विचार किया जा रहा है कि 50 बिलियन डॉलर तक के ऋण के लिए संपाश्विक (ऋणदाता को पुनर्भुगतान की गारंटी के रूप में प्रदान की गई कोई चीज) के रूप में उपयोग किया जाए। हालांकि अभी इस बात पर बहस चल रही है कि ऋण कौन जारी करेगा। उन्होंने कहा कि नए प्रतिबंधों और निर्यात नियंत्रण की कार्रवाईयों का एक प्रभावशाली सेट घोषित किया जाएगा।

वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक चर्चा में भाग लेंगे। इस दौरान वह पश्चिमी सहयोगियों से यूक्रेन के लिए और अधिक मदद के लिए दबाव डालेंगे। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध को तीसरा साल लग चुका है। 24 फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमले शुरू किए थे। जिसके बाद से दोनों देशों में जंग जारी है। इस जंग में अब तक लाखों लोगों की मौत हो चुकी है।

विदेश मंत्रियों की बैठक में आतंक पर शून्य सहिष्णुता का आह्वान, दोहरे मापदंड खारिज

मॉस्को, 12 जून (एजेंसियां) ।

ब्रिक्स देशों के समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक रूस में आयोजित हुई। जहां समूह के विदेश मंत्रियों ने आतंक पर शून्य सहिष्णुता का आह्वान करते हुए इसकी निंदा की। इस दौरान सीमा पार आतंकवाद और इसके सभी रूपों से लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि भी की गई। ब्रिक्स देशों के समूह के विदेश मंत्रियों ने आतंक पर शून्य सहिष्णुता का आह्वान करते हुए इसकी निंदा की। इस दौरान सीमा पार आतंकवाद और इसके सभी रूपों से लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि भी की गई। बैठक में आतंकवाद के वित्तपोषण और सुरक्षित पनाहगाहों को भी समाप्त करने के उपाय तेज करने का भी फैसला किया गया। ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का दो दिवसीय सम्मेलन रूस के निझनी नोवगोरोद में शुरू हुआ था। इसमें इसके 10 सदस्य ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्त्र, ईरान, यूएई, सऊदी अरब और इथियोपिया भाग ले रहे हैं। विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) दम्मू रवि ने बैठक में भारतीय पक्ष का नेतृत्व किया। विस्तारित बैठक में

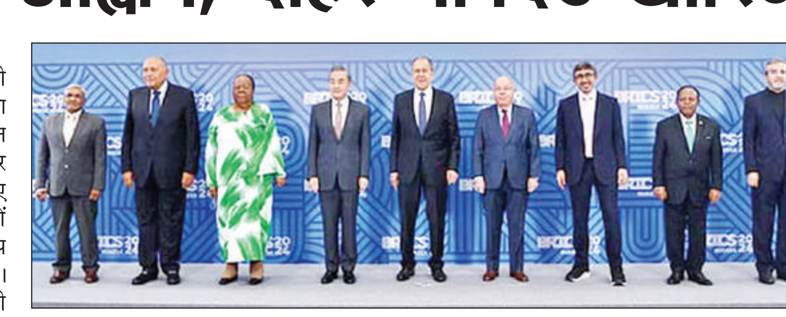

रूस की ओर से आमंत्रित 15 देशों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों ने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए दोहरे मानकों को खारिज कर दिया।

उन्होंने आतंक से लड़ने में देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी तय करने व उससे निपटने के लिए प्रयासों पर जोर दिया। आतंकवाद को धर्म और राष्ट्रीयता के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने जोर दिया कि आतंकवाद को किसी भी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जाना चाहिए और आतंकवादी गतिविधियों और उनके समर्थन में शामिल सभी लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार इसके जिम्मेदार लोगों को कानून के शिकंजे में लाया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर कन्वेंशन को अंतिम रूप देने का आह्वान नेताओं ने ब्रिक्स आतंकवाद रोधी कार्य समूह, ब्रिक्स आतंक रोधी रणनीति और ब्रिक्स आतंक रोधी कार्य योजना पर आधारित उसके पांच उपसमूहों की गतिविधियों एवं कार्रवाइयों का स्वागत किया।

योग दुनिया के लिए भारत के सबसे बड़े उपहारों में से, नॉर्वे की राजदूत ने की पीएम मोदी के कदम की सराहना

ओस्लो, 12 जून (एजेंसियां) ।

पीएम मोदी ने हाल ही में कहा था कि दुनिया योग के 10वें अंतर्राष्ट्रीय दिवस को मनाने के लिए तैयार है। इसी का जवाब देते हुए राजदूत स्टीनर ने योग करते हुए तस्वीरें साझा कीं।

योगा ही है जो स्वस्थ जीवन जीने का प्रमुख आधार है। भारत तो आदिकाल से प्रकृति की इस खूबी से परिचित था, लेकिन 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे एक मिशन बना दिया। उनके प्रयासों के कारण ही अब 21 जून को हर साल अंतरराष्टीय योग दिवस मनाया जाता है। उन्होंने न सिर्फ देशवासियों को बल्कि दुनिया भर के लाखों लोगों को योग करने के लिए प्रेरित किया। इसी को लेकर नॉर्वे की राजदूत मेय एलिन स्टीनर ने भारत की सराहना की है। उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया को सबसे बड़ा उपहार दिया है वो है योग।

पीएम मोदी का पोस्ट

दरअसल, पीएम मोदी ने हाल ही में सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि अब से 10 दिन बाद दुनिया योग के 10वें अंतर्राष्ट्रीय दिवस को मनाने के लिए तैयार है। योग ने सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार कर लिया है, समग्र कल्याण की खोज में दुनिया भर में लाखों लोगों को एकजुट किया है।

राजदूत ने दिया यह जवाब

राजदूत स्टीनर ने पीएम के इसी पोस्ट का जवाब देते हुए यह बात कही। साथ ही उन्होंने योगा करते हुए अपनी तस्वीरें और वीडियो भी साझा किया। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूरी तरह सहमत हूं। योग दुनिया के लिए भारत के सबसे बड़े उपहारों में से एक है। जब संयुक्त राष्ट्र संघ ने योग को लेकर बढ़ावा दिया तो मैंने शीर्षासन करने का लक्ष्य रखा। क्या आप मेरे साथ हो यह अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है, तो चलो योग चैलेंज करते हैं!

पीएम मोदी ने लोगों से योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का आह्वान किया। उन्होंने एक्स पर विभिन्न आसनों का वीडियो भी साझा किया। इस वीडियो में योग के लाभ बताए गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पीएम ने दिया था प्रस्ताव

27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए अपने संबोधन में पीएम नरेंद्र मोदी ने 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव दिया था। पीएम मोदी ने कहा था कि योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है, मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य है। विचार, संयम और पूर्ति प्रदान करने वाला है तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी प्रदान करने वाला है, तो आएं एक अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को गोद लेने की दिशा में काम करते हैं।

तीन माह में पारित हो गया था प्रस्ताव

प्रस्ताव के बाद 11 दिसंबर 2014 को 130 देशों ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के तत्कालीन राजदूत अशोक मुखर्जी ने उस वक्त बताया था कि भारत के प्रस्ताव पर 130 देशों का समर्थन अपने आप में एक कीर्तिमान है, तीन माह के अंदर इस प्रस्ताव को पारित कर दिया गया। यह भी संयुक्त राष्ट्र की ओर से पारित किए गए प्रस्तावों में सबसे कम समय लेने वाला है, खास बात ये है कि प्रस्ताव के पारित होते वक्त समर्थन करने वाले देशों की संख्या 130 से बढ़कर 177 हो गई थी।

34 गेंदों में मैच खत्म, नामीबिया टीम को होना पड़ा शर्मशार

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 24वें मैच में नामीबिया को विशाल अंतर से पटखनी दी। एंटीगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 17 ओवर में 72 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने केवल 34 गेंदों में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह ऑस्ट्रेलिया की मौजूदा टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत रही और उसने सुपर-8 में एंट्री कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के अलावा केवल दक्षिण अफ्रीका की सुपर-8 में जगह पक्की कर पाया है। वैसे, ऑस्ट्रेलिया और नामीबिया के बीच मुकाबला रिकॉर्ड्स के नजरिये से यादगार बन गया है। कंगारू टीम ने केवल 34 गेंदों में मैच खत्म करके रिकॉर्ड्स बुक को हिलाया। ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जंपा का सुपरहिट शो रहा। चलिए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पावरप्ले के अंदर लक्ष्य हासिल किया। वो आईसीसी की दूसरी पूर्ण सदस्य टीम बन गई है, जिसने पावरप्ले के अंदर लक्ष्य हासिल करके मैच खत्म किया। इससे पहले श्रीलंका ने 2014 में नीदरलैंड्स को पावरप्ले के अंदर लक्ष्य हासिल करके मात दी थी। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में गेंद बचने के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। सबसे ज्यादा गेंद शेष रहते हुए जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम दर्ज है, जिसने 2014 में नीदरलैंड्स के खिलाफ 90 गेंदें शेष रहते मैच जीता था। एडम जंपा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 100 शिकार पूरे किए। जंपा टी20आई में 100 विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने। वो टी20 में 100 विकेट लेने वाले दुनिया के 15वें गेंदबाज और छह में से एक लेग स्पिनर बने। एडम जंपा टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने। जंपा ने टी20 वर्ल्ड कप में अब तक 31 विकेट चटकाए। उन्होंने मिचेल स्टार्क (29) को पछाड़ा। एडम जंपा ने पांचवीं बार टी20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड लेकर खास क्लब में एंट्री की। जंपा अब महेला जयवर्धने, क्रिस गेल और शेन वॉटसन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर काबिज हो गए हैं। टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड विराट कोहली (7 बार) के नाम दर्ज है। नामीबिया ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना सबसे छोटा स्कोर बनाया। इससे पहले उनका सबसे छोटा स्कोर श्रीलंका के खिलाफ 2021 टी20 वर्ल्ड कप में 96 रन था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नामीबिया सबसे कम स्कोर पर ऑलआउट होने वाली टीम बन गई है। इससे पहले 2021 टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को ऑस्ट्रेलिया ने 73 रन पर समेटा था। नामीबिया के कप्तान गरहार्ड इरासमस के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ। इरासमस ने 17 गेंदों के बाद खाता खोला। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा गेंदों के बाद खाता खोलने का अनचाहा रिकॉर्ड इरासमस के नाम दर्ज हो गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड केन्या के तन्मय मिश्रा के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2007 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 गेंदों के बाद अपना खाता खोला था।

न्यूज ब्रीफ

टी20 विश्व कप में अबतक हावी रहे हैं गेंदबाज

न्यूयार्क । अमेरिका में पहली बार खेले जा रहे आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में अब तक गेंदबाज हावी रहे हैं। यहां तक कि टीम की जीत भी गेंदबाज ही तय कर रहे हैं। अभी तक केवल ऑस्ट्रेलियाई टीम ही यहां 200 के आंकड़े तक पहुंच पायी है। वहीं अधिकतर टीम 150 रनों के अंदर ही सिमटी हैं। अभी तक खेले गये 21 लीग मुकाबलों में गेंदबाज इस तरह हावी रहे कि कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया है। फिर चाहे सामने कमजोर टीम हो या बराबरी के स्तर वाली। सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में अफगानिस्तान के गेंदबाज फजलहक फारुकी दो मैचों में नौ विकेट लेकर सबसे आगे चल रहे है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्खिया तीन मैचों में नौ रन प्रति ओवर की औसत के साथ आठ विकेट लेकर दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दो मैचों में सात की औसत से छह विकेट के साथ तीसरे, चौथे स्थान पर अफगानिस्तान के राशिद खान दो मैचों में आठ रन की औसत के साथ छह विकेट लिये है। ओमान के मेहरान खान तीन मैच आठ रन प्रति ओवर की औसत से छह विकेट पांचवें स्थान पर है। वहीं भारत के जसप्रीत बुमराह दो मैच में 8.40 की औसत से छह विकेट लेकर छठें स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका के ओट्टनील बाटमैंन तीन मैच 14.40 के साथ पांच विकेट के साथ सातवें स्थान पर है। श्रीलंका के नुवान तुषारा और नीदरलैंड के लोगन वैन वीक दो मैच में 8.40 की औसत से पांच-पांच विकेट के साथ संयुक्त रुप से आठवें और नौवें स्थान पर है। युगांडा के ब्रायन मसाबा तीन मैच 14.40 की औसत के साथ पांच विकेट लेकर दसवें स्थान पर है।

पूर्व भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी और कोच टी के चथुन्नी का निधन, 79 की आयु में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी और कोच टी के चथुन्नी का बुधवार सुबह केरल के निजी अस्पताल में निधन हो गया। 79 वर्षीय आयु में दिग्गज ने अंतिम सांस ली। वह कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। डिफेंडर के तौर पर प्रतिष्ठित संतोष ट्रॉफी में केरल और गोवा के लिए खेलने वाले चथुन्नी भारतीय फुटबॉल के बेहतरीन कोचों में से एक थे। अपने खेल करियर के बाद चथुन्नी ने कोचिंग की ओर रुख किया। 40 से अधिक वर्षों तक खेल पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। उन्होंने मोहन बागान, डेम्पो गोवा और एफसी कोचीन सहित कई प्रसिद्ध टीमों को कोचिंग दी। फुटबॉल माई सोल नामक आत्मकथा लिखी 1979 में वे केरल की संतोष ट्रॉफी टीम के कोच बने। चथुन्नी ने फुटबॉल माई सोल नामक एक आत्मकथा भी लिखी, जिसमें उन्होंने फुटबॉल से उनके जीवन और करियर पर होने वाले प्रभाव के विषय में लिखा। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने याद किया कि चथुन्नी चार दशकों तक खिलाड़ी और कोच के रूप में सक्रिय रहे। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और वी डी सतीसन ने जताया शोक वहीं, चथुन्नी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने कहा, जब भारतीय फुटबॉल का इतिहास बताया जाएगा, तो चथुन्नी सबसे आगे रहेंगे।

अल्कारेज ने एफिल टॉवर का टैटू बनवाया

पेरिस । फ्रैंच ओपन खिताब जीतने से उत्साहित स्पेन के कार्लोस अल्कारेज का लक्ष्य अब एक जुलाई से विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के लिए अभ्यास करना रहेगा हालांकि अभी वह ग्रैंड स्लैम खिताबों का जश्न मनाने में लगे हैं। इसी के तहत ही उन्होंने अपनी पहली फ्रेंच ओपन चैंपियनशिप जीतने की तारीख और एफिल टॉवर का टैटू बनाया है। रोला गैरा की जीत को याद रखने के लिए अल्कारेज ने ये टैटू बाएं टखने के पास बनवाया है। उनके टखने पर पहले से ही 2023 विंबलडन जीत की तारीख और एक स्ट्रॉबेरी की छवि बनी है। उनके बाएं हाथ पर उनकी पहली ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी की तारीख है जो 2022 अमेरिकी ओपन में आई थी। अल्कारेज जिस गति से आगे बढ़ रहे हैं उससे ऐसा लगा है कि आने वाले समय में उनके पास टूटू के लिए जगह कम पड़ जाएगी। उन्होंने हालांकि कहा है वह अपने करियर के बाकी समय में हर ग्रैंडस्लैम जीत की तारीख अपने शरीर पर नहीं लिखेंगे। इसकी जगह वह सबसे अहम टूर्नामेंट में से प्रत्येक के पहले खिताब की तारीखों तक ही सीमित रहेंगे। इसका मतलब है कि वह अब केवल ऑस्ट्रेलिया ओपन की तारीख अंकित करवाएंगे। 21 साल के अल्कारेज क्ले, ग्रास और हार्ड कोर्ट पर ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी हैं। इसके अलावा वह 19 साल की उम्र में एटीपी रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने थे।उन्होंने कहा, ''मेरा खेल हर सतह के अनुकूल है क्योंकि मैं उसका अभ्यास करता रहता हूं।'' उन्होंने सबसे पहले क्ले कोर्ट पर खेल सीखा।

अमेरिका को सात विकेट से रौंदकर भारत सुपर आठ में

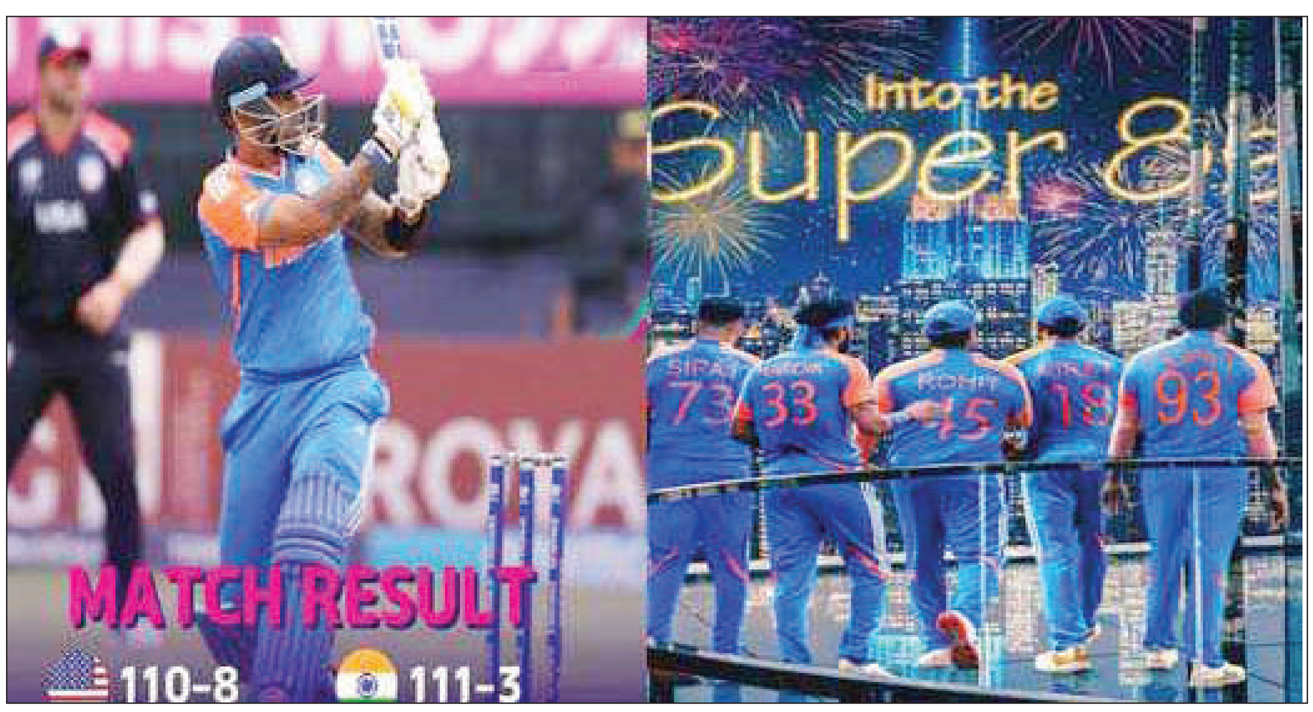

न्यूयॉर्क, 12 जून (एजेंसियां)। अर्शदीप के नौ रन पर चार विकेट के बाद सूर्यकुमार यादव नाबाद (50) और शिवम दुबे नाबाद (31) रनों की जुझारु पारियों के दम पर भारत ने बुधवार को टी-20 विश्वकप के 25वें मुकाबले में अमेरिका को सात विकेट से हराकर सुपर आठ में पहुंच गया।

111 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारत ने 15 के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिये थे। विराट कोहली (शून्य) रोहित शर्मा (3) रन बनाकर आउट हुए। दोनों बल्लेबाजों को सौरभ नेत्रवलकर ने आउट किया। आठवें ओवर में तीसरे विकेट के रूप में ऋषभ पंत (18) रन बनाकर आउट हुए उन्हें अली ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे ने पारी को संभाला और टीम को जिताकर दम लिया। सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद (50) रनों की पारी खेली।

वहीं शिवम दुबे ने नाबाद 31 रन बनाये। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिये 67 रनों की साझेदारी हुई। भारत ने 18.2 ओवर में तीन विकेट पर 111 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया।

अमेरिका की ओर से सौरभ नेत्रवलकर ने दो विकेट लिये। अली खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले नितीश कुमार (27) और स्टीवन टेलर (24) की पारियों के दम पर अमेरिका ने भारत को जीत के लिए 111 रनों का लक्ष्य दिया था। नैसो काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अमेरिका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओर में तीन रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। शयन जहांगीर (शून्य), ऐंड्रियस गौस (2) अर्शदीप सिंह का शिकार बने। उसके बाद स्टीवन टेलर और कप्तान ऐरन जोंस ने पारी को संभालने का प्रयास किया। आठवें ओवर में हार्दिक पांड्या ने ऐरन जोंस (11) को आउट कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। नितीश कुमार ने 23 गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाते हुए सर्वाधिक 27 रनों की पारी खेली। उन्हें अर्शदीप सिंह ने मोहम्मद सिराज के हाथों कैच आउट कराया। कोरी एंडरसन (15), हरमीत सिंह (10) और जसदीप (2) रन बनाकर आउट हुए। शैडली वान शाल्कविक (11) रन बनाकर नाबाद रहे। अमेरिका ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 110 रन का स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने नौ रन देकर चार विकेट लिये। हार्दिक पांड्या ने 14 रन देकर दो बल्लेबाजों को आउट किया। अक्षर पटेल को एक विकेट मिला।

दुनिया में रोनाल्डो जितना खतरनाक कोई खिलाड़ी नहीं:सुनील छेत्री

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां) ।

यूरो कप 2024 नजदीक है और पिछले दो दशकों की तरह इस बार भी सबकी नजरें क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर होंगी, जो पुर्तगाल के सबसे महान खिलाड़ी हैं। 39 वर्षीय खिलाड़ी ने नवंबर 2023 के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय गोल नहीं किया है। इतना ही नहीं उन्हें युवा स्ट्राइकर गोंकालो रामोस ने कई बार टीम में रिप्लेस भी किया। टूर्नामेंट से पहले, भारत के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर और भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने एक खास बातचीत में टीम में रोनाल्डो की भूमिका और महत्व के बारे में बात की। छेत्री ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रोनाल्डो अधिक से अधिक मैच खेलेंगे। मैं उन्हें खेलते हुए देखना पसंद करूंगा। हो सकता है कि वह उतनी तेजी से टर्नअराउंड न कर पाएं और डिफेंसिव न खेल पाएं, लेकिन एक बार लय में आने के बाद उनके जैसा खतरनाक खिलाड़ी कोई नहीं है। पुर्तगाल की टीम सितारों से सजी है। वे गेंद को अपने पास रखने में बहुत अच्छे हैं, अधिकतर वे विरोधी टीम पर हावी रहते हैं। उनके पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसलिए वे रोनाल्डो को बेंच पर रख सकते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने आगे कहा, मुझे पूरा यकीन है कि कोच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का चयन करेगा, लेकिन रोनाल्डो का होना हमेशा टीम को बढ़त देता है। वो एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैदान पर जब भी मौका मिलता है तो उस मौके को गोल में तब्दील करने का माद्दा रखते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि एक प्रशंसक के तौर पर, जिसने पिछले 20 सालों में उनसे बहुत कुछ सीखा है, मुझे उम्मीद है कि हम उन्हें मैदान पर और भी ज्यादा समय तक देख पाएंगे। छेत्री यूईएफए यूरो 2024 के लिए सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के स्टूडियो शो फुटबॉल एक्स्ट्रा में विशेषज्ञ पैनलिस्ट हैं। यूईएफए यूरो 2024 को 15 जून, दोपहर 12:30 बजे से सोनी स्पोर्ट्स टेन 2 एसडी और एचडी, सोनी स्पोर्ट्स टेन 3 एसडी और एचडी (हिंदी), सोनी स्पोर्ट्स टेन 4 एसडी और एचडी (तमिल / तेलुगु), सोनी स्पोर्ट्स टेन 5 एसडी और एचडी (मलयालम / बंगाली) पर लाइव देख सकते हैं।

हरभजन सिंह के गुस्से से कामरान अकमल को हुआ अपनी गलती का एहसास, माफी मांगते हुए कही अपनी दिल की बात

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और सिख संप्रदाय के लिए दिए विवादास्पद बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। अकमल के बयान पर काफी बवाल मचा था। याद दिला दें कि पाकिस्तान के एक टीवी चैनल पर बतौर पेनलिस्ट शामिल कामरान अकमल ने अर्शदीप सिंह को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद उन्हें काफी खरी-खरी सुननी पड़ी थी।

टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कामरान अकमल को जमकर लताड़ लगाई थी। पता हो कि अकमल ने कहा था, कुछ भी हो सकता है। 12 बज गए हैं। यह वीडियो रिपोस्ट करते हुए हरभजन सिंह ने पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज को जमकर सुनाई थी। दरअसल, कामरान अकमल की यह टिप्पणी सिख संप्रदाय के प्रति अपमानजनक थी। भज्जी के गुस्से के बाद कामरान अकमल को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर माफी मांगी। अकमल ने ट्वीट किया, मुझे

अपनी हालिया टिप्पणियों पर गहरा खेद है और मैं ईमानदारी से हरभजन सिंह और सिख संप्रदाय से माफी मांगता हूं। मेरे शब्द अनुचित और अपमानजनक थे। मैं दुनिया भर के सिखों का अत्यंत सम्मान करता हूं और मेरा इरादा कभी किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था। मैं सचमुच क्षमा चाहता हूं।

ससम्मान समाफी। बता दें कि अर्शदीप सिंह ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 19वें मुकाबले में आखिरी ओवर डाला था। पाकिस्तान को जीत के लिए 18 रन की दरकार थी। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए केवल 11 रन खर्च किए और भारत को रोमांचकारी मुकाबले में 6 रन से जीत दिलाई। पाकिस्तान का इस हार के बाद सुपर-8 में पहुंचना मुश्किल हो गया है।

बारिश की भेंट चढ़ा नेपाल और श्रीलंका का मैच

लॉडरहिल, 12 जून (एजेंसियां) ।

नेपाल और श्रीलंका के बीच टी20 विश्व कप ग्रुप डी का मैच फ्लोरिडा में खराब मौसम के कारण रद्द कर दिया गया। बारिश की वजह से मैच का टॉस भी नहीं हो सका। इसके बाद दोनों टीमों को 1-1 अंक मिला।

अंक मिलने से दोनों ही टीमों का विश्व कप 2024 में खाता खुल गया है लेकिन श्रीलंका को इससे बड़ा झटका लगा है, क्योंकि इस मुकाबले को जीतकर 2 अंक हासिल करना उसके लिए बेहद जरूरी था। मैच के रद्द होने के कारण ग्रुप-डी के समीकरण में भी सस्पेंस बढ़ गया है।

इस ग्रुप में उसके अलावा दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, नीदरलैंड और नेपाल की टीम शामिल है।

आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, टूर्नामेंट अधिकारियों ने फ्लोरिडा के लॉडरहिल में भारी बारिश और बाढ़ की चेतावनी के बाद यह निर्णय लिया, जहां आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में उनका पहला मैच होना था।

मैच रद्द होने के कारण, श्रीलंका की सुपर आठ चरण में आगे बढ़ने की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी हैं, जबकि नेपाल के क्वालीफिकेशन की संभावना भी कम हैं। फिलहाल टूर्नामेंट में दोनों टीमें अभी भी अपनी पहली जीत की तलाश में हैं।

वर्तमान में ग्रुप डी में शीर्ष पर चल रहे दक्षिण अफ्रीका ने सुपर आठ में जगह पक्की कर ली है। तीन मैच खेलने के बाद से श्रीलंका के पास केवल एक अंक है, ऐसे में उनका सुपर-8 में पहुंचना आसान नहीं होने वाला।

श्रीलंका अपने अंतिम ग्रुप मैच में 17 जून को नीदरलैंड से भिड़ेगी। जबकि नेपाल को 15 जून को दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला महत्वपूर्ण है और यहां हारने का मतलब टूर्नामेंट में उनका सफर खत्म होना है।

श्रीलंका को अगले चरण के लिए क्वालीफाई करना है तो उसे दुआ करनी होगी कि 13 जून को किंग्सटाउन में बांग्लादेश बनाम नीदरलैंड मैच भी बारिश के कारण रद्द हो जाए। इसके बाद, उसे अपने अंतिम ग्रुप मैच में नीदरलैंड को हराना होगा। या यूं कह लीजिए टीम का आगे का सफर बाकी टीमों के मुकाबलों पर निर्भर करेगा।

दूसरी ओर, नेपाल तब भी क्वालीफाई कर सकता है, यदि वह अपने अंतिम दो मैचों में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ महत्वपूर्ण जीत हासिल कर ले, या नीदरलैंड अपने शेष दोनों मैच हार जाए।

12 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज

2012 में सुपर ओवर में जीती थी वेस्टइंडीज, आंकड़ों में न्यूजीलैंड का पलड़ा भारी

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां) ।

1 अक्टूबर 2012, टी-20 वर्ल्ड कप में पहली बार न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज आमने-सामने थीं। वेस्टइंडीज ने सुपर ओवर में एक तरफा जीत रही न्यूजीलैंड को हराया और फिर आगे जाकर सीजन की चैंपियन बनी। यही दोनों टीमें अपने दूसरा टी-20 वर्ल्ड कप मैच सुबह 6 बजे त्रिनिदाद में खेलेंगी। 12 साल पहले हुए उस मुकाबले में श्रीलंका के पल्लेकेले स्टेडियम पर वेस्टइंडीज दूसरे ओवर से ही विकेट गंवाती चली गई और 3 गेंद बाकी रहते 139 रन पर ही बिखर गई। डग ब्रेसवेल और टिम सऊदी 3-3 विकेट लेने में कामयाब रहे। जवाब में न्यूजीलैंड की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रॉब निकोल 3 रन पर ही चलते बने। सुनील नरेन की फिरकी के सामने चौथे नंबर पर आए रॉस टेलर ने

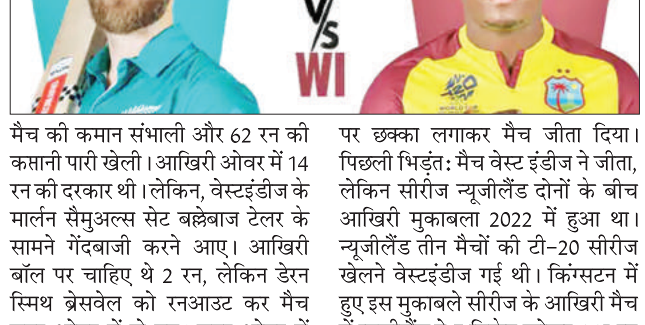

मैच की कमान संभाली और 62 रन की कप्तानी पारी खेली। आखिरी ओवर में 14 रन की दरकार थी। लेकिन, वेस्टइंडीज के मार्लन सैमुअल्स सेट बल्लेबाज टेलर के सामने गेंदबाजी करने आए। आखिरी बॉल पर चाहिए थे 2 रन, लेकिन डेरन स्मिथ ब्रेसवेल को रनआउट कर मैच सुपर ओवर में ले गए। सुपर ओवर में न्यूजीलैंड ने 18 रन का टारगेट दिया और एक बार फिर सैमुअल्स ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर मैच जीता दिया। पिछली भिड़ंत: मैच वेस्ट इंडीज ने जीता, लेकिन सीरीज न्यूजीलैंड दोनों के बीच आखिरी मुकाबला 2022 में हुआ था। न्यूजीलैंड तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलने वेस्टइंडीज गई थी। किंग्सटन में हुए इस मुकाबले सीरीज के आखिरी मैच में न्यूजीलैंड ने 7 विकेट खोकर 145 रन का टारगेट दिया था। जवाब में विंडीज के ब्रूक्स और ब्रैंडन किंग ने 102 रन की साझेदारी कर 8 विकेट से आसान जीत दर्ज की थी। हालांकि, सीरीज 2-1 से न्यूजीलैंड के नाम रही था। वेस्टइंडीज के पूरन टी-20 के टॉप स्कोरर केन विलियमसन- न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन एक्टिव खिलाड़ियों में टॉपस्कोरर हैं। उन्होंने 90 मैच में 2556 रन बनाए हैं। इस साल हुए तीन मुकाबलों में उन्होंने 92 रन बनाए हैं। लॉकी फर्ग्यूसन - तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने अफगानिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में मोहम्मद नबी का विकेट लिया था। वह अभी तक 39 मुकाबलों में 7.50 की इकोनॉमी से गेंदबाजी कर 55 विकेट झटके हैं। आंद्रे रसेल - वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने कुल 77 मुकाबलों में रन बनाए हैं। वहीं, गेंद से भी रसेल ने कुल 52 विकेट लिए हैं। अकील होसेन- अकील होसेन टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज की ओर से 5 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपने कुल 52 मुकाबलों में 7.50 की इकोनॉमी से गेंदबाजी कर 46 विकेट लिए हैं। इस मैच की अहमियत - ग्रुप सी में अफगानिस्तान बेहद शानदार प्रदर्शन कर रही है। न्यूजीलैंड अपना पहला मुकाबला अफगानिस्तान से हार चुकी है और टेबल में आखिरी स्थान पर है। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम अपने दोनों मुकाबले जीती है। ऐसे में रेस में बने रहने के लिए न्यूजीलैंड इस मैच को जीतना चाहेगी। वहीं, मेजबान वेस्टइंडीज जीत के साथ अपनी दावेदारी मजबूत करना चाहेगी। तब भी रसेल और साउदी थे, अब भी हैं 12 साल पहले टी-20 वर्ल्ड कप वेस्टइंडीज की ओर से आंद्रे रसेल और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी टीम में थे। उस रोमांचक मुकाबले में आंद्रे रसेल के बल्ले से महज 6 रन आए थे। लेकिन, दिग्गज टिम साउदी ने सुनील नरेन, कप्तान डेरन सैमी और क्रिस गेल के विकेट लिए थे। अब इस बार भी दोनों खिलाड़ी आमने-सामने हो सकते हैं।

पॉसिबल प्लेइंग इलेवन

न्यूजीलैंड : केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, डेवोन कॉन्वे (विकेट कीपर), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमन, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सेंटनर, मैट हेनरी, ट्रेंट बोल्ट और लॉकी फर्ग्यूसन।

वेस्टइंडीज : रोवमेन पॉवेल (कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, ब्रैंडन किंग, रोस्टन चेज, निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, शेरफेन रदरफोर्ड, आंद्रे रसेल, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, गुडाकेश मोती।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

जुलाई में आएगा पूर्ण बजट! सरकारी नौकरीपेशा और महिलाओं के लिए खुलेगा खजाना

नई दिल्ली,12 जून (एजेंसियां) । मोदी 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट जुलाई के पहले या तीसरे सप्ताह में आ सकता है। पहले पूर्ण बजट में महिलाओं-किसानों और युवाओं के लिए सरकार खजाना खोल सकती है। युवाओं के लिए रोजगार बढ़ाने के नए उपाय बजट में दिखाई दे सकते हैं, तो महिलाओं को लखपति बनाने की भाजपा की योजना को आगे बढ़ाने के लिए सरकार भारी निवेश की घोषणा कर सकती है। केंद्र सरकार ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के इलाज के लिए बड़ी घोषणा भी कर सकती है। इसके लिए एक माह का सत्र बुलाया जा सकता है। चुनावी वर्ष होने के कारण फरवरी माह में सरकार ने अंतरिम बजट पेश किया था जिसमें किसी बड़ी घोषणा से दूरी बरती गई थी।

रोजगार के मोर्चे पर सबसे अहम प्रयास

केंद्र सरकार के लिए आने वाले वर्षों में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना सबसे बड़ी चुनौती रहने वाला है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार एक बार फिर सड़क परिवहन, बंदरगाह, रेल, विभिन्न शहरों में मेट्रो, मोनोरेल और हवाई अड्डों के विकास को अपनी प्राथमिकता में रख सकती है। स्टार्टअप और स्किल इंडिया के विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए विकास देना सरकार की प्राथमिकता रह सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, आयकर छूट की सीमा पहले ही काफी अधिक है, लिहाजा इसे और ज्यादा बढ़ने की संभावना नहीं है। लेकिन सरकारी नौकरी पेशा लोगों की बचत बढ़ाने के लिए जीवन बीमा निगम और शेयर बाजार सहित विभिन्न योजनाओं में निवेश के बाद उन्हें और ज्यादा टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है।

ग्रीन बजट पर रहेगा जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के एक करोड़ घरों पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इसके लिए केंद्रीय बजट में बड़े निवेश की घोषणा की जा सकती है। इससे सौर ऊर्जा सेक्टर में तेजी आ सकती है, तो लोगों को स्वच्छ हरित ऊर्जा प्राप्त करने में भी मदद मिल सकती है। इसी साल हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसका असर भी केंद्र सरकार के पूर्ण बजट पर दिखाई दे सकता है।

बड़े निवेश से अर्थव्यवस्था को मिलेगी तेज रफ्तार आर्थिक मामलों के जानकार डॉ. नागेंद्र कुमार शर्मा ने अमर उजाला से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही गरीबों के लिए तीन करोड़ नए मकान बनाने की घोषणा कर दी है। पहले पूर्ण बजट में इस योजना के लिए भारी धनराशि जारी की जा सकती है। इस राशि के बाजार में आने से सीमेंट, स्टील, पेंट्स, ईंट, वाहन, फर्नीचर सहित लगभग 50 क्षेत्रों में तेजी आ सकती है।

चूंकि, केंद्र सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण इलाकों में गरीबों को आवास उपलब्ध कराने की अधिक है, लिहाजा इस योजना का अधिकतम हिस्सा ग्रामीण इलाकों में जा सकता है। इससे ग्रामीण इलाकों में रोजगार के निर्माण में मदद मिलेगी। विशेषकर आदिवासी बहुल इलाकों में गरीबों को आवास देना सरकार की प्राथमिकता में रह सकता है।

न्यूज ब्रीफ

नौकरी से निकाला तो कुछ ऐसे लिया कंपनी से बदला, प्रोग्रामिंग सीख कंपनी के 180 सर्वर किए ठप

सिंगापुर । एक भारतीय को दो साल छह महीने की जेल हुई। उसने अनाधिकृत तरीके से 180 वर्चुअल सर्वर को नष्ट किया था, जिस कारण से उसके नियोक्ता को 918,000 सिंगापुरी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा। 39 वर्षीय कंदुला नागराजू को सजा सुनाई गई। इससे पहले भी अक्तूबर 2022 को एनसीएस ने उसे खराब प्रदर्शन के कारण निकाल दिया था। जिसके बाद 16 नवंबर 2022 को उसकी नौकरी चली गई। नवंबर 2021 और अक्तूबर 2022 में कंदुला एनसीएस में गुणवत्ता आश्वासन कंप्यूटर सिस्टम का प्रबंधन करने वाली 20-सदस्यीय टीम का हिस्सा था। यह सूचना संचार और प्रौद्योगिकी सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी है। कंदुला की पूर्व टीम जिस सिस्टम का प्रबंधन कर रही थी, उसका इस्तेमाल लॉन्च से पहले नए सॉफ्टवेयर और प्रोग्राम का परीक्षण करने के लिए किया जाता था। इसमें 180 वर्चुअल सर्वर शामिल थे। उन पर कोई संवेदनशील जानकारी नहीं थी। एक मीडिया रिपोर्ट की मानें तो अदालती कागजों के अनुसार कंदुला को नौकरी के निकालने के बाद वह काफी परेशान था। उसे लगता था कि उसका प्रदर्शन अच्छा है, अपनी नौकरी के दौरान उसने अच्छा योगदान किया। लेकिन निकाले जाने के बाद उसके पास कोई अन्य नौकरी नहीं थी, वह भारत लौट आया। जहां से उसने अपने लैपटॉप का इस्तेमाल करके एडमिनिस्ट्रेटर लॉगिन क्रेडेंशियन के इस्तेमाल से सिस्टम पर अनाधिकृत रूप से कब्जा किया। पिछले साल 6 जनवरी से 17 जनवरी के बीच छह बार उसने यही किया। वहीं फरवरी में एक नौकरी की तलाश में सिंगापुर वापस लौटा। उसने एक पूर्व एनसीएस सहकर्मी से एक किराए पर कमरा लिया।

सेज से निर्यात चार फीसदी बढ़कर 164 अरब डॉलर पहुंचा, देश के कुल एक्सपोर्ट में 3 प्रतिशत से अधिक गिरावट

नई दिल्ली । देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) से निर्यात 2023-24 में सालाना आधार पर 4.10 फीसदी बढ़कर 163.69 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, इस अवधि में देश के कुल निर्यात में तीन फीसदी से अधिक गिरावट दर्ज की गई। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, सेज से 2022-23 में 157.24 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। 2021-22 में यह आंकड़ा 133 अरब डॉलर रहा था। मंत्रालय के मुताबिक, सेज से जिन देशों को सर्वाधिक निर्यात किया गया, उनमें संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर शामिल हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्र प्रमुख निर्यात केंद्र हैं, जिन्होंने पिछले वित्त वर्ष में देश के कुल निर्यात में एक-तिहाई से अधिक का योगदान दिया। इन राज्यों में सर्वाधिक सेज परिचालन वाले सबसे अधिक विशेष आर्थिक क्षेत्र कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में है। इन क्षेत्र की इकाइयों को तैयार माल पर वर्तमान में शुल्क के भुगतान पर डीटीए (घरेलू शुल्क क्षेत्र) में अपने उत्पाद बेचने की अनुमति है। 30.70 लाख लोगों को मिला है रोजगार मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में 31 दिसंबर, 2023 तक 6.92 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है।

सोने और चांदी की कीमतों में आया उछाल

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई। आज दोनो ही धातुओं की

वायदा कीमतों में तेजी रही। कारोबार के दौरान सोने के वायदा भाव 71,600 रुपये वहीं चांदी के वायदा भाव 89,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमतों में उछाल रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 33 रुपये बढ़कर 71,523 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 80 रुपये की तेजी के साथ 71,570 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ये 71,594 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,523 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर पहुंचा था। वहीं चांदी की वायदा कीमतों की शुरूआत में आज बढ़त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 587 रुपये की तेजी के साथ 89,250 रुपये पर खुला।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चंद्रबाबू ने ली ...

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इस दौरान सुपरस्टार रजनीकांत और चिरंजीवी से मुलाकात की। इस दौरान केरल में पहली बार कमल खिलाने वाले अभिनेता सुरेश गोपी भी नजर आए। सुरेश गोपी ने केरल से भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीता है।

चित्तूर जिले के नरवरिपल्ली गांव में 20 अप्रैल 1950 को जन्मे श्री नायडू 1978 में कांग्रेस में शामिल हुए और 28 साल की छोटी उम्र में टी अंजैया कैबिनेट में मंत्री बने। उन्होंने तेदेपा के संस्थापक एनटी रामा राव (जिन्हें प्यार से एनटीआर कहा जाता है) की पुत्री एन भुवनेश्वरी से शादी की। श्री नायडू ने अपने ससुर के खिलाफ विद्रोह करके 1995 में उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा दिया और खुद मुख्यमंत्री बन गये। वह 1995-2004 में अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। इसके बाद उन्होंने 2014 में विभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री का पदभार संभाला और अब 2024 में चौथी बार इस पद पर आसीन हुए हैं।

श्री नायडू के एजेंडे में अमरावती विषय उनका ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इसीलिये इसे विशेष दर्जा दिलाने के लिए 2018 में राजग के साथ अपने संबंधों को तोड़ लिया लेकिन वे 2019 में हार गए। उन्होंने 2024 चुनाव के पहले छह वादे किये थे। इनमें राज्य की बसों में महिलाओं के लिए मुफ़्त यात्रा, वयस्क महिलाओं को मासिक नकद सहायता, विद्यार्थियों को सहायता, बुजुर्गों के लिए पेंशन, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता और हर घर को तीन मुफ़्त रसोई गैस सिलेंडर देना शामिल है।

अनुमान के अनुसार, सरकार को जुलाई में अकेले 65 लाख लाभार्थियों को सामाजिक पेंशन देने के लिए 4,500 करोड़ रुपए की ज़रूरत है, इसके अलावा, वेतन और पेंशन पर 6,500 करोड़ रुपए खर्च करने की ज़रूरत है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि श्री नायडू के सामने एक और चुनौती राज्य की अर्थव्यवस्था की स्थिति हो सकती है। वर्ष 2023-24 के बजट के अनुसार राज्य पर 4.83 लाख करोड़ रुपए का सार्वजनिक ऋण है, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का लगभग 33.3 प्रतिशत है। पूर्ववर्ती वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार की सामाजिक कल्याण योजनाओं की अधिकता के कारण सरकार का कोष खत्म हो गया है। अपने चुनाव अभियान के दौरान श्री नायडू ने भी बार-बार राज्य का खजाना खाली होने की बात कही थी।

नायडू के शपथ ग्रहण ...

आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में पवन कल्याण की पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पीथापुरम सीट से चुनाव जीता है। उनकी इस ऐतिहासिक जीत की पीएम मोदी तारीफ कर चुके हैं। बीते दिनों एनडीए की बैठक में पीएम मोदी ने पवन कल्याण की तारीफ करते हुए कहा था, ये पवन, पवन नहीं आंधी हैं।

आज शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी ने पवन कल्याण से मुलाकात के दौरान उनकी पीठ थपथपाई। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी ने सीएम नायडू और पवन कल्याण को राज्य में उनकी नई भूमिकाओं के लिए बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलुगु देशम पार्टी के नेता नारा चंद्रबाबू नायडू को बुधवार को आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी है। श्री मोदी श्री नायडू के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए और उन्हें बधाई दी। श्री मोदी के अलावा उनकी मंत्रिपरिषद के अनेक सदस्यों ने भी शपथ समारोह में हिस्सा लिया।

बाद में प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, आन्ध्र प्रदेश में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुआ। एन चंद्रबाबू नायडू को आन्ध्र प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने पर बधाई। उनके साथ शपथ लेने वाले अन्य मंत्रियों को भी बधाई। तेदेपा, जन सेना और भारतीय जनता पार्टी की सरकार आन्ध्र प्रदेश को नई ऊंचाई पर ले जाने तथा लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि आन्ध्र प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में तेदेपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बहुमत मिला है । इसके बाद राज्य में नई सरकार का गठन हुआ है। तेदेपा केन्द्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार में शामिल है।

ओड़ीशा में ...

चार बार एक ही विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल करने वाले माझी पर इस बार भारतीय जनता पार्टी ने भरोसा जताया और उन्हें ओडिशा का 15वां मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। आपको बता दें कि इस बार ओडिशा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में बीजू जनता दल के विजयरथ को रोका और बड़ी जीत दर्ज की। 147 में से 78 सीटों पर जीत हासिल कर भारतीय जनता पार्टी ओडिशा में सबसे बड़ा दल बनकर उभरी। पार्टी ने मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए बिना पीएम मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। उधर, बीजू जनता दल को 51 सीटों पर जीत हासिल हुई।

आदिवासी नेता मोहन माझी ने विधानसभा चुनाव में क्योंझर सीट से जीत हासिल की है। इस चुनाव में उन्होंने बीजू जनता दल की मीना माझी को 11,577 मतों से शिकस्त दी। 52 वर्षीय भाजपा नेता की विधानसभा चुनाव में यह चौथी जीत है। वह पहली बार 2000 में क्योंझर (एसटी) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के विधायक चुने गए थे। इसके बाद 2004, 2019 और अब 2024 में भी क्योंझर सीट से जीते हैं। माझी ओडिशा विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक भी रह चुके हैं।

मोहन चरण माझी का जन्म 1972 में ओडिशा में हुआ था। उनके पिता का नाम गुनाराम माझी है। उनकी शादी डॉ. प्रियंका मरांडी से हुई है और उनके दो बेटे हैं। मोहन चरण माझी ने अपना सियासी करियर एक सरपंच के रूप में शुरू किया था। उन्होंने यह जिम्मेदारी 1997 से 2000 के बीच संभाली। 1997 में उन्हें भाजपा ओडिशा आदिवासी मोर्चा के सचिव की जिम्मेदारी मिली। इसके अलावा मोहन स्थानीय स्तर पर युबज्योति क्लब, रायकला के अध्यक्ष, बाबा धबलेश्वर महादेव मंदिर समिति, रायकला के सदस्य और भाजपा ओडिशा एसटी मोर्चा के महासचिव जैसे पदों पर भी रहे। 2023 में माझी तब सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने 700 करोड़ रुपये के मिड डे मील घोटाले को उजागर करने के लिए अनूठे तरीके से विधानसभा में विरोध किया था। माझी ने तब एक कटोरी बिना पकी दाल स्पीकर की तरफ उछाल दी थी।

पानी संकट पर ...

आपूर्ति के लिए किया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार से इस संबंध में की गई कार्रवाई के बारे में हलफनामा दाखिल करने को कहा। पीठ के समक्ष हरियाणा सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि एक रिपोर्ट के मुताबिक, 52.35 प्रतिशत पानी का नुकसान हुआ है। श्री सिंघवी ने अपनी ओर से आरोप लगाया कि हरियाणा अपने दृष्टिकोण में बहुत बाधाकारी रहा है। उन्होंने दावा किया, भारत में कोई भी राज्य हरियाणा जितना अवरोधक नहीं है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार द्वारा दायर एक रिट याचिका पर कार्रवाई करते हुए हिमाचल प्रदेश सरकार को निर्देश दिया था कि वह दिल्ली में गंभीर संकट और मौजूदा गर्मी की स्थिति के मद्देनजर पीने के पानी की आवश्यकता के लिए उसके पास उपलब्ध 137 क्यूसेक अधिशेष पानी जारी करे।

कठुआ में ...

उन्होंने बताया कि कठुआ के हीरानगर इलाके के सैदा सोहल गांव में मुठभेड़ हुई। दो आतंकी गांव में घुसे थे और कुछ घरों से पानी मांगा था। सूचना मिलते ही एसएचओ और एसडीपीओ की टीमें मौके पर पहुंचीं और गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया। मारे गए आतंकियों के पास से ग्रेनेड, आईईडी, अमेरिका निर्मित एम4 कार्बाइन और अन्य युद्ध संबंधी सामान बरामद किया गया। बरामद सामान में 30 राउंड वाली तीन मैगजीन, 24 राउंड वाली एक मैगजीन, एक अलग पॉलीथीन बैग में 75 राउंड, तीन जिंदा ग्रेनेड, एक लाख रुपये, पाकिस्तान निर्मित चॉकलेट, सूखा छेना और चपातियां समेत खाद्य सामग्री, पाकिस्तान निर्मित दवाइयां और दर्द निवारक इंजेक्शन, ए4 बैटरी सेल के दो पैक और एंटीना वाला एक हैंडसेट शामिल है।

इस बीच, हीरानगर इलाके में छिपे हुए आतंकियों ने पुलिस के वाहनों पर गोलीबारी की, जिसमें दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बाल-बाल बच गए। जम्मू-कठुआ-सांबा रेंज के डीआईजी डॉ. सुनील कुमार और कठुआ के एसएसपी अनायत चौधरी के वाहनों पर 20 से अधिक राउंड फायरिंग की गई। डोडा जिले के चत्तरगल्ला इलाके में एक अन्य मुठभेड़ के बारे में एडीजीपी जैन ने कहा, ऑपरेशन जारी है और मुठभेड़ में घायल हुए सुरक्षाबल के जवानों की हालत स्थिर है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की पहचान और उनके समूह का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों द्वारा की गयी गोलीबारी में एक नागरिक भी घायल हो गया, जिसे मंगलवार रात अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि डोडा में आतंकवादियों ने मंगलवार देर रात भद्रवाह-पठानकोट मार्ग पर स्थित चतरगला इलाके में 4 राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस की एक संयुक्त चौकी पर गोलीबारी की, जिसे बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी और कई घंटों तक जारी रही। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राइफल्स के पांच जवान और एक विशेष पुलिस अधिकारी घायल हुए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के खिलाफ अभियान तेज करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को इलाके में भेजा गया है। अधिकारियों के अनुसार, चटरगल्ला, गुलदंडी, सरथल, शंख पाडेर और कैलाश पर्वत श्रृंखला में जारी तलाशी और घेराबंदी अभियान के मद्देनजर भद्रवाह-पठानकोट अंतरराज्यीय राजमार्ग पर यातायात की आवाजाही पूरी तरह से रोक दी गई है। आनंद जैन ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि दुश्मन पड़ोसी मुल्क हमेशा से जम्मू क्षेत्र में शांति भंग करने के प्रयास करता रहता है।

देश के...

वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' में विश्वास करती है और उन्होंने एक मजबूत और जीवंत अर्थव्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उद्योग जगत के नेताओं, नियामकों और नागरिकों सहित सभी हितधारकों के निरंतर समर्थन और सहयोग का आह्वान किया।

मोदी जी-7...

इस सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह एक ब्लॉक एजेंडा आइटम होगा जहां जी7 और आउटरीच देश अपने विचार और दृष्टिकोण साझा करेंगे।

श्री क्वात्रा ने कहा, जी 7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री की भागीदारी पिछले साल भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी 20 शिखर सम्मेलन के परिणामों का पालन करने और उन मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का समय पर अवसर प्रदान करेगी जो वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण हैं। श्री क्वात्रा ने कहा, इटली में जी 7 शिखर सम्मेलन के मौके पर, प्रधानमंत्री द्वारा जी 7 के नेताओं के साथ-साथ आउटरीच देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ द्विपक्षीय बैठकें और चर्चा करने की भी उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हमारे पास जो जानकारी है उसके अनुसार भारत के अलावा - जी7 अध्यक्ष के रूप में इटली ने अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, मिस्र, केन्या, मॉरिटानिया, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, ट्यूनीशिया, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राष्ट्र सहित कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भी आमंत्रित किया है।

विदेश सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री के इटली की प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक करने की भी उम्मीद है। बैठक में, दोनों प्रधानमंत्रियों द्वारा द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और आगे की प्रगति के लिए मार्गदर्शन देने की उम्मीद है। रूस यूक्रेन संघर्ष को रुकवाने के मकसद से आयोजित होने वाले वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर विदेश सचिव ने कहा, स्विट्ज़रलैंड में होने वाले शांति शिखर सम्मेलन में भारत उचित स्तर पर हिस्सा लेगा। इस पर अभी विचार चल रहा है। जब भी हमारे पास इस बैठक में भाग लेने के प्रतिनिधि के नाम तय किए जाने की सूचना होगी, हमें इसे आपके साथ साझा करने में बहुत खुशी होगी।

कनाडा हिंसा ...

हमने अभी-अभी अपना आम चुनाव संपन्न किया है। मुझे यकीन है कि हर कोई इस बात से सहमत होगा कि यह मानव जाति के इतिहास में सबसे बड़ा लोकतांत्रिक चुनाव था। मुझे लगता है कि भारत के लोकतंत्र की जीवंतता वास्तव में दुनिया भर में मान्यता प्राप्त और सराहना की गई है।उन्होंने कहा, मैं वास्तव में इस पर कुछ भी नहीं कहना चाहता कि कोई और क्या सोचता है कि लोकतंत्र को कैसे कार्य करना चाहिए, लेकिन जहां तक कनाडा का सवाल है, हमारे लोकतंत्र ने आंखों से दिखने लायक तमाम सबूत उपलब्ध कराये हैं कि कनाडा में भारत विरोधी तत्वों को राजनीतिक स्थान मिला हुआ है जो उग्रवाद और हिंसा की वकालत करते हैं। हमने बार-बार उन्हें अपनी गहरी चिंताओं से अवगत कराया है और हम उनसे कड़ी कार्रवाई की उम्मीद करते हैं।

कुवैत में आग...

कुवैत के फॉरेंसिक विभाग के महानिदेशक मेजर जनरल ईद अल-ओवैहान का कहना है कि मृतकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। उन्होंने बताया कि मृतकों में से अधिकांश केरल, तमिलनाडु और उत्तर भारतीय राज्यों के नागरिक थे। मृतकों की उम्र 20 से 50 साल के बीच बताई गई है।

भारतीय श्रमिकों की मदद के लिए कुवैत में भारतीय दूतावास ने एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है जिससे टेलीफोन +965-65505246 नंबर के माध्यम से संपर्क किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुवैत में हुए अग्निकांड पर शोक प्रकट किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कुवैत में आग की दुर्घटना दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं, जिन्होंने अपने परिजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। कुवैत में भारतीय दूतावास द्वारा इस घटना पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। पीएम मोदी ने इस हादसे में मृतक भारतीय नागरिकों के परिवारों को प्रधानमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपए मुआवजा राशि देने की घोषणा की है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने इस हादसे पर गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की है तथा कहा कि कुवैत में भारतीय दूतावास स्थिति पर बराबर नजर रखे हुए है। कुवैत में भारतीय राजनायिक मिशन के अधिकारी वहां के प्रशासन के साथ मिलकर प्रभावित लोगों की सहायता में जुटे हुए हैं। उधर, पीएम मोदी ने दिल्ली में रिव्यू मीटिंग बुलाई। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि वे जल्द कुवैत जा सकते हैं। उधर प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैत में अग्निकांड की घटना की समीक्षा के लिए बैठक ली। बैठक में बताया गया कि हादसे में कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि अधिकांश मौतें धुएं की वजह से हुईं। पीएम मोदी के निर्देशों पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत जाएंगे। वे वहां राहत कार्यों की निगरानी करेंगे। इसके साथ ही इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए लोगों के शवों की शीघ्र स्वदेश वापसी के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। बैठक के बाद विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा हम कुवैत अग्निकांड के पीड़ितों के साथ खड़े हैं, हम उनके प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हैं। हमने पीएम मोदी के साथ बैठक की और कल अल सुबह हम कुवैत की यात्रा कर रहे हैं।

कुवैत की समाचार एजेंसी कुना की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मतृकों की संख्या बढ़कर 49 हो गयी है। रिपोर्ट में गृह मंत्रालय के सुरक्षा सूचना निदेशक मेजर जनरल नासिर अब्दुल सलैब के हवाले से कहा गया है कि इमारत के मालिकों को कड़ा दंड दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय के बड़े अधिकारी आग लगने के कारणों की जांच कर रहे है और मृतकों की पहचान की जा रही है।

कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल अहमद अल जाबेर अल सबा ने संबंधित अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे इस घटना के परिपेक्ष्य में ऐसे कदम उठाये जिससे इस तरह की दुखद की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने इस घटना के जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने को कहा है।

कुवैत सरकार के अनुसार स्थानीय अधिकारियों को उस बहुमंजिला इमारत में आग लगने की सूचना सुबह छह बजे दी गई और आग लगने के कारण की जांच चल रही है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट में बताया गया है कि इस इमारत में एक ही कंपनी के लगभग 160 कर्मचारी रहते थे और आग इमारत के एक रसोईघर में लगी और देखते ही देखते तेजी पूरी इमारत में फैल गयी। कुवैत के सुरक्षा अधिकारी मेजर जनरल ईद रशीद हमाद ने आग लगने की पुष्टि की है।

कुवैती स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि आग से कई घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिनमें से चार ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

कुवैत में भारतीय राजदूत अल-अदान ने घायलों के उपचार करने वाले अस्पताल का दौरा किया, जहां अभी 30 से अधिक भारतीय श्रमिकों का इलाज चल रहा है। अस्पताल अधिकारियों ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है।

भारतीय दूतावास ने घटना से प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। कुवैत स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, अल-मंगफ इमारत में लगी आग वास्तव में एक आपदा है और इस तरह की घटना कंपनी मालिकों और भवन मालिकों के लालच और महत्वाकांक्षा का परिणाम है। कुवैत के गृह मंत्रालय (आंतरिक मंत्रालय) ने इमारत के नियमों के उल्लंघनों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, हमने जांच पूरी होने तक कंपनी के मालिक, इमारत के मालिक और उसके गार्ड को हिरासत में रखने का आदेश दिया।

भगवान विष्णु की यह शर्त पूरी नहीं कर पाईं थीं देवी लक्ष्मी

धारण करना पड़ा था गरीब स्त्री का रूप

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत भी रखा जाता है और गुरुवार व्रत कथा का पाठ भी किया जाता है। भगवान विष्णु को पीला रंग प्रिय है। ऐसे में इस दिन पीले वस्त्र पहनने चाहिए। साथ ही भगवान को पीले रंग की मिठाइयों का भोग भी लगाना चाहिए। भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार देवी लक्ष्मी के शर्त न मानने के कारण भगवान विष्णु की आंखों से अश्रु बहने लगे थे।

भगवान विष्णु ने रखी थी शर्त

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार श्रीहरि पृथ्वी भ्रमण पर निकले थे। तब देवी लक्ष्मी ने उनसे कहा कि वह भी उनके साथ जाना चाहती हैं। तब विष्णु जी ने कहा कि वे केवल एक शर्त पर ही उनके साथ जा सकती हैं। जब लक्ष्मी जी ने शर्त पूछी तो विष्णु जी ने कहा कि पृथ्वी पर चाहे कैसी भी परिस्थिति आए, उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। लक्ष्मी जी ने शर्त स्वीकार कर ली और श्रीहरि के साथ चली गईं।

दोनों धरती पर घूम रहे थे, देवी की नजर उत्तर दिशा में पड़ी। वहां इतनी हरियाली थी कि देवी लक्ष्मी बगीचे की ओर चल पड़ीं। उन्होंने वहां से एक फूल तोड़ा और विष्णु जी के पास आ गईं। लक्ष्मी जी को देखते ही विष्णु जी रोने लगे। तब मां लक्ष्मी को विष्णु जी की शर्त याद आई। श्रीहरि ने कहा कि बिना किसी से पूछे किसी भी वस्तु को छूना अपराध माना जाता है। यह सुनकर देवी लक्ष्मी ने अपनी गलती का अहसास किया। उन्होंने माफी मांगी। श्री हरि ने कहा कि केवल बगीचे का माली ही उन्हें माफ कर सकता है। लक्ष्मी जी को माली के घर दासी बनकर रहना होगा। यह सुनकर लक्ष्मी जी तुरंत एक गरीब स्त्री का रूप धारण करके माली के घर चली गईं।

देवी लक्ष्मी ने दिया माली को आशीर्वाद

माली ने देवी लक्ष्मी से कई तरह के काम करवाए। जब माली को पता चला कि वह मां लक्ष्मी हैं, तो वह रोने लगा।

उसने देवी लक्ष्मी से कहा कि जो कुछ भी उसने किया, उसके लिए उसे माफ कर दें। तब लक्ष्मी जी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो कुछ हुआ वह भाग्य था। इसमें किसी का दोष नहीं है। लेकिन माली ने लक्ष्मी जी को अपने परिवार का सदस्य माना, इसलिए उन्होंने जीवनभर के लिए उसे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दिया। जिसके बाद वे विष्णु लोक लौट आईं।

महिलाओं को पूजा के समय किन बातों का रखना चाहिए ध्यान

गलती करने वालों से दूर हो जाते हैं भगवान

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ का खास महत्व होता है। लेकिन पूजा-पाठ का फल तभी प्राप्त होता है, जब इसे विधि-विधान और नियमानुसार किया जाए। क्योंकि पूजा के दौरान हुई छोटी सी गलती भी कष्टकारी हो सकती है और आपको पाप का भागीदार बनना पड़ सकता है। वैसे तो स्त्री-पुरुष सभी को पूजा से जुड़े जरूरी नियमों का पालन करना चाहिए। लेकिन हिंदू धर्म में महिलाओं के लिए कुछ विशेष नियम बताए गए हैं, जिसका सभी महिलाओं को पालन करना चाहिए। इसलिए खासकर महिलाएं इन नियमों की अनदेखी करने से बचें।

हनुमान जी की पूजा करते समय महिलाओं को उनकी मूर्ति स्पर्श नहीं करनी चाहिए और ना ही सिंदूर या चोला चढ़ाना चाहिए। क्योंकि वे ब्रह्मचारी हैं। महिलाओं को हनुमान जी के पैर भी नहीं छूना चाहिए।

महिलाओं के पूजा-पाठ में नारियल नहीं फोड़ना चाहिए। इसका कारण यह है कि शास्त्रों में नारियल को एक बीज के समान माना गया है, जिससे कि नया वृक्ष उत्पन्न होता है। शास्त्रों में स्त्री को जननी कहा गया है, क्योंकि स्त्री संतान को जन्म देती है। मान्यता है कि स्त्री द्वारा नारियल फोड़ने से उसे संतान संबंधी समस्या आती है। हालांकि आप पूजा में नारियल चढ़ा सकती हैं।

शनि देव की पूजा करते समय भी महिलाओं को कुछ नियमों का पालन करना चाहिए। महिलाओं को शनि देव के पैर नहीं छूने चाहिए, तेल नहीं चढ़ाना चाहिए और ना ही उनकी आंखों में देखना चाहिए। ऐसा करने से शनि दोष लगता है।

13वीं शताब्दी के इस मंदिर में 16 भुजाओं वाले श्री गणेश

दर्शन की बड़ी महिमा

अभी तक आपने 4, 6 या 8 हाथ वाले श्री गणेश की मूर्तियों को देखा होगा। लेकिन,जबलपुर के बादशाह हलवाई मंदिर में 16 भुजाओं वाली श्री गणेश की मूर्ति विराजमान हैं। यह मूर्ति काफी साल पुरानी है। जो 11वीं शताब्दी के बादशाह हलवाई मंदिर में विराजमान है। कहा जाता है कि इस मूर्ति के दर्शन करने से मनोकामना पूरी हो जाती है। 16 भुजाओं वाले श्री गणेश के साथ ही मंदिर में रिद्धि-सिद्धि भी हैं।

बादशाह हलवाई मंदिर के 80 वर्षीय पुजारी रामगोपाल दुबे ने बताया कि 10 साल की उम्र में सन 1945 में जबलपुर आ गए थे। 1955 से बादशाह हलवाई मंदिर की पूजन अर्चन कर रहे थे। जब चित्रकूट से पढ़ाई कर शहर पहुंचे थे। इस मंदिर की स्थिति सही नहीं थी। चारों तरफ घना जंगल हुआ करता था। जब से मंदिर की सेवा कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने कहां इस दौरान मंदिर में कुछ लोगों ने अपना दावा भी किया। लेकिन हाई कोर्ट ने इसे खारिज किया।

27 नक्षत्र नवग्रह की मूर्तियां

इतिहास के साथ ही पुरातत्व विभाग में उल्लेख है कि बादशाह हलवाई मंदिर का निर्माण गोंड शासको के समय हुआ था। जहां संगमरमर के स्तंभ में 27 नक्षत्र नवग्रह और दिशाओं की मूर्तियां बनी हुई है। संगमरमर के इन पिलरों में भगवान की बारात की दृश्य भी देखे जा सकते हैं। इसके अलावा चारों युग के भगवान भी इस मंदिर में है। वहीं, मंदिर के ऊपरी हिस्से पर श्री यंत्र भी बना हुआ है।

ऊंचाई पर है मंदिर

बादशाह हलवाई मंदिर जबलपुर के गौरीघाट रोड पर मौजूद है। हालांकि मंदिर ऊंचाई पर है। जिसके लिए सीढ़ियों से चढ़कर जाना होता है। लेकिन, मंदिर का मनोरम दृश्य देखकर आप भी हैरान हो जाएंगे। इस मंदिर में 16 भुजाओं वाले श्री गणेश के साथ ही भगवान शिव की प्रतिमा भी मौजूद है। मंदिर की हरियाली इस बात का दावा करती है कि मंदिर ऊंचाई पर होने के कारण प्राकृतिक सौंदर्य भी शहर का आसानी से देखा जा सकता है। इस मंदिर के नजदीक में गुफा भी है। इस गुफा से रानी दुर्गावती मंदिर में आती थी और पूजन अर्चन करती थी।

उज्जैन में इस्कॉन की रथ यात्रा में दिखेगा जगन्नाथ पुरी जैसा नजारा

पहली बार तीन रथ होंगे शामिल, रस्सियों से खीचेंगे भक्त

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया पर 7 जुलाई को निकलने वाली इस्कॉन मंदिर की रथ यात्रा के दौरान उज्जैन में जगन्नाथ पुरी जैसा नजारा दिखाई देगा। इस्कॉन मंदिर प्रबंधन द्वारा पहली बार यात्रा में तीन रथ शामिल किए जाएंगे। भक्त रस्सियों की सहायता से भगवान के रथ खींचेंगे। बता दें अब तक भगवान जगन्नाथ, बलदाऊ तथा सुभद्राजी को एक ही रथ पर विराजित कर यात्रा निकाली जाती थी।

इस्कॉन मंदिर प्रबंधन द्वारा प्रतिवर्ष आषाढ़ शुक्ल द्वितीया पर भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाती है। परंपरा अनुसार दोपहर 3 बजे उज्जैन के बुधवारिया चौराहा से यात्रा का शुभारंभ होता है। इसके बाद भगवान जगन्नाथ का रथ शहर के प्रमुख मार्गों से होकर भरतपुरी स्थित इस्कॉन मंदिर पहुंचता है। यहां बसाई गई गुंडिचा नगरी में भगवान विराजित होते हैं तथा एक सप्ताह तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

अभी तक जितनी भी रथ यात्रा निकली है, उनमें 20 फीट ऊंचे एक ही हाइड्रोलिक रथ पर भगवान जगन्नाथ, बलदाऊ व देवी सुभद्राजी को विराजित किया जाता था। लेकिन इस बार तीन रथ बनवाए जा रहे हैं।

पुरी की जगन्नाथ यात्रा में तीन रथ की परंपरा

जगन्नाथपुरी में निकलने वाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलदाऊ तथा देवी सुभद्राजी अलग-अलग रथ पर सवार होकर निकलते हैं। एक साथ तीन रथों के शामिल होने से यात्रा का स्वरूप भव्य रहता है। बताया जाता है पहली बार तीन रथों के साथ निकलने वाली इस्कॉन की रथ यात्रा भी भव्य स्वरूप लिए हुए होगी। इसमें देश-विदेश के कई भक्त शामिल होने आएंगे।

यात्रा में शामिल होंगे तीन रथ

इस्कॉन मंदिर उज्जैन द्वारा निकाली जाने वाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में 7 जुलाई को पहली बार तीन रथ शामिल रहेंगे। मंदिर प्रबंधन द्वारा तीन भव्य रथ तैयार कराए जा रहे हैं। इस बार भक्तों को यात्रा के दौरान जगन्नाथ पुरी जैसी अनुभूति होगी।

खाने की थाली में बाल निकलने पर हो जाएं सावधान, इस बात का देता है संकेत

जीवन में होने वाली घटनाओं में एक संकेत छुपा होता है। इसका आप पर नकारात्मक व सकारात्मक दोनों ही प्रभाव पड़ सकते हैं। आपके साथ अक्सर होता होगा कि खाने खाते समय बाल निकल आते होंगे। यह कोई सामान्य घटना नहीं है, इसका असर आपके जीवन पर पड़ता है। ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी ने इसके बारे में विस्तार से बताया है।

खाने में बार-बार बाल निकलने के ये होते हैं संकेत

खाना खाते समय बालों का निकलना शुभ नहीं होता है। शास्त्रों में माना गया है कि आप खाने के लिए बैठे और थाली में तुरंत बाल दिख जाए या फिर खाने के पहले ग्रास में बाल निकल आए, तो यह पितृ दोष के संकेत होते हैं।

अगर इस तरह की घटना आपके साथ बार बार हो रही है, तो यह एक सामान्य घटना के तौर पर नहीं देखी जाएगी। ऐसा तभी हो सकता है जब आपके पूर्वज आपसे नाराज चल रहे हों। आपने उनकी शांति के लिए कोई उपाय नहीं किया हो।

खाने में बार-बार बाल निकलना अशुभ घटना का संकेत

बाल आपके खाने से बार-बार निकल रहे हैं, तो यह इस बात का संकेत होता है कि आपके जीवन में कोई अशुभ घटना होने वाली है। आपके जीवन में नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव बढ़ने वाला है।

आप इस बात पर गौर करते हैं कि आप जैसे ही खाने के लिए बैठते हैं, तभी उसमें कोई बाल निकल आता है, तो शास्त्रों के अनुसार यह इस बात का संकेत है कि आप की सेहत पर भविष्य में नकारात्मक असर पड़ने वाला है। खाने बाल निकलने पर उसको नहीं खाना चाहिए। खाने की थाली को हटा देना चाहिए।

धरती पर आज भी मौजूद हैं मंदार पर्वत, इसी से देवताओं और असुरों ने किया था समुद्र मंथन

हिंदू पौराणिक ग्रंथों में समुद्र मंथन का जिक्र मिलता है। माना जाता है कि देवताओं और असुरों ने अमृत प्राप्ति के लिए समुद्र मंथन किया था। इसके लिए वासुकी नाग को मथरी बनाया गया और मंदार पर्वत पर इसे लपेटकर समुद्र को मथा गया। माना जाता है कि यह मंदार पर्वत बिहार में मौजूद है। बिहार के भागलपुर से लगभग 50 किलोमीटर दूर बांका जिले में मदरांचल पर्वत है। मान्यता है कि यही वह मंदार पर्वत है, जिससे समुद्र को मथा गया। इस पर्वत का शिखर करीब 800 फीट है। वहीं इस पर्वत को लेकर कई अन्य मान्यताएं भी जुड़ी है।

हिंदू मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु ने मधु कैटभ का वध कर यह पर्वत आर्यों को सौंपा था। बाद में यह स्थान प्रसिद्ध तीर्थ स्थल मधुसूदन धाम कहलाया। इस पर्वत के नीचे एक सरोवर भी मौजूद है। इसका निर्माण 7वीं सदी के उत्तर गुप्तकालीन शासक राजा आदित्य सेन के चर्म रोग के उपचार के लिए उनकी पत्नी रानी कोण देवी द्वारा करवाया गया था। इस सरोवर को पापहारिणी के नाम से जाना जाता है।

समुद्र को मथने के लिए जिस वासुकी नाग की मथरी बनाई गई थी, उसके निशान आज भी इस पर्वत पर मिलते हैं। मंदार पर्वत के चारों तरफ एक मोटी रेखा बनी हुई है, माना जाता है कि यह वासुकी नाग के घर्षण के कारण बनी थी।

क्यों किया गया समुद्र मंथन

पौराणिक कथाओं के अनुसार महर्षि दुर्वासा के श्राप के कारण स्वर्ग से धन, ऐश्वर्य और वैभव चला गया। जिसके बाद भगवान विष्णु ने देवताओं को असुरों के सहयोग से समुद्र मंथन करने का सुझाव दिया और अमृत कलश का पान करने के लिए कहा। जिसके बाद देवताओं ने असुरों के साथ मिलकर समुद्र मंथन किया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जननी-एआई की कहानी में रोबोट की तरह एक्ट करना चैलेंजिंग था: आशिका भाटिया

टीवी की सबसे हाई प्रोफाइल एक्ट्रेस में से एक आशिका भाटिया जननी-एआई की कहानी शो में नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बताया कि उनके लिए एआई रोबोट की तरह एक्ट करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था।शो में आशिका चांदनी के रोल में नजर आएंगी।आशिका ने कहा, मेरे किरदार का नाम चांदनी है। मैं एआई रोबोट हूं, जो इंसानों की तरह लगती है। मेरे लिए रोबोट का एक्ट करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। मैंने पहले कभी भी ऐसा रोल नहीं किया था, इसलिए मैं इस खास मौके का फायदा उठाना चाहती थी।उन्होंने कहा, खास तौर पर चलते हुए किसी शो में आपको किसी ऐसे व्यक्ति की तरह बर्ताव करना होता है जो पहले से ही सीरीज में है। मेरे लिए किसी और की नकल करना काफी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मैंने इसे स्वीकार किया।जननी-एआई की कहानी इरा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक वैज्ञानिक से मां बनी है। वह घातक बीमारी से अपनी बेटी की जान बचाने के लिए एआई रोबोट का आविष्कार करती है।एमएजे प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, जननी- एआई की कहानी दंगल टीवी पर प्रसारित हो रहा है।वर्कफ्रंट की बात करें तो आशिका को पिछली बार एंड टीवी पर वाणी रानी शो में देखा गया था। उन्होंने छोटे पर्दे पर मीरा शो में डेब्यू किया था। वह परवरिश - कुछ खट्टी कुछ मीठी में गुणवंत कौर अहलूवालिया के किरदार में नजर आईं।इसके अलावा, उन्होंने 2015 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म प्रेम रतन धन पायो में सलमान खान की छोटी बहन का किरदार भी निभाया।आशिका ने लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट्स के रूप में एंट्री की, लेकिन कुछ ही हफ्तों बाद शो से बाहर आ गईं।

बिग बॉस ओटीटी 3 : कंटेस्टेंट बनकर घरवालों की बैंड बजाएंगे जावेद जाफरी

अनिल कपूर के शो में दिखाएंगे अपना दम

बिग बॉस ओटीटी 3 को लेकर इन दिनों काफी बज बना हुआ है। यह शो 21 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज हो जाएगा। इस साल शो को सलमान खान नहीं बल्कि अनिल कपूर (-पळश्र घर्री) होस्ट करेंगे। ऐसे में बिग बॉस ओटीटी 3 के तीसरे सीजन को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि अभी तक इस पर सस्पेंस बना हुआ है कि इस साल कौन-कौन से सितारे बिग बॉस हाउस में कैद होने वाले हैं? रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म 'विश्वात्मा' एक्ट्रेस सोनम खान और एक्ट्रेस सना खान का नाम शो के लिए कंफर्म हो चुका है। वहीं इसी बीच खबरें आ रही हैं कि एक्टर जावेद जाफरी को बिग बॉस ओटीटी 3 के लिए अप्रोच किया गया है।

जावेद जाफरी को किया गया अप्रोच

'द खबरी' और 'बिग बॉस तक' के मुताबिक बिग बॉस ओटीटी 3 के मेकर्स ने एक्टर जावेद जाफरी को अप्रोच किया है और उनकी बातें एडवांस स्टेज पर पहुंच चुकी हैं। हालांकि अभी इस बात की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि इस खबर के सामने आने के बाद शो को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है। बता दें कि जावेद जाफरी कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुके हैं। 'धमाल' फिल्म में जावेद की एक्टिंग को काफी सराहा गया था। इसके अलावा जावेद जाफरी 'ज जंतरम म मंतरम' फिल्म में भी नजर आए थे।

बिग बॉस ओटीटी 3 में ये कंटेस्टेंट्स हो सकते हैं शामिल

बता दें कि जावेद जाफरी के अलावा एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता, कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन, सुपरहिट फिल्म विश्वात्मा की एक्ट्रेस सोनम खान, सना खान, साई केतन राव, फेमस वड़ापाव गर्ल चंद्रिका और डॉली चायवाला जैसे सेलेब्स को अप्रोच किया गया है। वहीं शहजादा धामी, शिवांगी जोशी, मैक्सटर्न, विशाल पांडे, तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम भव्य गांधी से भी मेकर्स की बातचीत चल रही है। ऐसे में देखना होगा कि इस सीजन शो में कौन-कौन से कंटेस्टेंट्स बिग बॉस के घर में बवाल मचाते नजर आएंगे। बता दें कि यह शो 21 जून से जियो सिनेमा पर प्रसारित होने वाला है।

हमारे बारह को मिली नई रिलीज तारीख

अब 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

अभिनेता अन्नू कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म हमारे बारह को लेकर सुर्खियों में हैं। हालांकि, यह फिल्म पिछले कुछ दिनों से विवादों में घिरी हुई है।निर्माताओं पर आरोप है कि वह इस फिल्म के जरिए महिलाओं की खराब छवि पेश कर रहे हैं।हमारे बारह पहले 7 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब इस फिल्म की नई रिलीज तारीख पर्दा उठ गया है।रिपोर्ट के अनुसार, हमारे बारह अब 14 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।बता दें, हाईकोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी थी, जिसके बाद निर्माताओं ने फिल्म से खुद ही 2 डॉयलॉग को डिलीट करने पर सहमति जताई।राहुल बग्गा, अदिति भतपेहरी, अंकिता द्विवेदी, अदिति धीमान, शगुन मिश्रा, इश्लिन प्रसाद, कृतिका खेड़ा और रूबल जैन जैसे सितारे भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे।बॉक्स ऑफिस पर हमारे बाहर का सामना अब कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन से होगा। यह फिल्म भी 14 जून को सिनेमाघरों का रुख करेगी।कार्तिक ने इस फिल्म के लिए खूब मेहनत की है। फिल्म के लिए उन्होंने कई किलो वजन घटाया और खान-पान में भी कई बदलाव किए है।चंदू चैंपियन की कहानी भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर पर आधारित है।मुंज्या और मिस्टर एंड मिसेज माही भी सिनेमाघरों में लगी हुई हैं।

रोहित सराफ की इश्क विश्क रिबाउंड का ट्रेलर जारी

तीन अच्छे दोस्तों की दो प्रेमकहानियों के बीच उलझी है

कहते हैं, जब प्यार हो जाए तो सब में उसी का चेहरा दिखता है। इश्क विश्क रिबाउंड का ट्रेलर इसी एक लाइन शुरू होता है और दर्शकों पर अपनी अमिट छाप भी छोड़ देता है। इश्क विश्क रिबाउंड का पहला ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में पश्मीना रोशन, रोहित सराफ, नैला ग्रेवाल और जिबरान खान मुख्य भूमिका में हैं। यह 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।फिल्म का शीर्षक है, इश्क विश्क रिबाउंड, जिसमें रिबाउंड का मतलब है किसी मुश्किल ब्रेकअप के बाद किसी के साथ रिश्ता बनाना। ट्रेलर में दिखाया गया है कि पश्मीना रोशन और रोहित सराफ करीबी दोस्त हैं, जो अपने-अपने पार्टनर से अलग हो जाते हैं और बाद में उन्हें एहसास होता है कि वे सच में एक-दूसरे के प्रति आकर्षित हैं।फिल्म का ट्रेलर साझा करते हुए मेकर्स ने लिखा, तीन सबसे अच्छे दोस्तों, 2 रिश्तों, 2 ब्रेकअप और सामने आने वाली उलझनों के सफर का अनुभव करें। देखें कि जब रोमांस की चिंगारी निकलती है तो रिश्ते कैसे बदलते हैं। आप यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि क्या एक्स वाकई दोस्त बने रह सकते हैं? ऐसे दौर में जब लेबल कम मायने रखते हैं, इश्क विश्क रिबाउंड आप सब से पूछता है। रिश्ते को क्या परिभाषित करता है? रिश्ते को नाम देना जरूरी है क्या?फैंस फिल्म के ट्रेलर को देख कर काफी उत्साहित हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, रोहित भाई की एक और धमाकेदार फिल्म। अब इसकी रिलीज का इंतजार है। दूसरे यूजर ने लिखा, रोहित और पश्मीना एक और हिट के लिए तैयार हैं। दोनों को ढेरों शुभकामनाएं। एक और यूजर ने लिखा, ट्रेलर तो गजब का है। अब बस फिल्म का इंतजार है। रमेश तौरानी और जया तौरानी द्वारा निर्देशित, इश्क विश्क रिबाउंड को निपुण अविनाश धर्माधिकारी ने निर्देशित किया है। यह 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

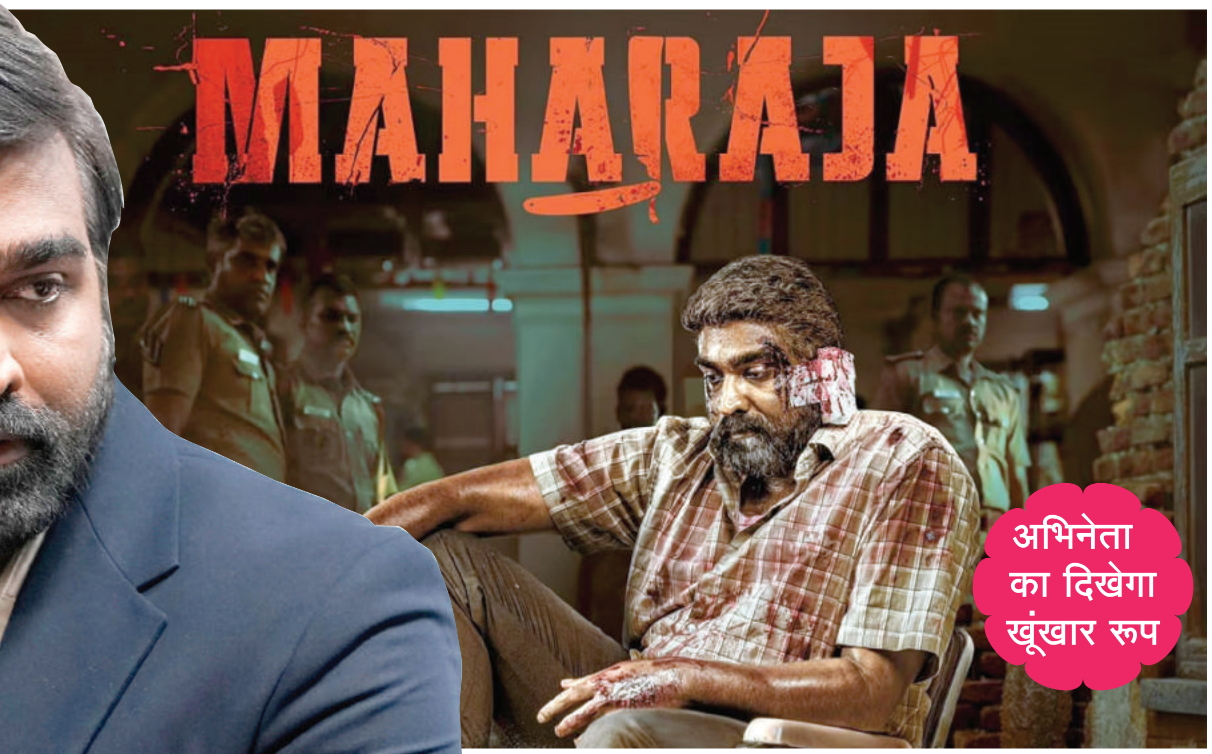

अभिनेता का दिखेगा खूंखार रूप

विजय सेतुपति की सस्पेंस-थ्रिलर महाराजा का ट्रेलर रिलीज

साउथ के पॉपुलर एक्टर विजय सेतुपति कई सालों से इंडस्ट्री में छाए हुए हैं। फिल्म महाराजा उनके करियर की 50वीं फिल्म है और इस बार आपको उनके करियर की जबरदस्त फिल्म देखने को मिलेगी। फिल्म महाराजा का ट्रेलर रिलीज हुआ है जिसमें उनका बहुत ही अलग कैरेक्टर देखने को मिलेगा। इस फिल्म में अनुराग कश्यप विलेन के रूप में नजर आएंगे और ट्रेलर में उनकी झलक भी दिखाई गई है।विजय सेतुपति ने फिल्म महाराजा का पोस्टर शेयर करते हुए दिखाया था कि उनका रूप कितना खूंखार हो सकता है। अब ट्रेलर देखकर आप समझ ही जाएंगे कि विजय किसी मिशन पर निकले हैं और उन्हें कितनी परेशानियों का सामने करना पड़ता है। फिल्म महाराजा का ट्रेलर तेलुगू भाषा में रिलीज किया गया है।अपनी 50वीं फिल्म में विजय सेतुपति ने जो पोस्टर शेयर किया था उसमें वो खून से लतपथ नजर आए। इसे देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये फिल्म एक्शन और सस्पेंस से भरपूर होने वाली है। पोस्टर्स सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुए और इसके बाद से ट्रेलर का इंतजार होने लगा।फिल्म का निर्देशन निथिलन समिनाथन ने किया है और इस फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। निथिलन समिनाथन साउथ के पसंदीदा निर्देशक हैं जिन्होंने कई सुपरहिट फिल्में बनाई हैं। पहले देखें फिल्म का ट्रेलर-ट्रेलर में आप देख सकते हैं कि विजय सेतुपति पुलिस से कुछ कहने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन कोई उनकी बात समझ नहीं पा रहा है। ऐसा आधे ट्रेलर में दिखाया गया लेकिन उतनी देर में आप समझ जाएंगे कि कुछ सस्पेंस तो फिल्म में है जो काफी तगड़ा होने वाला है।वहीं ट्रेलर के अंत में अनुराग कश्यप को दिखाया गया जो विलेन के तौर पर नजर आए। फिल्म महाराजा का ट्रेलर तेलुगू भाषा में लेकिन उम्मीद है कि ये हिंदी में भी रिलीज की जा सकती है।

श्वेता तिवारी ने 43 की उम्र में फैंस के बीच शेयर किया समर लुक

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनकी हर एक फोटोज सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट समर लुक में तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद ही सेक्सी और स्टनिंग नजर आ रही हैं।टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट समर लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका क्यूट लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर दिल हार जाते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।श्वेता तिवारी ने अपनी इन फोटोज को क्लिक करवाते हुए कैमरे के सामने खूबसूरत अंदाज में स्माइल देते हुए पोज दिए हैं।ब्लैक एंड व्हाइट फ्लोरल लुक में शॉर्ट ड्रेस पहनकर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का समर लुक लोग उनके स्टाइल की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।बता दें कि, श्वेता तिवारी ने 43 साल की उम्र में भी खुद को काफी मेंटेन कर के रखा हुआ है। हालांकि श्वेता तिवारी के चाहने वाले उन्हें उनकी बेटी पलक की बहन बताते हैं।श्वेता तिवारी इंस्टाग्राम पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। उन्होंने खुद की तरह, अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी मेनटेन किया हुआ है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज भगवती की उपासना करके दिन का आरंभ करें दिन अच्छा रहेगा ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिल सकता है. आपके काम समय पर पूरे होंगे. आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं. आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद हो सकती है. अपने कठिन विषयों को समझने के लिये किसी की मदद ले सकते हैं. घर के किसी काम में जीवनसाथी की मदद भी ले सकते हैं. रिश्ते बेहतर रहेंगे. छात्रों के लिए समय फेरबदल करने वाला हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज फिजूलखर्ची से बचें पुराना निवेश आकस्मिक लाभ देगा . इसके परिणामवश आप अपने व्यवसाय सम्बंधित समस्याओं को हल करने में पहल और अधिक रुचि ले सकते हैं. साझेदारी से आपके लिए कुछ बेहतरीन प्रोत्साहन मिल सकते हैं, जो आपकी वित्तीय स्थिति को काफी मजबूत कर सकते हैं. बच्चे जो भी कार्य करेंगे, चाहे पढ़ाई हो अथवा कोई भी अतिरिक्त गतिविधि वे हर जगह प्रशंसा अर्जित कर पाएंगे. परिवार के सदस्य का स्वास्थ्य आपको परेशान कर सकता हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप का व्यक्तित्व लोगों के लिए प्रेरणादायक रहेगा व्यापारी वर्ग और नौकरी वालों के लिए आज का दिन लाभदायी रहेगा. दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव भी आपको करना होगा. इससे आपकी समस्याएं सुलझ सकती हैं. कोई रचनात्मक काम भी आपके दिमाग आएगा या आपको दिया जा सकता है. उच्च अधिकारियों की मधुर सम्बन्ध रखे पदोन्नति होगी

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज भविष्य के लिए परिवार के साथ अहम समझौता करेंगे . आपको अपने करियर का कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है. ध्यान रहे जो भी करें, सोच–समझ कर करें. अगर आप नौकरी कर रहे हैं, तो अचानक से आपको किसी काम के लिये बाहर भेजा जा सकता है. काम की वजह से आप परिवार को पूरा समय नहीं दे पायेंगे, लेकिन परिवार का साथ बना रहेगा. आपको अपना काम समय पर पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए. किसी नये बिजनेस की शुरुआत के लिये पैसा उधार लेना पड़ सकता है.कन्या को मिष्ठान का सेवन कराए कार्य सिद्धि होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप आप को पुण्य कर्म करना चाहिए जिसके लिए आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदित रहेगा और आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे। आप दूसरों के लिए मददगार होंगे और लोग इसके लिए आपका बहुत सम्मान करेंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आपको सहकर्मियों से पूर्ण सहयोग और समर्थन प्राप्त होगा. आप नया कारखाना चालू कर सकते हैं आर्थिक लाभ होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज भविष्य के लिए आप निवेश की योजना बनाएंगे आपकी आर्थिक योजना को बल मिलेगा. पारिवारिक प्रतिष्ठा व मान–सम्मान में वृद्धि होगी. अचानक मिली कोई अच्छी खबर आपका उत्साह बढ़ा देगी. परिवार के लोगों के साथ इसे बांटना आपको उल्लास से भर देगा. एक–दूसरे का नजरिया समझकर व्यक्तिगत समस्याएँ सुलझाएं. काम का दबाव रहेगा. लेकिन जीवनसाथी की सहयोग से आप हर तनाव से दूर होंगे. अपने व्यवहार मे खुलापन रखें रिश्तों मे टकराव से बचेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सबसे पहले परिवार की जरुरतों को पूरा करना चाहिए जिससे घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा. छोटे बच्चों को कोई बड़ा सरप्राइज भी मिल सकता है. कुछ लोग आपके किसी काम में मदद के लिये आगे आ सकते हैं. पैसों को लेकर आपकी चिंता दूर हो सकती है. आप किसी काम को नये सिरे से शुरू करने के बारे में विचार कर सकते हैं. सेहत को लेकर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है. जरूरत से ज्यादा खाना आपको परेशानी में डाल सकता है. बच्चों को शाम के समय मंदिर लेकर जाए अच्छे संस्कार आंएगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कोई पुरानी सरकारी लेनदेन की फाईल वापस बाहर निकल सकती हैं आप मुश्किल मे आ सकते हैं वरिष्ठ नागरिकों को किसी भी प्रकार की भावनात्मक भागीदारी और लंबी यात्रा से बचना चाहिए. परिवार के सदस्यों के मध्य अशांति आप के लिए चिंता का विषय हो सकती है. सरकार या उच्च अधिकारियों से अच्छे समर्थन की उम्मीद न करें. शरीर के जोडों मे तकलीफ बनेगी ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप को दिया हुआ टारगेट जल्दी ही पूरा करेंगे आज आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की जरूरत है. जीवनसाथी के साथ उलझे किसी मामले को प्यार से सुलझा लिए जाने की संभावना है. उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे. किसी प्रिय व्यक्ति से मिलने का सुख मिलेगा. आज बच्चों को सावधानी से रखें मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं. सर्दी जुकाम जैसी समस्याए बनेगी

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप शिक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए हैं तो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से आप को आफर आ सकता हैं किसी जरूरी चीज को खरीदने में आपके पैसे खर्च हो सकते हैं. इस राशि के जो लेखक हैं, आपको किसी संस्था के द्वारा सम्मानित भी किया जा सकता है. माता–पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद कर सकता है. आपको किसी काम में पड़ोसियां का भी सहयोग मिल सकता है. बच्चे आपसे अपनी कोई बात शेयर कर सकते हैं. आपको उनकी बात ध्यान से सुननी चाहिए. लक्ष्मी जी का कनेर के पुष्प से पूजन करें आध्यात्मिक लाभ होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी मित्र का सहयोग मिल सकता हैं आप को सफलता पानी हो तो व्यावसायिक मोर्चे पर कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है. वरिष्ठों को खुश करना मुश्किल हो सकता है. इस अवधि के दौरान कड़ी मेहनत और विनम्र सफलता की कुंजी है. कयासों के लिए समय ठीक नहीं है. आपको पारिवारिक जीवन मे अशांति का सामना करना पड सकता है. आप को संयमित रहने की जरूरत हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सामाजिक सेवा से आप को . यश और कीर्ति भी मिलेगी परिवार का वातावरण आनंदपूर्ण रहेगा. व्यर्थ की भागदौड़ से पारिवार में अशांति छा सकती है. किसी सौदे का सामना करने जा रहे लोग अपने डर पर काबू करने में सफल होंगे. मित्रों का काम में सहयोग मिलेगा. पीठ मे तकलीफ बन सकती हैं सेहत का ख्याल रखें. अधिक महनत करने से बचना चाहिए।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 13 जून 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 09:35 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी उत्तर रात्रि 05:08 तक
योग : वज्र सायं 06:04 तक
करण : गर प्रात: 08:24 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 09:34 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

उदयपुर सांसद को जान से मारने की धमकी

धमकीबाज ने कंगना रनौत की तरह गेम बजाने की बात लिखी

उदयपुर,12 जून (एजेंसियां)। उदयपुर लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर सांसद बने मन्नालाल रावत को एक शख्स ने सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी दी है। इस संबंध में सांसद रावत ने पुलिस को सूचित कर मामला दर्ज करवा दिया है, जिसके बाद से ही साइबर पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। बता दें कि कुछ दिन पहले सांसद ने एक मीडिया संस्थान को इंटरव्यू दिया था। जब इस इंटरव्यू की वीडियो क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर की गई तो कुछ लोगों को पंसद नहीं आई। इसी के चलते कुछ लोगों ने वीडियो पोस्ट पर ही कमेंट करते हुए सांसद को धमकी दे डाली। जैसे ही ये धमकियां सांसद ने देखी तो उन्होंने बिना देरी पुलिस को इस बारे में सूचित किया और उनसे कार्रवाई करने के लिए कहा।

बताते चलें, कानूराम मीणा के नाम से बनाई गई एक प्रोफाइल के जरिए वीडियो पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा गया है, बहुत जल्द उदयपुर में भी रगड़ा निकाल दिया जाएगा। याद रखना मन्नालाल बहुत जल्द तुम्हारी वाडीया उठने वाली है। जय जोहार जिंदाबाद। इससे एक दिन पहले इसी शख्स ने एक अन्य कमेंट में लिखा था, कंगना रनौत की तरह इसका भी गेम बजाना पड़ रहा है। इसको सांसद बना के जनता ने गलत कर दिया। बीजेपी ने उदयपुर लोकसभा सीट पर अर्जुनलाल मीणा का टिकट काटकर मन्नालाल रावत पर बड़ा दांव खेला था। इस परीक्षा में वे पास भी हो गए। मन्नालाल रावत ने कांग्रेस के ताराचंद मीणा को दो लाख 61 हजार वोटों से हरा दिया। यह आंकड़ा सभी को चौंकाने वाला था। क्योंकि यह यहां सबसे नया चेहरा है। माना जा रहा था कि इस सीट पर BTP का ज्यादा दबदबा है और उससे पार पाने के लिए मन्नालाल रावत पर दांव खेला गया था।

सोशल मीडिया पर धमकी मिलते ही सांसद डॉ. मन्नालाल रावत टेंशन में आ गए। उन्होंने इस बारे में तत्काल प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से बात की। शर्मा ने उदयपुर के एसपी योगेश गोयल को सांसद मन्नालाल को सुरक्षा मुहैया कराने और धमकीबाज को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। मालूम हो कि पिछले माह राज्य के कैबिनेट मंत्री जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी को भी इसी किस्म के सिरफिरे ने जान से मारने की धमकी दी थी। खराड़ी को धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत

जेब में मिले 10 अरब और 50 लाख के चेक, पुलिस कर रही जांच

भरतपुर,12 जून (एजेंसियां)। भरतपुर के सेवर थाना इलाके में एक अज्ञात वाहन ने एक बुलेट को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार दोनों युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों युवकों के शव को आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने युवकों की जेब की तलाशी ली तो, उनके पास दो चेक मिले। एक चेक में 10 अरब रकम भरी हुई थी और दूसरे चेक में 50 लाख की रकम भरी हुई थी। पुलिस ने दोनों मृतकों की शिनाख्त कर उनके परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

पुलिस ने बताया कि घटना नगला बरताई गांव के पास हुई। स्थानीय लोगों ने सूचना दी कि दो बाइक सवार युवकों को कोई अज्ञात वाहन टक्कर मार गया है। दोनों युवक घायल हालत में सड़क पर पड़े हुए हैं, जिसके बाद पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और एंबुलेंस से दोनों घायलों को आरबीएम अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने जब दोनों युवकों की तलाशी ली तो उनके पास आधार कार्ड मिले, जिससे उनकी शिनाख्त हो गई। पहले मृतक का नाम अक्षय शर्मा (27) निवासी झुंझुनूं था, जिसके शव की तलाशी के दौरान उसकी जेब से दो कोडक बैंक के चेक जिसमें से एक चेक में 10 अरब की रकम भरी थी। दूसरे में 50 लाख की रकम भरी थी। दूसरे शव की शिनाख्त इंजमाम उल हक सिद्दीकी (26) निवासी बहादुर सेमरा चंदौली उत्तर प्रदेश के रूप में हुई और यह दोनों व्यक्ति भरतपुर में बड़ी कंपनी के लिए मार्केटिंग का काम करते थे।

कुल्हाड़ी से वार कर पति ने की पत्नी की हत्या

बीच–बचाव के प्रयास में बेटी घायल

बाड़मेर,12 जून (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना थानांतर्गत आमलसरिया गांव में एक युवक ने बुधवार अल सुबह आपसी कहासुनी के बाद कुल्हाड़ी से अपनी पत्नी पर हमला कर दिया। हादसे में पत्नी की मौत हो गई, जबकि बीच–बचाव के प्रयास में पुत्री घायल हो गई। इस हृदय विदारक घटना से क्षेत्रवासी दहशत में हैं। पुलिस के अनुसार, आपसी कहासुनी के बाद आलमसरिया गांव के चूनाराम नामक युवक ने गुस्से में आकर अपनी पत्नी जीयो देवी पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। इस दौरान उसकी पुत्री सुमित्रा ने बीच–बचाव की कोशिश की। इस दौरान पत्नी जीयो देवी (उम्र 40) की मौके पर ही मौत हो गई एवं पुत्री सुमित्रा घायल हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर धोरीमन्ना थाना पुलिस पहुंची और घायल पुत्री को अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस ने पुत्री सुमित्रा बयान के आधार पर चूनाराम के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

घटना बुधवार तड़के की बताई जा रही है। मृतका कुछ वर्ष पूर्व पेड़ से गिर जाने से गंभीर रूप से घायल हो गई थी और ज्यादातर घर पर ही रहती थी। प्रारंभिक पूछताछ में ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि आरोपी अपनी पत्नी को मोबाइल का प्रयोग करने से टोकता था और इस घटना के पीछे भी इसी बात को लेकर दोनों में विवाद होना बताया जा रहा है। हालांकि, फिलहाल हत्या के वास्तविक कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। घटना के बाद मृतका के पीहर पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद लाश परिजनों को सौंप दी है।

मंदिर और जमीन कब्जाने को लेकर 300 लोगों ने पुजारी परिवार पर किया हमला

भरतपुर,12 जून (एजेंसियां)। भरतपुर जिले में वैर उपखंड के गांव गोठरा में कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा जमीन और मंदिर पर कब्जा करने की नीयत से पुजारी परिवार के साथ मारपीट कर भगाने का एक मामला सामने आया है।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया है। इसी के चलते पीड़ित परिवार ने जिला कलेक्टर कार्यालय एवं आईजी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित परिवार ने आईजी कार्यालय पर डेरा डाल रखा है। उनका कहना है कि जब तक उन्हें मंदिर वापस नहीं दिलवाया जाता, तब तक वह यहीं रहेंगे। पीड़ित परिवार का कहना है कि करीब 300 से अधिक असामाजिक तत्वों के द्वारा उन पर हमला किया गया। लेकिन वैर पुलिस समय पर नहीं पहुंचती तो उनकी जान भी जा सकती थी। इसलिए उन्हें गांव में सुरक्षा के साथ भेजा जाए।

पीड़ित वीरेंद्र पुजारी ने बताया कि उनका परिवार 150 साल से वैर थाना क्षेत्र के गांव गोठरा में रह रहा है। वह जाति से पुजारी हैं और गांव में स्थित श्री नरसिंह भगवान के मंदिर के पुजारी हैं। मंदिर के नाम करीब 20 बीघा जमीन है। यही वजह है कि गांव के कुछ असामाजिक तत्व मंदिर को तोड़कर मैरिज होम या धर्मशाला बनाने के साथ 20 बीघा जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं। वे आए दिन हम लोगों को परेशान करते हैं। मंगलवार के दिन शाम को करीब 300 से अधिक लोगों ने मिलकर परिवार पर हमला कर दिया और जिसमें हम लोग बाल–बाल बचे। पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस समय पर पहुंची हम लोगों को सुरक्षित बाहर निकलवा कर लाई। अब हम लोग कल से ही दर–दर की ठोकरें खाते हुए इधर से उधर फिर रहे हैं। लेकिन आरोपियों के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

हालांकि, हम लोगों ने वैर एसडीएम के सामने मंदिर और जमीन के पूरे सबूत सामने रख दिए हैं। प्रशासन के द्वारा आश्वासन तो दिया गया है। लेकिन हमें गांव वापस जाने के लिए किसी भी प्रकार की कोई सुरक्षा नहीं दी जा रही है। पीड़ित परिवार बुधवार को जिला कलेक्टर कार्यालय और आईजी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। अधिकारियों से मांग की है कि उन्हें गांव भेजकर सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए और जिन लोगों ने मंदिर पर कब्जा कर रखा है, उन्हें वहां से हटाकर वापस दिलाया जाए। जिला कलेक्टर डॉक्टर अमित यादव एवं आईजी राहुल प्रकाश ने आश्वासन दिया है कि स्थानीय प्रशासन को जल्द अवगत कराकर मंदिर से लोगों को हटाकर इन्हें वापस दिलाया जाएगा और सुरक्षा के साथ इन्हें गांव भेजा जाएगा।

मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने सूचना सहायक भर्ती के पदों की संख्या बढ़ाई

जयपुर,12 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में लंबे समय से सूचना सहायक भर्ती 2023 के पदों की संख्या बढ़ाने की मांग उठ रही थी। लेकिन आचार संहिता के कारण इसमें बांधा आ रही थी। आचार संहिता हटने के बाद मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बेरोजगारों की मांग को प्राथमिकता देते हुए पदों की संख्या में वृद्धि कर दी है। अब सूचना सहायक भर्ती के पदों की संख्या 2,730 से बढ़ाकर 3,415 कर दी गई है।

मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में राजस्थान के युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए वे सदैव संकल्पित हैं। उन्होंने इस कदम को युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए कहा कि इससे राज्य में बेरोजगारी की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी। पदों की संख्या बढ़ाने के फैसले का स्वागत करते हुए बेरोजगार संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक चौधरी ने कहा कि यह कदम कई बेरोजगारों के लिए राहत लेकर आएगा और उन्हें रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा। राजस्थान में सूचना सहायक भर्ती के पदों की संख्या बढ़ने से राज्य के युवाओं में उत्साह है। युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के इस महत्वपूर्ण फैसले से राज्य में रोजगार के अवसर बड़े पैमाने पर बढ़ेंगे। मंत्री राठौड़ ने बताया कि सरकार युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में भी ऐसे कदम उठाए जाते रहेंगे। इस निर्णय से न केवल बेरोजगारों को राहत मिलेगी, बल्कि राज्य की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा।

छह करोड़ में बेच दी 300 रुपए की ज्वेलरी

जयपुर,12 जून (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में एक विदेशी महिला के साथ छह करोड़ रुपये की नकली ज्वेलरी बेचने का मामला सामने आया है। नकली ज्वेलरी बेचने के मामले में फर्जी सर्टिफिकेट जारी करने वाले नंदकिशोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, ज्वेलर गौरव सोनी और राजेंद्र सोनी पुलिस की गिरफ्त से अभी दूर बताए जा रहे हैं। यूएस निवासी चेरिश ने 18 मई को जयपुर के मानक चौक थाने में मामला दर्ज करवाया था।

जानकारी के अनुसार, ठगी की शिकार अमेरिकी महिला का नाम चेरिश है। शिकायत में विदेशी महिला ने बताया कि उसने जयपुर के मनाक चौक थाना इलाके के जौहरी बाजार स्थित एक दुकान से खरीदारी की थी। गहने खरीदने के बाद वो अमेरिका लौट गई थी। वहां अप्रैल में एक प्रदर्शनी का आयोजन हुआ तो उसने वहां खरीदे हुए गहने दिखाए। वहां से पता चला कि ये नकली हैं।

बाप–बेटे पुलिस गिरफ्त से दूर

पीड़ित महिला चेरिश इसके बाद तुरंत जयपुर वापस आई। उसने दुकान मालिक रजेंद्र सोनी और उसके बेटे गौरव से जब इसकी शिकायत की तो उन्होंने गहने नकली होने की बात से इनकार किया। उन्होंने महिला की बात नहीं मानी।

परेशान विदेशी महिला चेरिश ने इसके बाद 18 मई को दुकान मालिकों के खिलाफ मनाक चौक थाने में शिकायत दर्ज कराई। वहीं, दुकान मालिकों ने भी चेरिश के खिलाफ मामला दर्ज करा दिया।

अमेरिकी दूतावास से लगाई मदद की गुहार

इसके बाद चेरिश ने दूतावास से मदद की गुहार लगाई। दूतावास के दखल के बाद पुलिस भी हरकत में आई और जांच शुरू की। जांच में सारा मामला खुल गया और दुकानदारों का फर्जीवाड़ा सामने आया। फर्जीवाड़े का खुलासा होते ही दोनों ज्वेलरी शॉप मालिक पिता–पुत्र फरार हो गए। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। वहीं, नंदकिशोर ने ज्वेलरी की असलियत का फर्जी सर्टिफिकेट तैयार किया था, उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पानीपत में कंबल फैक्टरी में लगी भीषण आग

करोड़ों का नुकसान होने की आशंका; कारण शॉर्ट सर्किट बताया

पानीपत,12 जून (एजेंसियां)। पानीपत के सेक्टर 25 स्थित एक फैक्टरी में बुधवार दोपहर को शॉर्ट सर्किट भीषण आग लग गई जिसे अब तक काबू नहीं पाया जा सका है। अनुमान है कि इस आगजनी में फैक्टरी में रखा करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया है। आग पर काबू पाने के लिए अब तक दमकल विभाग की करीब 30 गाड़ियां भेजी जा चुकी है लेकिन अब तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है।

बताया जा रहा है कि फैक्टरी टैक्सटाइल उत्पाद से संबंधित थी। जिसका नाम आदर्श टैक्सटाइल के नाम से था। इसके मालिक का नाम वासू अरोड़ा बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग करीब दो बजे लगी थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम को मौके पर बुलाया। जैसे ही मालिक को सूचना मिली वे भी मौके पर पहुंचे। आसपास व फैक्टरीकी सभी लेबर को लगाकर फैक्टरी में तैयार माल को बाहर निकाला गया लेकिन करीब चार मंजिला फैक्टरी में आग तेजी से फैलने लगी। शाम करीब चार बजे तक आग ने फैक्टरी के चारों तल को अपनी आगोश में ले लिया था। अब तक फैक्टरी के अंदर किसी मजदूर के होने की सूचना नहीं मिली है। हालांकि आग के बुझने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि इस आगजनी में फैक्टरी में कितना जान माल का नुकसान हुआ है।

कुमारी सैलजा ने साधा भाजपा पर निशाना

पिपली, कुरुक्षेत्र,12 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 400 पार का नारा दिया था, लेकिन देश की जनता ने उसे पूरी तरह से नकार दिया। इसके साथ ही भाजपा को आइना दिखा दिया है कि झूठ और जुमले ज्यादा दिन नहीं चलते। प्रदेश की जनता भाजपा की 10 साल की नीतियों से तंग आ चुकी है और सरकार से पीछा छुड़ाना चाहती है। लोकसभा चुनाव में जनता ने दिखा दिया है कि भाजपा जा रही है और कांग्रेस आ रही है। यह दावा है अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव सांसद कुमारी सैलजा का। वे बुधवार को कुरुक्षेत्र के पिपली के पैराकीट में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान देश की जनता पर अपनी विचारधारा और तरीका जबरदस्ती थोंपने का प्रयास किया, जिसे देश की जनता ने नकार दिया।

कहा– जनता ने 400 पार के नारे को नकारा

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा का असर इस चुनाव में लोगों पर साफ दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई आगे भी जारी रखेगी। सैलजा ने कहा कि आज भाजपा पूरी तरह से एनडीए की बैसाखी के सहारे खड़ी है, पता नहीं कब क्या हो जाए, राजनीति में कुछ भी संभव है।

प्रदेश में कांग्रेस की आई पांच सीट और खुद की जीत पर उन्होंने जनता का आभार जताया है। इससे पूर्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सुरेश यूनिसपुर व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर असंध से विधायक शमशेर गोगी, प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य कंवरजीत सिंह प्रिंस, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य राजेंद्र बल्ला आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अच्छे ढंग से चुनाव लड़ते तो परिणाम और भी अच्छे होते

कुमारी सैलजा ने कहा कि यदि हम और अच्छे ढंग से लड़ते तो नतीजे और भी अच्छे आते। मगर इन परिणामों से यह साफ हो गया है कि हरियाणा की जनता ने प्रदेश की भाजपा सरकार को पूरी तरह से नकार दिया है। मुख्यमंत्री का चेहरा बदलकर भी भाजपा को कुछ भी हासिल नहीं हुआ। प्रदेश के लोगों की उम्मीद सिर्फ कांग्रेस पर ही है। उन्होंने कहा कि मैं और मेरा की जंग में सबसे बड़ा नुकसान कार्यकर्ता का होता है, क्योंकि कार्यकर्ता ही खून पसीना बहाता है। गुटबाजी से नुकसान ही होता है।

नीट परीक्षा की जांच सीबीआई से कराने की उठी मांग, कहा–

छात्रों के भविष्य के साथ न करें खिलवाड़

पटना (एजेंसियां)। बिहार में नीट परीक्षा में धांधली को लेकर लगातार विरोध हो रहा है। फिलहाल यह कई सवालों का विषय बना हुआ है। ऐसे में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से कराई गई नीट–यूजी–2024 परीक्षा में आई गड़बड़ियों के खिलाफ यूटीयू के पूर्व छात्र नेता श्रेय मल्लिक ने मोर्चा खोल दिया है। श्रेय मल्लिक ने नीट परीक्षा की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि नीट–यूजी परीक्षा में व्यापक स्तर पर गड़बड़ी और

अनियमितता सामने निकलकर आई है। उन्होंने कहा कि जारी किए गए परिणामों में प्रथम स्थान पर 67 छात्र एक साथ आए हैं। दूसरी ओर, इन प्रथम स्थान के सात छात्र हरियाणा के एक ही सेंटर से आते हैं। ऐसे में यह एक सवाल है कि ऐसा कैसे संभव हो सकता है।

श्रेय मल्लिक ने कहा कि नीट देश की बड़ी परीक्षाओं में से एक है। कुछ समय से एनटीए की ओर से आयोजित हर परीक्षा में गड़बड़ी निकलकर आ रही है। इस परीक्षा की संरचना ऐसी है कि 718–719 नंबर किसी को आ ही नहीं सकता, इसके बावजूद छात्रों को 718 और 719 नंबर मिले हैं। उन्होंने कहा कि अंकों में विसंगतियों, एकल केंद्रों से टॉपर्स और अन्य कई विषयों ने 24 लाख से अधिक छात्रों को परेशानी में डाल दिया है। उन्होंने नीट परीक्षा में शामिल हुए छात्रों के साथ न्याय करने की मांग की है। हालांकि बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई ईओयू ने मामले की जांच की जिम्मेदारी ली है। इस मामले में ईओयू ने कई आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

नीतीश सरकार का बड़ा फैसला सभी जिलों में प्रभारी मंत्री नियुक्त

पटना (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने बिहार में प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति कर दी है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पटना और विजय कुमार सिन्हा को मुजफ्फरपुर, भोजपुर का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। वहीं सीएम नीतीश कुमार के करीबी मंत्री विजय कुमार चौधरी को पूर्णिया, नालंदा और मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव को वैशाली का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन को औरंगाबाद और मंत्री सुमित कुमार संह सारण का मंत्री बनाया गया है। वहीं बिहार

सरकार के मंत्री प्रेम कुमार को नवादा, श्रवण कुमार को समस्तीपुर और मधेपुरा, पूर्व उपमुख्यंत्री रेणु देवी को सीवान, मंत्री मंगल पांडेय को दरभंगा और बेगूसराय, नीरज कुमार सिंह को कटिहार, मंत्री अशोक चौधरी को सीतामढ़ी और जहानाबाद, लेशी सिंह को मधबुनी, मदन सहनी को सुपौल, मंत्री नीतीश मिश्रा को अररिया और गया का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। वहीं मंत्री नितिन नवीन को बक्सर, कैमूर, मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल को सहरसा, मंत्री महेश्वर हजारी को खगड़िया, शीला कुमार को शेखपुरा और लखीसराय, सुनील कुमार को पूर्वी चंपारण, जनक राम को पश्चिमी चंपारण, हरी सहनी को अरवल, कृष्णनंदन पासवान को गोप–ालगंज, जयंत राज को रोहतास, जमा खान को किशनगंज और शिवहर, रत्नेश सदा को जमुई, केदार प्रसाद गुप्ता को मुंगेर, सुदेश मेहता को बांका और संतोष कुमार सिंह भागलपुर का प्रभारी मंत्री बनाया गया है।

भोजपुर में पानी की समस्या से परेशान लोग सड़क पर उतरे

पटना (एजेंसियां)। भीषण गर्मी के बीच भोजपुर में पानी की समस्या भी विकराल रूप ले रही है। शहर में पानी की शुरू हो रही समस्या का हाल यह है कि जून में कई इलाकों से त्राहिमाम होना शुरू हो गया है। शहर में पानी आपूर्ति की व्यवस्था चरमराने से लोगों का धैर्य भी जवाब दे रहा है। पानी की समस्या से जूझ रहे लोग सब्र तोड़कर सड़क पर उतर रहे हैं। पानी की समस्या से रोज दो–चार हो रहे लोग अब बाल्टी–तसली लेकर विरोध–प्रदर्शन करने पर उतारू हो रहे हैं।

इसी को लेकर बुधवार को शहर के कई स्थानों पर लोगों ने आंदोलन करके सड़क जाम कर दी। यहां रामगढ़िया के मछुआ टोली में लोग सड़क पर उतर गए और आगजनी कर रोड जाम कर

दिया। इससे अपने गंतव्य को जाने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक, शहरवासियों के इस आंदोलन की वजह से शहर की आंतरिक यातायात व्यवस्था घंटों बाधित रही।

लोगों को शांत करने आए नगर परिषद् के कर्मियों की आंदोलन कर रहे लोगों ने एक न सुनी। बाद में एसडीएम और एसडीपीओ ने लोगों को समझा–बुझा कर सड़क जाम खत्म करवाया।

वहीं, सड़क जाम कर रहे लोगों ने बताया कि अभी पानी आपूर्ति की यह स्थिति है कि जो इंसान के लिए सबसे जरूरी चीज है, वही नहीं मिल रही है।

उन्होंने बताया कि पीडब्ल्यूडी की जलापूर्ति व्यवस्था ठीक नहीं है। पानी की आपूर्ति अनियमित तरीके से की जाती है। लोगों ने आरोप लगाया कि एक महीने से पानी टंकी का मोटर खराब है। सैकड़ों बार इसकी शिकायत की गई, लेकिन किसी ने इस समस्या की सुध नहीं ली।

सारण में पिता–पुत्र की हत्या से तनाव, हंगामे के डर से पुलिस तैनात

पटना (एजेंसियां)। सारण में अधिवक्ता और उनके बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मेथवलिया गांव की है। बताया जा रहा है कि जमीन विवाद को लेकर अपराधियों ने पिता और पुत्र की हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश है। इधर, दो पक्षों में तनाव देख पुलिस अलर्ट मोड पर है। विधि व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, जमीन विवाद में हत्या की बात सामने आ रही है। वकील और उनके बेटे छपरा व्यवहार न्यायालय प्रैक्टिस करते थे।

कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। अपराधियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मृतकों की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मेथवलिया गांव निवासी 55 वर्षीय राम अयोध्या राय और उनके पुत्र सुनील कुमार राय के रूप में हुई है। मोटर साइकिल सवार पिता और पुत्र एक साथ घर से छपरा शहर स्थित वकालत करने के लिए व्यवहार न्यायालय आ रहे थे। तभी पहले से घात लगाए अज्ञात अपराधियों ने ताबड़ तोड़ फायरिंग कर घटना को अंजाम दिया गया है।

परिजनों ने बताया कि प्रतिदिन की तरह सुबह में कचहरी के लिए घर से निकले ही थे। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दूधिया पुल के समीप पूर्व से घात लगाए अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने बाइक सवार अधिवक्ता पिता और पुत्र पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दिया। इसमें पिता और पुत्र बाइक से फिर पड़े। स्थानीय लोगों द्वारा परिजनों को सूचना दिए जाने के बाद इलाज़ के लिए सदर अस्प–ताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हत्या के बात आक्रोशित अधिवक्ताओं ने कोर्ट के कार्य का बहिष्कार कर दिया है। जिस कारण कोर्ट में आए लोगों को बैरंग वापस लौटना पड़ रहा है।

जमीन को लेकर चल रहा था विवाद

दोहरे हत्याकांड के बाद सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने घटना को गंभीरता से लेते हुए बारे में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) राजकिशोर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर ताबड़तोड़ छापेमारी अभियान शुरू कर दिया गया है। त्वरित कार्रवाई के दौरान एसडीपीओ ने बताया कि मृतक का पड़ोसियों से चार बीघा जमीन को लेकर पूर्व से विवाद चला आ रहा था। जिस कारण विपक्षियों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है। हत्या के मामले में चार लोगों को नामजद किया गया है। जिसमें दो लोगो की गिरफ्तारी हो चुकी है शेष अन्य चार लोगों के गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी चल रही है।

एनएच पर भीषण हादसा, चार की मौत

पटना (एजेंसियां)। सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज थाना इलाके में एनएच 327 ई मुख्य मार्ग में एक ऑटो और ट्रक में जबरदस्त टक्कर हो गई। घटना में ऑटो में सवार छह में से चार लोगों की मौत हो गई। वहीं दो घायलों का अब भी इलाज जारी है। मरने वाले में एक ऑटो ड्राइवर और दो महिलाएं शामिल हैं। घायलों में एक महिला और पुरुष शामिल हैं, जिनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। इधर, घटना के बाद ट्रक चालक गाड़ी छोड़ कर मौके से फरार हो गया है। त्रिवेणीगंज थानाध्यक्ष राम सेवक रावत ने बताया कि सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हुई है, जिसमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। सभी के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सुपौल भेजा गया है। वहीं ट्रक और ऑटो को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मरने वालों की पहचान वेणीगंज थाना अंतर्गत महेशवा पंचायत के गजहर वार्ड 04 निवासी 55 वर्षीय गोविंद पासवान, महेशवा पंचायत बेला वार्ड 09 निवासी 55 वर्षीय सियाराम शर्मा, त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के महेशवा वार्ड 14 निवासी 40 वर्षीय ममता देवी और 52 वर्षीय बिजली देवी के रूप में हुई है। जबकि घायलों में 50 वर्षीय किशनदेव मंडल और 52 वर्षीय सकुनी देवी त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के महेशवा पंचायत अंतर्गत बेला गांव के निवासी हैं।

सियाराम शर्मा के बेटे उमेश मण्डल ने बताया कि मंगलवार को मेरे पिता समेत पंचायत से छह लोग ऑटो में सवार होकर घर से कोरियापट्टी शिव चर्चा के लिए निकले थे।

शिव चर्चा मंडली देर रात करीब 12:00 बजे समाप्त हुई और फिर सभी वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान सुपौल अररिया मुख्य मार्ग एनएच 327ई पर त्रिवेणीगंज बाजार में ट्रक और ऑटो में जबरदस्त टक्कर हो गई। जिसमें सवार मेरे पिता समेत चार लोगों की मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। वही डॉक्टर ने गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। उन्होंने बताया कि पिताजी सहित गांव के अन्य लोग बाहर जाकर शिव चर्चा में शामिल होने अक्सर जाया करते थे। इस बार उन लोगों को भगवान ने अपने पास ही बुला लिया। इस घटना के बाद चार परिवारों के घरों में कोहराम मच गया है।

पुलिस टीम पर हमला करने वाला गिरफ्तार

नालंदा (एजेंसियां)। नालंदा में 5–6 जून की रात अवैध उत्खनन के विरुद्ध नालंदा पुलिस और खनन विभाग के पदाधिकारी की ओर से बिहार थाना क्षेत्र के गोइठवा नदी और नकटपुरा गांव के पास संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध बालू, मिट्टी खनन में लगे 11 ट्रैक्टर, तीन बाइक, एक जेसीबी को जब्त किया था। इस मामले में मौके से कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, अब तक कुल सात लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस मामले में 51 नामजद और कुछ अज्ञात को अभियुक्त बनाया गया है।

वहीं, बिहार थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध उत्खनन और पुलिस टीम पर हमला के आरोपी नकटपुरा गांव निवासी डोमन यादव के पुत्र शिवनारायण यादव उर्फ डिपू यादव को बिहार थाना क्षेत्र के अम्बेर मोड़ के पास किराए के कमरे से गिरफ्तार किया है।

बाइक पेड़ से टकराई दो युवकों की मौत

बेतिया (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया में वाल्मीकिनगर घूमने आए एक बाइक पर सवार दो पर्यटकों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घटना जिले के वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के वाल्मीकिनगर–बगहा मुख्य सड़क की है। मृतक बाइक चालक की पहचान रतन भगत के बेटे राहुल कुमार (28) के रूप में हुई है, जिसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। वहीं, दूसरे व्यक्ति की पहचान मदन प्रसाद के बेटे विशाल कुमार (30) की मौत इलाज के दौरान हो गई।

जानकारी के मुताबिक, दोनों युवक सीवान के रहने वाले हैं, जो सीवान से वाल्मीकिनगर घूमने आए थे। इसी दौरान वाल्मीकिनगर से लौटने के दौरान हादसे का शिकार हो गए और दोनों की मौत हो गई। इधर,

घटनास्थल पर मौजूद एसआई महेश कुमार ने बताया कि राहुल के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेजा गया है। जबकि, दूसरे व्यक्ति विशाल की मौत इलाज के दौरान हो गई है।

जानकारी के अनुसार, भेड़िहारी कंपार्ट के पास बाइक सवार चालक बंदर को बचाने के दौरान बेकाबू होकर पेड़ से जा टकराया। इस घटना में बाइक चालक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि, पीछे बैठा युवक बुरी तरह से घायल हो गया। घायल युवक रास्ते पर घंटों छटपटाता रहा। जब राहगीरों की नजर उसपर पड़ी तो राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची वाल्मीकिनगर पुलिस के एसआई महेश कुमार डायल–112 आपात सेवा के वाहन से घायल व्यक्ति को लेकर अनुमंडलीय अस्पताल बगहा पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों सीवान के अस्प–ताल रोड के रहने वाले है। इनमें से एक निजी स्कूल में शिक्षक के रूप में काम करते थे। गर्मी की छुट्टी होने के बाद दोनों अपने दोस्तों के साथ बाइक से वाल्मीकिनगर घूमने गए थे। लेकिन लौटने के दौरान वे हादसे के शिकार हो गए।

ठगी का मामला : साइबर फ्रॉड ने 22 लोगों से 35.05 लाख ठगे, साइबर थाने में केस दर्ज

पटना (एजेंसियां)। साइबर अपराधी लगातार लोगों से ठगी कर रहे हैं। 22 लोगों ने 35 लाख 5 हजार 668 रुपए की ठगी की लिखित शिकायत साइबर थाने में की है। शातिरों ने बाकरगंज के ज्वेलरी व्यवसायी उद्धव कुमार से ठगी के पैसे से सोना खरीदा। इसके एवज में उसने ऑनलाइन 21 लाख 18 हजार 298 रुपए का भुगतान किया। इधर बैंक ने उनके खाते में जमा की गई राशि में से 20 लाख 58 हजार 776 रुपए को ठगी का पैसा बताते हुए फ्रीज कर दिया। अब पुलिस जांच कर रही है। राजीवनगर के संजीव रतन को अज्ञात नंबर से फोन आया। उसने खुद को बिजली विभाग का अधिकारी बताया।

कहा–आपके बिजली अकाउंट में बैलेंस कम है। संजीव ने कहा कि उनके खाते में बैलेंस दिखा रहा है। शातिर ने कहा कि आपके वाट्सएप पर लिंक भेज रहा हूं। उस पर जानकारी भर दें, बैलेंस अपडेट हो जाएगा। संजीव ने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया शातिरों ने दो बार में उनके खाते से 66 हजार निकाल लिए।

मंजु कुमारी खोजा इमली की रहने वाली हैं। उनके मोबाइल पर मैसेज आया कि आपके बैंक अकाउंट को आधार से जोड़ना अनिवार्य है। नहीं होने पर खाता ब्लॉक कर दिया जाएगा। मंजु ने कथित बैंक अधिकारी के वाट्सएप पर अपना आधार कार्ड भेज दिया। इसके बाद शातिर उनके बचत खाता से 4 हजार और उनका आरडी तोड़कर 3 लाख 67 हजार 324 रुपए की निकासी कर ली।

त्रिलोकी नाथ सिन्हा बोरिंग रोड में रहते हैं। उनका खाता एसबीआई में है। उन्होंने बैंक में चेक जमा किया था जो क्लियर नहीं हुआ था। इसके बाद उन्होंने गूगल से बैंक के कस्टमर केयर का मोबाइल नंबर लिया और फोन कर दिया। फोन साइबर शातिर को लग गया। शातिर ने उनके मोबाइल में रिमोट एक्सेस एप इंस्टॉल करवा दिया और उनके खाते से 1.11 लाख रुपए की निकासी कर ली।

इसी तरह यूपी के रहने वाले मनोज के साथ ठगी हुई। मनोज दीघा में रहते हैं और एक इंश्योरेंस कंपनी में काम करते हैं। उन्होंने गूगल से डॉक्टर के क्लिनिकल का नंबर लिया, वो शातिर का नंबर था। उनके खाते से भी 1.07 लाख की निकासी हुई।

बोरिंग रोड के रहने वाले संजय चौधरी को एक शातिर का वाट्सएप पर वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाला पुलिस की वर्दी में था। उसने अपना नाम एसके मिश्रा बताया और कहा कि यूपी पुलिस का अधिकारी है। उसने कहा कि आपके आधार कार्ड से लखनऊ में तीन बैंक खाता चल रहा है। उस खाते से मनी लाउंड्रिंग हो रही है। उन्होंने कहा कि मेरा लखनऊ में कोई खाता नहीं है। इसके बाद एसके मिश्रा ने एक अन्य अधिकारी से बात कराया जिसने खुद को यूपी पुलिस का डीजीपी बताया। इसके बाद संजय चौधरी को जेल भेज देने का झांसा देकर और जांच में सहयोग का हवाला देकर 93 हजार 996 रुपए की ठगी कर ली।

विनोद मिस्त्री, भगवानगंज– 99 हजार 900 कुमार कुंदन, मीठापुर, ऑनलाइन ट्रेडिंग– 91 हजार राहुल कुमार, जगदेव पथ– 83 हजार 199 रुपए अनुभव राज, फतुहा– 80 हजार धर्मेंद्र कुमार, मनेर– 45 हजार 725 रुपए रूबी देवी, मसौढ़ी– 45 हजार 622 रुपए गोविंद कुमार, खगौल– 36 हजार 800 रुपए अविनाश कुमार, पटना सिटी– 37003 रुपए मो. नसीम, कदमकुआं– 22 हजार राजू कुमार, बिहटा– 16 हजार 200 मनीष कुमार, बेउर– 13 हजार नीतू कुमार, अगमकुआं– 10 हजार मंतोष कुमार, घोसवरी– 8650 रुपए

कबाड़ी दुकान में लगी भीषण आग लाखों की संपत्ति जलकर हुई खाक

गया (एजेंसियां)। बिहार के जहानाबाद के घोसी बाजार क्षेत्र में देर रात एक कबाड़ी की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। इस घटना में लगभग आठ लाख रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंचे पीड़ित केवाली गांव निवासी चंदन केसरी उर्फ साधु केसरी ने फायर बिग्रेड की टीम को सूचना दी। उसके बाद मौके पर पहुंची दमकल कर्मियों ने चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पीड़ित दुकानदार चंदन केसरी ने बताया कि इस घटना में लगभग आठ लाख रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी दुकान के बगल में एक होटल चलता है, जिसके संचालक से मेरा कुछ दिन पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। तब उसने कहा था कि तुम्हारे दुकान में आग लगा दूंगा। उसी ने इस घटना को अंजाम दिया है।

घोसी के थाना अध्यक्ष ओमप्रकाश ने बताया कि एक कबाड़ी दुकान में आग लगी है। पीड़ित व्यक्ति द्वारा आवेदन मिलने के बाद मामले की जांच की जाएगी। आग पर काफी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। आसपास के लोगों ने भी आग पर काबू पाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन नाकाम रहे। बाद में दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com